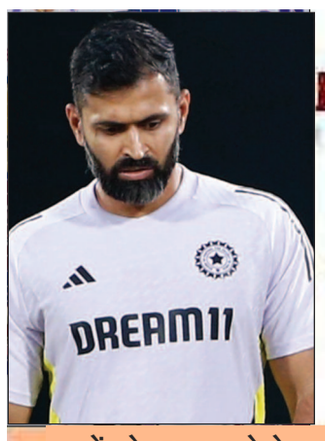

सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

वेंकटेश अय्यर को लेकर ये या बोल गए केकेआर के ..... -पेज: 7

छोरी 2 के बाद अब छोरी 3 के लिए पूरी तरह तैयार हैं नुसरत भरुचा -पेज: 8

वर्ष: 01 | अंक: 241 | बुधवार 10 दिसंबर 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2 रुपए

राष्ट्रपति मुर्मु ने राष्ट्रीय हस्तशिल्प पुरस्कार प्रदान किए

नई दिल्ली एजेंसी: राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने आज नई दिल्ली में वर्ष 2023 और 2024 के राष्ट्रीय हस्तशिल्प पुरस्कार प्रदान करते हुए कहा कि कला केवल सौंदर्य का माध्यम नहीं, बल्कि हमारे अतीत की स्मृतियों, वर्तमान की अनुभूतियों और भविष्य की आकांक्षाओं का जीवंत पुल है। उन्होंने कहा कि मनुष्य ने प्राचीन काल से ही चित्रकला और मूर्तिकला के माध्यम से अपने विचारों और भावनाओं को अभिव्यक्ति दी है। उन्होंने कहा कि कला न केवल संस्कृति से जोड़ती है, बल्कि लोगों के बीच सामाजिक एवं भावनात्मक संबंधों को भी मजबूत बनाती है। राष्ट्रपति ने भारतीय हस्तशिल्प की गौरवशाली परंपरा का उल्लेख करते हुए कहा कि हमारे कारीगरों की अटूट प्रतिबद्धता और सृजनशीलता ने इस विरासत को सदियों से जीवित रखा है। समय के साथ तकनीक और मांग बदलती रहीं, पर कारीगरों ने अपनी मूल भावना और मिट्टी की महक को हर रचना में संजोए रखा।

वंदे मातरम राष्ट्रीय कर्तव्य का स्मरण, चुनावी मुद्दा नहीं: अमित शाह

नई दिल्ली एजेंसी: संसद के शीतकालीन सत्र में मंगलवार को राज्यसभा में वंदे मातरम पर विशेष चर्चा की शुरूआत हुई। चर्चा की शुरूआत करते हुए गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि वंदे मातरम केवल एक गीत नहीं, बल्कि देश की आजादी, राष्ट्रीय चेतना और मां भारती के प्रति समर्पण का एक शक्तिशाली मंत्र है। वंदे मातरम भारत के गौरव, राष्ट्रभक्ति और राष्ट्रीय अस्मिता से जुड़ा है गृह मंत्री ने कहा कि इस विषय को किसी राजनीतिक नजरिए से नहीं देखा जाना चाहिए, क्योंकि यह भारत के गौरव, राष्ट्रभक्ति और राष्ट्रीय अस्मिता से जुड़ा है। अमित शाह ने कहा कि वंदे मातरम ने स्वतंत्रता संग्राम के दौरान ऐसा उत्साह और जोश भरा कि यह

नारा पूरे देश में आजादी का उद्घोष बन गया। उन्होंने यह भी कहा कि कुछ लोग इस चर्चा पर सवाल उठा रहे हैं, जबकि उन्हें समझना चाहिए कि वंदे मातरम पर चर्चा हमारे राष्ट्र के इतिहास और उसके आदर्शों को स्मरण करने का अवसर है। यह गीत आज भी उतना ही प्रासंगिक है जितना स्वतंत्रता संग्राम के समय था अमित शाह ने कहा कि यह गीत आज भी उतना ही प्रासंगिक है जितना स्वतंत्रता संग्राम के समय था, और जब 2047 में भारत विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा होगा, तब भी वंदे मातरम की भावना उतनी ही दृढ़ बनी रहेगी। सदन में बताया गया कि 7 नवंबर 1875 को बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय की अमर रचना वंदे मातरम पहली बार सार्वजनिक हुई थी। प्रारंभ में इसे एक उत्कृष्ट साहित्यिक कृति माना गया, लेकिन धीरे-धीरे यह देशभक्ति का शाश्वत प्रतीक बनकर स्वतंत्रता आंदोलन की पहचान बन गई। बंकिमचंद्र की इस रचना ने देश को चेतना, साहस और नई ऊर्जा दी गृह मंत्री ने कहा कि बंकिमचंद्र की इस रचना ने देश को चेतना, साहस और नई ऊर्जा दी। उन्होंने कहा, वंदे मातरम ने देश को जागरूक किया, युवाओं को प्रेरित किया और अनेक क्रांतिकारियों के लिए यह अंतिम मंत्र बना, जिसने उन्हें अगले जन्म में भी इसी भारत भूमि पर जन्म लेने की प्रेरणा दी। उन्होंने स्पष्ट किया कि वंदे मातरम को बंगाल चुनाव से जोड़कर देखना गलत है। यह गीत केवल बंगाल का नहीं, बल्कि पूरे देश की धड़कन है और वैश्विक स्तर पर भारत की पहचान है। वंदे मातरम स्वतंत्रता संग्राम और मातृभूमि की आजादी के लिए एक पवित्र संघर्ष का प्रतीक इससे पहले सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा में वंदे मातरम पर चर्चा की शुरूआत की थी।

भारत विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में आगे.....

अमित शाह ने कहा कि यह गीत आज भी उतना ही प्रासंगिक है जितना स्वतंत्रता संग्राम के समय था, और जब 2047 में भारत विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा होगा, तब भी वंदे मातरम की भावना उतनी ही दृढ़ बनी रहेगी।

उन्होंने कहा था कि यह केवल एक गीत या राजनीतिक नारा नहीं, बल्कि स्वतंत्रता संग्राम और मातृभूमि की आजादी के लिए एक पवित्र संघर्ष का प्रतीक था।

इंडिगो संकट के बाद अब रेलवे पर मंडराया नया खतरा, लोको पायलटों की चेतावनी, ट्रेनों की आवाजाही पर पड़ सकता बड़ा असर

नई दिल्ली एजेंसी: इंडिगो में पायलटों की कमी से उत्पन्न अफरातफरी अभी थमी भी नहीं थी कि अब देश की 'ी'ल्ली मानी जाने वाली भारतीय रेल पर नया संकट मंडराने लगा है। लंबे समय से बढ़ते काम के बोझ और थकान के मुद्दे को लेकर लोको पायलटों ने चेतावनी दे दी है कि अगर उनकी मांगें पूरी नहीं हुईं, तो ट्रेनों की रफ्तार ही नहीं, पूरे रेल संचालन पर गहरा असर पड़ सकता है। यह हालात अगर और बिगड़े, तो यात्रियों को इंडिगो संकट से कहीं ज्यादा भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। बता दें कि पिछले हफ्ते इंडिगो में पायलटों की कमी ने हजारों उड़ानों को ठप कर दिया था। नतीजा यह हुआ कि यात्री एयरपोर्ट पर फंसे रहे और हालात बिगड़ते देख सरकार को तुरंत रिफंड के नियम लागू करने पड़े। यह

गड़बड़ी उस समय हुई जब नवंबर से लागू हुए फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन और फटीग रिस्क मैनेजमेंट सिस्टम के तहत पायलटों के आराम से जुड़े नए मानकों का सही पालन नहीं हुआ। अब ठीक यही स्थिति भारतीय रेलवे में भी बनने की आशंका जताई जा रही है। रेलवे के लोको पायलट काम के घंटे तय करने और थकान रोकने वाले नियम लागू करने की मांग पर अड़े हुए हैं। अगर उनकी बात नहीं मानी गई, तो ट्रेनों की आवाजाही पर बड़ा असर पड़ सकता है। लोको पायलटों की पुरानी मांग–नियुक्तियां बढ़ें, रोस्टर वैज्ञानिक हो एक रिपोर्ट के अनुसार, रेलवे में लंबे समय से लोको पायलटों की भारी कमी है। खाली पदों पर भर्ती की मांग बार-बार उठती रही है, लेकिन प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ी। इस कमी की वजह से मौजूदा पायलटों पर काम का दबाव बढ़कर खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है। लगातार लंबे घंटे ट्रेनें चलाने से पायलटों में थकान बढ़ रही है, जिससे सुरक्षा को गंभीर खतरा पैदा होता है। इसी कारण यूनियन वैज्ञानिक रोस्टर, समुचित आराम, और लेबर सुधार जैसे कदम उठाने की मांग कर रही है। यूनियन ने चेतावनी दी है कि रेलवे को इंडिगो की तरह हालात बिगड़ने से पहले ही सबक लेना चाहिए।

यात्रियों पर पड़ सकता है बड़ा असर अगर लोको पायलट अपनी मांगों पर अडिग रहते हैं, तो देशभर में ट्रेनों का संचालन बाधित हो सकता है। यह स्थिति इंडिगो संकट से भी ज्यादा गंभीर साबित हो सकती है, क्योंकि: रेल नेटवर्क बड़ा है यात्री संख्या लाखों में है निर्भरता आम लोगों से लेकर व्यापार तक हर क्षेत्र में है लोको पायलटों का कहना है

सीएम रेखा गुप्ता ने कैबिनेट संग स्वर्ण मंदिर में की सेवा, कहा- हमने गुरु तेग बहादुर साहिब के शहीदी पर्व पर किया भव्य आयोजन

नई दिल्ली एजेंसी: दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता अपने कैबिनेट मंत्रियों के साथ सोमवार को अमृतसर में श्री हरमंदिर साहिब में मत्था टेकने पहुँचीं। पदभार ग्रहण करने के बाद यह उनकी पहली स्वर्ण मंदिर यात्रा थी। गुप्ता ने पवित्र तीर्थस्थल पर शीश झुकाकर प्रार्थना की और दरबार साहिब में हृदय से कृतज्ञता व्यक्त की। मुख्यमंत्री ने पिछले महीने लाल किले के प्रांगण में पूज्य गुरु तेग बहादुर जी की 350वीं शहादत वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित तीन दिवसीय 'गुरमत समागम' के सुचारू और सफल आयोजन का श्रेय गुरु तेग बहादुर जी के आशीर्वाद को दिया। उन्होंने कहा कि इसी कारण से मैं अपने पूरे मंत्रिमंडल के साथ गुरु का आशीर्वाद लेने और कृतज्ञता व्यक्त करने यहाँ आई हूँ। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर

एक पोस्ट में मुख्यमंत्री ने इस पवित्र स्थल पर महसूस की गई आध्यात्मिक ऊर्जा का वर्णन किया। उन्होंने कहा कि यह मंदिर न केवल एक धरोहर है, बल्कि आस्था, सेवा और चरित्र निर्माण का केंद्र भी है। उन्होंने कहा कि गुप्ता ने सभी के कल्याण, स्वास्थ्य और समृद्धि के लिए प्रार्थना की। आज मुझे श्री हरमंदिर साहिब में मत्था टेकने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। इस पवित्र स्थान के दर्शन मात्र से ही अद्भुत शांति का अनुभव होता है। स्वर्ण मंदिर केवल एक धरोहर स्थल ही नहीं, बल्कि आध्यात्मिक ऊर्जा और सेवा का एक दिव्य केंद्र है, जहाँ आस्था कर्म में परिवर्तित होती है और भक्ति चरित्र का निर्माण करती है। यहाँ मैंने सबके कल्याण (सरबत दा भला) की प्रार्थना की, और सभी के लिए सुख, स्वास्थ्य और कल्याण की कामना की। दिल्ली में लाल किले पर गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित भव्य समारोह का सफल आयोजन, वाहेगुरु की असीम कृपा और गुरु साहिब की असीम कृपा का परिणाम है। मैं प्रार्थना करता हूँ कि वाहेगुरु हम सभी पर अपनी कृपा बनाए रखें और हमें सेवा, करुणा और कर्तव्य के मार्ग पर अडिग रहने की शक्ति प्रदान करें। इस यात्रा से पहले, भाजपा नेता मनजिंदर सिंह सिरसा ने विमान के अंदर से तस्वीरें पोस्ट कीं, जिनमें दिल्ली से अमृतसर जाते हुए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और उनके मंत्रिमंडल के सदस्य दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने लिखा माननीय मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता जी और अन्य मंत्रिमंडल सदस्यों के साथ 350वें प्रकाश पर्व के सफल आयोजन के लिए

योगी आदित्यनाथ की हुंकार, बोले- विदेशी आक्रांता हमारे आदर्श नहीं हो सकते

लखनऊ एजेंसी: उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को कहा कि जो लोग विदेशी आक्रमणकारियों का महिमामंडन करते हैं, वे "गुलामी की मानसिकता" से ग्रस्त हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत को अपने नायकों और सभ्यतागत विरासत पर गर्व होना चाहिए। मुख्यमंत्री यहाँ आर्मी स्कूल में भारत के पहले चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल बिपिन रावत की चौथी पुण्यतिथि पर उनके नाम पर एक सभागार का उद्घाटन करने के बाद बोल रहे थे। इस अवसर पर, आदित्यनाथ ने रावत की एक प्रतिमा का अनावरण भी किया और उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की। जनरल रावत, उनकी पत्नी मधुलिका रावत और 11 अन्य 8 दिसंबर, 2021 को तमिलनाडु के कुन्नूर के पास एक हेलीकॉप्टर दुर्घटना में मारे गए थे। सभा को संबोधित करते हुए, आदित्यनाथ ने कहा कि जनरल रावत राष्ट्रीय गौरव, कर्तव्य और स-

हस के प्रतीक थे, और नया सभागार और प्रतिमा आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करेगी। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 2022 के स्वतंत्रता दिवस के भाषण में प्रत्येक भारतीय से राष्ट्रीय पुनरुत्थान के लिए 'पंच प्रण' (पाँच संकल्प) अपनाने के आह्वान को याद किया। उन्होंने कहा कि क्या कोई सच्चा भारतीय है जो एक कमजोर या गरीब भारत चाहेगा? हर सच्चा भारतीय एक सुरक्षित, विक-सित और आत्मनिर्भर राष्ट्र चाहता है। अगर हम ऐसा भारत बनाना चाहते हैं, तो ये पाँच संकल्प हमारे जीवन का हिस्सा बनने चाहिए। पहले संकल्प - 'अगले 25 वर्षों में भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने का प्रयास' पर बोलते हुए, आदित्यनाथ ने कहा कि भारतीयों को अपनी विरासत पर गर्व होना चाहिए और राष्ट्रीय प्रतीकों का सम्मान करना चाहिए। योगी ने कहा कि हमें भगवान राम, भगवान कृष्ण, महाराणा प्रताप, छत्रपति शिवाजी महाराज, गुरु गोविंद सिंह जी और रानी लक्ष्मीबाई की विरासत पर गर्व है।

राज्यसभा में अमित शाह पर बरसे खरगे, कहा- हम 60 सालों से गा रहे हैं वन्दे मातरम्, आपने अब शुरूआत की

नई दिल्ली एजेंसी: नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने राज्यसभा में 'वंदे मातरम्' पर हो रही चर्चा में हिस्सा लेते हुए गृह मंत्री अमित शाह के बयानों पर तीखा पलटवार किया। उन्होंने सदन में अपनी स्पीच शुरू करने से पहले खरगे ने खुद जोरदार तरीके से 'वंदे मातरम्' के नारे लगाए। 'हम 60 सालों से गा रहे हैं, आपने अब शुरूआत की' खरगे ने गृह मंत्री को समय दिए जाने के बाद खुद को बोलने का मौका मिलने पर सभापति को धन्यवाद दिया। उन्होंने सीधे तौर पर बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा- "मैं सौभाग्यशाली हूं। मैं 60 सालों से यही गीत गा रहा हूं। 'वंदे मातरम्' नहीं गाने वालों ने अभी (अब) शुरूआत की है।" खड़गे ने बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय को कांग्रेस की तरफ से नमन किया और आजादी के आंदोलन में बलिदान देने वाले सभी सेनानियों को भी श्रद्धांजलि दी। कांग्रेस ने इसे नारा बनाया, आप खिलाफ थे विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने कांग्रेस पार्टी के इतिहास का ज़िक्र करते हुए कहा कि स्वतंत्रता संग्राम के दौरान 'वंदे मातरम्' को नारा बनाने का काम कांग्रेस ने किया था। उन्होंने याद दिलाया कि पहली बार रवींद्रनाथ टैगोर ने यह गीत 1896 में कांग्रेस के कलकत्ता अधिवेशन में गाया था। उन्होंने सत्ता पक्ष पर हमला बोलते हुए कहा, "आपका इतिहास रहा है कि आप हमेशा स्वतंत्रता संग्राम और देशभक्ति गीतों के खिलाफ रहे। पहले आप देशभक्ति के नाम से डरते थे।" इस तरह खरगे ने 'वंदे मातरम्' के मुद्दे पर देशभक्ति को लेकर हो रही राजनीतिक बहस

लोकसभा में बंकिम दा' वाली टिप्पणी को लेकर माफी मांगें प्रधानमंत्री मोदी: ममता बनर्जी

पश्चिम बंगाल एजेंसी: पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर उपन्यासकार बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय को बंकिम दा' कहकर अपमानित करने का आरोप लगाते हुए कहा कि मोदी को माफी मांगनी चाहिए। ममता बनर्जी ने कूचबिहार जिले में एक रैली को संबोधित करते हुए कहा कि जब देश आजाद हुआ था तब प्रधानमंत्री का जन्म भी नहीं हुआ था लेकिन फिर भी उन्होंने बंगाल के सबसे महान सांस्कृतिक प्रतीकों में से एक मानी जाने वाली हस्ती को इस तरह संबोधित किया। उन्होंने कहा, आपने (मोदी) उन्हें (बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय) वह न्यूनतम सम्मान भी नहीं दिया, जिस-के वह हकदार हैं। आपको इसके लिए देश से माफी मांगनी चाहिए। लोकसभा में चट्टोपाध्याय द्वारा रचित राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम' के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में सोमवार को चर्चा के दौरान प्रधानमंत्री द्वारा

लेखक का उल्लेख किया जाना विवाद का विषय बन गया। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद सौगत रॉय ने दा' शब्द के प्रयोग पर आपत्ति जताई और प्रधानमंत्री से इसके स्थान पर बंकिम बाबू' कहने का आग्रह किया। मोदी ने तुरंत इस भावना को स्वीकार करते हुए कहा, मैं बंकिम बाबू' कहूंगा। धन्यवाद, मैं आपकी भावनाओं का सम्मान करता हूं और हल्के-फुल्के अंदाज में पूछा कि क्या वह अब रॉय को भी ह्यदादा' कह सकते हैं। ममता बनर्जी ने भाजपा पर निशाना साधते हुए दावा किया कि अगर यह पार्टी राज्य में सत्ता में आई तो बंगाल की संस्कृति, भाषा और विरासत को नष्ट कर देगी। उन्होंने यह भी दावा किया कि मतदाता सूची की विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया पूरी होने पर अंतिम मतदाता सूची के प्र-काशन के तुरंत बाद राज्य में विधानसभा चुनावों की घोषणा कर दी जाएगी ताकि कोई भी इसे अदालत में चुनौती न दे सके।

सीएम मोहन ने बुंदेलखंड की धरती से लिखा विकास का नया अध्याय, सौगातों की लगा दी झड़ी

भोपाल एजेंसी: मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की अध्यक्षता में मंगलवार को खजुराहो के महाराजा छत्रसाल कन्वेंशन सेंटर में हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में बुंदेलखंड के औद्योगिक विकास और रोजगार संपन्न बनाने,सिंचाई सुविधाओं के विस्तार,सड़कों के निर्माण सहित नौरादेही अभ्यारण्य में चीता के रह-वास के लिए विकास कार्यों को स्वीकृति जैसे अनेक ऐतिहासिक निर्णय लिए गये। मुख्यमंत्री डॉ यादव का मंत्रिपरिषद के सदस्यों ने बुंदेलखंड के विकास पर केंद्रित विकास के महत्वपूर्ण निर्णय लिए जाने पर करतल ध्वनि से स्वागत किया गया। बैठक में छतरपुर और दमोह के मेडिकल कालेजों में पदों की स्वीकृति सहित शासकीय चिकित्सालयों के उन्नयन और नवीन पदों के सृजन को भी स्वीकृति दी गई। मंत्री-परिषद ने बुंदेलखंड क्षेत्र के औद्योगिक विकास को गति देने के उद्देश्य से सागर के औद्योगिक क्षेत्र 'मसवासी ग्रंट' के लिए एक विशेष औद्योगिक प्रोत्साहन पैकेज को मंजू-री दी गई है।इस पैकेज की मदद से एक निवेशक-हितैषी वातावरण तैयार होगा, जिससे यहां 24 हजार 240 करोड़ रुपए के निवेश के रास्ते खुलेंगे। यह प्रयास सीधे तौर पर 29 हजार से अधिक व्यक्तियों को

रोजगार प्रदान कर आर्थिक उन्नयन का नया मार्ग खोलेगा। स्वीकृति अनुसार भूमि प्रब्याजी और वार्षिक भू-भाटक की दर केवल एक रुपये प्रति वर्गमीटर निर्धारित की है। इसके अतिरिक्त, विकास शुल्क चुकाने के लिए 20 समान वार्षिक किश्तों की सुविधा दी गई है, और संधारण शुल्क 8 रुपये प्रति वर्गमीटर वार्षिक तय किया गया है। निवेशकों को प्रोत्साहित करने के लिए स्टाम्प और पंजीयन शुल्क में 100% प्रतिपूर्ति

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की अध्यक्षता में मंगलवार को खजुराहो के महाराजा छत्रसाल कन्वेंशन सेंटर में हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में बुंदेलखंड के औद्योगिक विकास और रोजगार...

की स्वीकृति दी गई है। साथ ही, इकाइयों को वाणिज्यिक उत्पादन शुरू होने की तारीख से पांच वर्षों तक विद्युत शुल्क में छूट दी गई है। वित्तीय सहायता पैकेज के तहत वृहद श्रेणी की औद्योगिक इकाइयों पर उद्योग संवर्धन नीति 2025 और निवेश प्रोत्साहन योजना 2025 के नियम लागू होंगे, जबकि एमएसएमई इकाइयों के लिए एमएसएमई विकास नीति 2025 और एमएसएमई प्रोत्साहन योजना 2025 के प्रावधान प्रभावी होंगे। सीमेंट निर्माण इकाइयों को इस विशेष वित्तीय सहायता पैकेज का लाभ नहीं मिलेगा। यह विशेष पैकेज आगामी पांच वर्षों के लिए प्रभावशील रहेगा। सागर से दमोह 76 किलोमीटर फोरलेन मार्ग निर्माण के लिए 2059 करोड़ की प्रशास-ाकीय स्वीकृति मंत्री-परिषद द्वारा सागर-दमोह मार्ग, लंबाई 76.680 किमी 4-लेनमय पेव्हड शोल्डर के साथ हाइब्रिड एन्युटी मॉडल के अंतर्गत उन्नयन एवं निर्माण के लिए परियोजना वित्तीय लागत 2,059 करोड़ 85 लाख रुपए की स्वीकृति दी गई है। स्वीकृति अनुसार लागत का 40% हाइब्रिड एन्यूटी मॉडल (ल्अट) के अंतर्गत मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम द्वारा राज्य राजमार्ग निधि से जीएसटी सहित वहन किया जाएगा।शेष 60% राशि का प्रावधान संचालन अवधि में 15 वर्षों तक 6 माही एन्युटी के रूप में राज्य बजट के माध्यम से किया जाएगा।

संपादकीय

बाबरी बनाम राम मंदिर

तृणमूल कांग्रेस के निलंबित विधायक हुमायूं कबीर ने कुछ मुस्लिम चेहरों के साथ बाबरी मस्जिद की नींव रखी, तो दूसरी तरफ बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस, बाबा बागेश्वर और कई साधु-संतों ने, एक व्यापक जन-सैलाब के साथ, 'गीता पाठ' किया। बाबरी मस्जिद से 11 किमी की दूरी पर 'बहरामपुर' में राम मंदिर बनाने का उद्घोष किया गया। इन दोनों फैसलों और कर्मकांडों का धार्मिक आस्था से कोई सरोकार नहीं है। ये सांप्रदायिक, हिंदू बनाम मुसलमान, जमावड़े थे, जिनकी मानसिकता में अप्रैल-मई, 2026 के विधानसभा चुनाव उमड़-घुमड़ रहे थे। बेशक प्रभु श्रीराम समूचे भारत के जनमानस के सबसे अधिक स्वीकार्य और पूजनीय आराध्य हैं। राम के जीवन-चरित पर सबसे अधिक, प्रमुख भाषाओं में, 'रामायण' का सृजन किया गया है। यदि हमारे आराध्य का एक और मंदिर बनाया जाता है, तो वह विवादास्पद नहीं हो सकता, क्योंकि बहुसंख्यक हिंदू 'मूर्ति पूजक' हैं, लेकिन श्रीराम की जन्मस्थली अयोध्या में आराध्य का भव्य मंदिर बन चुका है। मंदिर के शिखर पर सनातन की प्रतीक 'धर्म-ध्वजा' भी सुशोभित की जा चुकी है। देश भर से लाखों श्रद्धालु अपने आराध्य श्रीराम के दर्शन करने और मत्था टेकने अयोध्या जा रहे हैं। राम मंदिर का सम्मान किसी तीर्थ-स्थान से कमतर नहीं है, लिहाजा एक और राम मंदिर के उद्घोष का औचित्य क्या है? देश में आज भी प्रभु राम के असंख्य मंदिर हैं, जहां अनवरत पूजा-पाठ जारी है। बेशक राम के नाम पर ध्रुवीकरण और सामुदायिक लामबंदी जरूर की जा सकती है। चुनाव के मद्देनजर उनका महत्व भी निर्णायक है। यकीनन हिंदुओं अथवा ऐसे आस्थावानों के ध्रुवीकरण से भाजपा को चुनावी फायदा सर्वाधिक होता रहा है। स्वतंत्र भारत में बाबर जैसे विदेशी आक्रांताओं के स्मारक के तौर पर मस्जिद बनाने की अनुमति नहीं दी जा सकती। भारत अब एक संप्रभु, लोकतांत्रिक और संवैधानिक राष्ट्र है, उसमें बाबर का स्मारक स्वीकार्य नहीं है। मुस्लिम मस्जिद बनाना चाहते हैं, तो सरकार से बाकायदा इजाजत लें और पैगंबर मुहम्मद के नाम पर मस्जिद बनाएं। किसे आपत्ति होगी? हालांकि राजधानी दिल्ली में 'बाबर रोड' आज भी मौजूद है। ऐसे और भी स्मारक बाबर के नाम पर देश में होंगे, लेकिन नए प्रयास, नए शिलान्यास, नए निर्माण को नहीं होने देना चाहिए। पश्चिम बंगाल में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को कथित बाबरी मस्जिद की नींव नहीं रखने देनी चाहिए थी। भाजपा के जो चेहरे चीखा-चिल्ली कर बाबरी का विरोध कर रहे थे, उन्हें भी नींव का पुरजोर विरोध करना चाहिए था। मुख्यमंत्री को अपने ही बागी विधायक को गिरफ्तार कराना चाहिए था, लेकिन बाबरी मस्जिद की प्रतीकात्मक नींव रख दी गई और वह तबका अपनी सांप्रदायिकता में कामयाब रहा। ममता को मुर्शिदाबाद की 24 विधानसभा सीटों पर 65 फीसदी से ज्यादा मुसलमानों के वोट की चिंता थी, तो ममता हिंदुओं के वोट भी छोड़ नहीं सकती थी। बंगाल में 35-40 फीसदी हिंदू वोट ममता की पार्टी के पक्ष में भी जाते हैं, लिहाजा मुख्यमंत्री ने विधायक को निर्लंबित ही किया।

चिंतन-मनन

चैतन्य रहें

एक बार दो देवताओं में विवाद हो गया कि भाग्य बड़ा है या पुरूषार्थ? विवाद हर व्यक्ति के मन में पैदा होता है, चाहे मनुष्य हो, चाहे देवता हो। निश्चित हुआ, परीक्षा करें। एक देवता ने कहा- देखो! भाग्य बड़ा नहीं होता, पुरूषार्थ बड़ा होता है। दूसरे ने कहा- नहीं! उस आदमी को देखो। तुम्हें साक्षात प्रमाणित करूंगा कि पुरूषार्थ बड़ा नहीं होता, भाग्य बड़ा होता है। पति-पत्नी जा रहे थे। देवता ने रास्ते के बीच रत्नों का ढेर लगा दिया। रत्न ही रत्न बिखेर दिए। जब आस-पास आए, पत्नी ने कहा- अभी तो हमारी आंखे अच्छी हैं, हम देख सकते हैं, हमें सब कुछ दिखाई देता है। कभी ?सा भी हो सकता है कि बुढ़ापा आने के साथ-साथ हमारी आंखें चली जाएं, हम अन्धे हो जाएं। फिर काम कैसे चलेगा? पति ने कहा - परीक्षा कर लें। देखें, कैसे काम चलेगा? दोनों ने आंखों पर पट्टी बांध ली। दोनों चले। जहां रत्न बिखरे हुए पड़े थे, ढेर लगा था आस-पास में, उससे आगे निकल गए। कुछ आगे जाकर पति बोला- आंखो के बिना काम तो चल जाएगा, ?सी कोई बात नहीं है। खोल लो पट्टी। पट्टी खोल ली। देवता ने कहा - देखा तुमने! भाग्य में नहीं था, कुछ नहीं मिला। भाग्य बड़ा है पुरूषार्थ से। भाग्य और पुरूषार्थ की चर्चा को हम छोड़ दें किन्तु इस बात को हम नहीं छोड़ेंगे कि जब तक आंख पर मूर्च्छा की पट्टी बंधी हुई है, तब तक हमारे आस-पास में, हमारे सामने, दाएं-बाएं, चारों तरफ जो सम्पदा बिखरी पड़ी है, उसका हमें कुछ भी पता नहीं चलता। हम उस सम्पदा से अनजान रह जाते हैं।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

75 साल बाद संसद में वंदे मातरम की राजनीति?

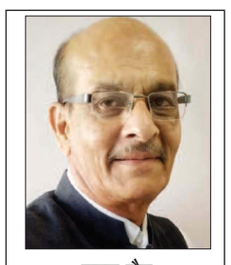

सनत जैन

नई पीढ़ी जानेगी वंदे मातरम का इतिहास, मां किसी से भेदभाव नहीं करती...

स्वतंत्र भारत की संसद में 75 वर्षों के बाद 'वंदे मातरम' पर हुई चर्चा पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए एक राजनीतिक प्रयास के रूप में शुरू हुई। वंदे मातरम की यह चर्चा एक गीत या नारे तक सीमित नहीं रही। यह बहस प.बंगाल के चुनाव में धार्मिक ध्रुवीकरण, उसकी सांस्कृतिक चेतना और एकता के भाव को समझने का अवसर भी बन गई। संसद में सभी राजनीतिक दलों और सभी सांसदों ने एकजुट होकर वंदे मातरम के पक्ष में बढ़-चढ़कर अपने विचार व्यक्त किये।वंदे मातरम सिर्फ एक गीत नहीं है। बल्कि वह स्वर है, जिसने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के दौरान करोड़ों लोगों के हृदय में देशभक्ति की ज्योति जगाई थी। बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा रचित यह गीत आज भी राष्ट्रीय चेतना का प्रतीक है। इसके बोल हर किसी को राष्ट्रीय भावना से ओतप्रोत कर देते हैं।संसद में इस विषय पर हुई चर्चा का सबसे बड़ा महत्व यह है, नई पीढ़ी को वंदे मातरम के ऐतिहासिक महत्व को जानने और समझने का अवसर मिलेगा। युवा पीढ़ी सोशल मीडिया और तकनीक की दुनिया में व्यस्त है। ऐसे विषय पर संसद में जो सार्थक बहस हुई है। वर्तमान पीढ़ी को सोशल मीडिया के माध्यम से बेहतर तरीके से स्वतंत्रता के इतिहास और वर्तमान में प.बंगाल के चुनाव में इस नारे का क्या महत्व है। यह जानने का अवसर मिलेगा। युवा पीढ़ी यह जान सकेगी राष्ट्र की पहचान केवल वर्तमान से नहीं, बल्कि उसके गौरवपूर्ण अतीत से भी बनती है। अंग्रेजों की फूट डालो और राज करो की नीति को इस नारे ने विफल कर दिया था। धर्म, भाषा, प्रांत, गरीब और अमीर सब इस नारे से प्रभावित होकर स्वतंत्रता संग्राम में कूद पड़े थे। संसद में बहस के दौरान यह बात भी उभरकर सामने आई। 'मां' किसी से भेदभाव नहीं करती है। वंदे मातरम में जिस मां की वंदना की गई है। वह भारत माता है।जो अपने सभी बच्चों को बिना किसी भेदभाव के समान दृष्टि से देखती है। चाहे वह किसी भी भाषा, धर्म, जाति या किसी भी क्षेत्र से हो। यह गीत किसी एक वर्ग, समुदाय या धर्म का नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र का है। वंदे मातरम को संकीर्ण नजरिये से देखना ना केवल इसके भाव को सीमित करता है। बल्कि राष्ट्रीय एकता अखंडता और भारतीय संस्कृति को भी चोट पहुंचाता है।

हाल के वर्षों में वंदे मातरम को लेकर समय-समय पर राजनीतिक लाभ के लिए विवाद खड़े होते रहे हैं। कुछ राजनीतिक दल पश्चिम बंगाल की विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए, वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने पर इसे विवाद का विषय बना रहे हैं। संसद में जिस तरह से सभी राजनीतिक दलों ने स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में वंदे मातरम के इस नारे ने स्वतंत्रता की जो लो आम जनमानस के बीच में जगाई थी। सबने बढ़ चढ़कर इस नारे के औचित्य को समझाया।संसद में हुई बहस ने यह स्पष्ट किया, देशभक्ति किसी पर थोपी नहीं जा सकती है, अभिव्यक्ति के माध्यम अलग-अलग भी हो सकते हैं। यह दिल से उपजने वाली भावना है। वंदे मातरम का सम्मान करना और उसके भाव को समझना सभी नागरिक अच्छी तरह से जानते हैं। कोई भी अपनी जन्मभूमि को छोड़ना नहीं चाहता है। हां अभिव्यक्ति के तरीके जरूर अलग-अलग हो सकते हैं। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के पहले इसे विवाद का विषय बनाना दुर्भाग्यपूर्ण है। आज जरूरत इस बात की है, हम वंदे मातरम जैसे राष्ट्रीय प्रतीकों को राजनीति से ऊपर उठकर देखें। यह गीत सारे भारत को एक साथ जोड़ता है। इसका एक-एक शब्द सारे भारत का प्रतिनिधित्व करता है। संसद में हुई बहस नई पीढ़ी को स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की भूमिका, संघर्ष और राष्ट्रीय चेतना से जोड़ने में संसद की यह चर्चा सार्थक साबित होगी। वंदे मातरम के नारे का जन्म पश्चिम बंगाल से हुआ था। स्वतंत्रता संग्राम में इसके नारे देश के सभी प्रांतों मे गूंजे। दुनिया में सैकड़ो रामायण विभिन्न भाषाओं में प्रकाशित हुई हैं। सब में अलग-अलग तरीके से राम का वर्णन किया गया है। ठीक उसी तरह स्वतंत्रता संग्राम के आंदोलन में वंदे मातरम गीत को प्रत्येक भाषा में अलग-अलग तरह से इसे विभिन्न बोल और विभिन्न भाषाओं में अलग-अलग संगीत की धुन में गाया गया है। वंदे मातरम में प्रत्येक गीत और संगीत में एक सा भाव है। वंदे मातरम के इस नारे से हमने स्वतंत्रता पाई है। अंग्रेजों के फूट डालो और राज करो की नीति को सफल नहीं होने दिया। जैसे ही इस नारे ने भारत को एकजुट किया। अंग्रेजों को देश छोड़कर भागना पड़ा। संसद में वंदे मातरम विषय पर जो बहस हुई है। प्रत्येक सांसद ने वंदे मातरम के पक्ष में बड़ी मजबूती के साथ अपना पक्ष रखा। वंदे मातरम को लेकर जो राजनीति पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव के तारतम्य में प्रयास किया जा रहा है। उसमें कितनी सफलता मिलेगी, यह तो भविष्य ही तय करेगा। संसद में जिस तरह से सांसदों ने वंदे मातरम को लेकर ऐतिहासिक तथ्य प्रस्तुत किए हैं। संसद में हुई बहस ने नई पीढ़ी को स्वतंत्रता संग्राम के आंदोलन और वंदे मातरम के महत्व को समझाने में जरुर मदद की है। प. बंगाल में धार्मिक ध्रुवीकरण का जो प्रयास वंदे मातरम के माध्यम से करने के प्रयास को कितनी सफलता मिलेगी? यह कहना मुश्किल है।

गोवा हादसाः झुलसती संवेदनाएं और नाकाम होती व्यवस्था

ललित गर्ग

एक बार फिर एक भीषण आग ने 25 मासूम जिंदगियों को छीन लिया। गोवा के नाइट क्लब में हुई यह त्रासदी केवल आगजनी नहीं, बल्कि हमारे सिस्टम की जड़ता, गैर-जिम्मेदारी और नैतिक पतन की ज्वलंत मिसाल है। गोवा का जो नाइट क्लब आग की चपेट में आया, वह नियमों की अनदेखी करके तो चलाया ही जा रहा था, उसमें आग से बचाव के उपाय भी नहीं किए गए थे। रही-सही कसर इससे पूरी हो गई कि नाइट क्लब में आने और जाने का रास्ता बेहद संकरा था। आग की चपेट में आने वालों की संख्या इसलिए अधिक बढ़ गई, क्योंकि बचने के लिए उन्होंने जिस रास्ते को सुरक्षित समझा, वहां पहले से ही लोग फंसे हुए थे। इस तरह से आनंद और उत्सव का स्थल अचानक जीवन समाधि में बदल गया, वह अनेक सवाल हमारे सामने खड़े करता है, क्या हम सीखने की क्षमता खो चुके हैं? क्यों हर हादसे के बाद जांच समितियां बनती हैं, मुआवजा घोषित होता है, कुछ दिन हंगामा होता है और फिर सब कुछ पहले जैसा हो जाता है? पूर्व में मुंबई, दिल्ली, कोलकाता, सूरत और अनेक शहरों में समान दुर्घटनाएं हो चुकी हैं। होटल, मॉल, थिएटर, अस्पताल, फैक्ट्री, कोचिंग सेंटर-लापरवाही की आग में झूलसनों वालों की संख्या बढ़ी है, लेकिन हमारी संवेदनशीलता का स्तर छोटा होता जा रहा है। आगजनी की घटनाओं का सिलसिला तो लगातार है, परंतु सुरक्षा मानकों के प्रति हमारी उदासीनता और घोर लापरवाही भी उतनी ही स्थायी है। यह बात स्पष्ट है कि हादसे किसी तकनीकी गलती का परिणाम भर नहीं, बल्कि भ्रष्टाचार और राजनीतिक मिलीभगत की देन भी हैं।

गोवा अपनी पहचान पर्यटन से बनाता है। नाइट लाइफ, समुद्री तटों का आनंद, मनोरंजन गतिविधियां और विदेशी पर्यटक इसका स्वाभाविक आकर्षण हैं। ऐसे प्रदेश में इस प्रकार का हादसा केवल मानवीय त्रासदी नहीं, बल्कि छवि और अर्थव्यवस्था का गहरा नुकसान भी है। भारत की टूरिज्म इंडस्ट्री पहले ही प्रतिस्पर्धा और सुरक्षा को लेकर चुनौतियों से जूझ रही है। यह घटना विश्व के सामने एक सवाल बनकर खड़ी है-क्या भारत सुरक्षित पर्यटन देश है? क्या यहां गैर-जिम्मेदाराना ढांचे और भ्रष्ट तंत्र के बीच किसी का जीवन सुरक्षित रखा जा सकता है? इस प्रकार के हादसों में दो बड़े चरित्र सामने आते हैं-सरकार की सुस्ती और आयोजकों की लालचपूर्ण मानसिकता। अधिकांश नाइट क्लब, बार, पार्क या मनोरंजन स्थल ऐसे होते हैं जहां प्रवेश शुल्क, अवैध संचालन और आर्थिक लाभ का बड़ा खेल चलता है। इमारतों की मंजूरी, फायर सुरक्षा की अनुमति, बिजली के तारों का रखरखाव, निकास मार्ग-ये सभी चीजें फाइलों में तो दर्ज होती हैं, लेकिन जमीन पर गायब रहती हैं। प्रशासनिक अधिकारियों की सजगता की जगह 'संबंध' और 'सुविधा शुल्क' काम करता है। निरीक्षण के नाम पर औपचारिकता ढहती है और बीते हुए हादसे केवल याद बनकर रह जाते हैं।

नाइट क्लब तक पहुंचने का रास्ता इतना संकरा है कि फायर ब्रिगेड की गाड़ियों को 400 मीटर दूर खड़ा होना पड़ा। सजावट के लिए ताड़ के सूखे पत्तों का इस्तेमाल किया गया था, जिसने आग और भड़का दी। भीड़भाड़ वाली जगहों पर एंट्री से ज्यादा महत्वपूर्ण इमरजेंसी एग्जिट पॉइंट्स होते हैं, लेकिन इस क्लब में लगता है कि इसकी भी कोई व्यवस्था नहीं थी, जिससे कई लोग भटक कर किचन में पहुंच गए, जहां से बाहर निकलने का रास्ता नहीं था। यह नाइटक्लब बिना मंजूरी के चल रहा था। लोकल अथॉरिटी के मुताबिक, निर्माण अवैध था।

सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि आखिर हम हादसों को नियति क्यों मान लेते हैं? हर घटना के बाद नेताओं के बयान आते हैं-'दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा', 'उच्च स्तरीय जांच की जाएगी', 'मुआवजा दिया जाएगा', लेकिन क्या कभी हमने दोषियों को सजा होते देखा है? कभी किसी अधिकारी को बर्खास्त होते देखा है? क्या किसी क्लब या होटल की अनुमति स्थायी रूप से रद्द की गई? जवाब अधिकतर 'नहीं' है। यही वह सत्य है जो बताता है कि हमारा समाज हादसे को दुख तो मानता है पर समस्या नहीं मानता। अजीब विडंबना यह है कि हादसे के शिकार गरीब या आम नागरिक होते हैं, लेकिन इस त्रासदी से गुजरी व्यवस्थाओं को कोई चोट नहीं लगती। वे फिर उठते हैं, नए सजावटी बोर्ड लगा लेते हैं और जनता को फिर से आकर्षित कर लेते हैं। व्यवस्था में भ्रष्टाचार और मानव-मूल्यों का ह्रास दोनों मिलकर ऐसी घटनाओं को जन्म देते हैं। यह केवल प्रशासनिक नाकामी नहीं, बल्कि सामूहिक नैतिक ह्रास भी है। आयोजक केवल लाभ देखते हैं; प्रशासन केवल कागजों पर निशान देखता है; समाज घटना को क्षणिक दुख समझकर भूल जाता है।

वैश्विक स्तर पर देखें तो किसी भी विकसित या उत्तरदायी समाज में जन-स्थलों पर सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होती है। नियमित निरीक्षण, कठोर दंड, मानकों का अनिवार्य पालन और पारदर्शिता बुनियादी तत्व हैं। भारत में ये मानक केवल कानूनी पुस्तकों में रहते हैं। सवाल यह नहीं कि हादसे क्यों होते हैं, सवाल यह है कि सीख क्यों नहीं ली जाती। गोवा का यह हादसा एक चेतावनी है, अकेले गोवा के लिए नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए। हम विकास, पर्यटन और आधुनिक जीवनशैली की बात करते हैं, लेकिन सुरक्षा, नियंत्रण और मानवीय संवेदनशीलता को हाशिए पर छोड़ देते हैं। यह घटना बताती है कि यदि व्यवस्था की लापरवाही और लालच के बीच नागरिक की सुरक्षा कुचलती रही तो हम आधुनिक ढांचे बनाकर भी असुरक्षित रहेंगे। किसी भी राष्ट्र की उन्नति उसके नागरिकों की सुरक्षा पर टिकी होती है, न कि केवल चमक-दमक पर।

गोवा घटना ने सरकार की छवि को ध्वस्त किया है। पर्यटन उद्योग की नींव हिलाई है और नागरिक विश्वास को चोट पहुंचाई है। गोवा के जीडीपी में पर्यटन का हिस्सा 16 प्रतिशत से ज्यादा है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, पिछले साल की तुलना में इस साल जनवरी से सितंबर के बीच 6.23 प्रतिशत ज्यादा टूरिस्ट गोवा पहुंचे। ऐसे में यह घटना राज्य की अच्छी छवि पेश नहीं करती, जहां पहले ही टैक्सी चालकों की मनमानी और पर्यटकों के साथ अभद्रता की कुछ समस्या रही है।यदि घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकनी है तो कुछ कठोर कदम उठाने होंगे, जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई, वास्तविक निरीक्षण प्रणाली, भ्रष्टाचार पर अंकुश और सुरक्षा मानकों के उल्लंघन पर दंड। परंतु दुख यह है कि हमारा इतिहास बताता है, हम कठोर कदम उठाने से बचते हैं। आज इस त्रासदी के बाद शोक जताना पर्याप्त नहीं है। इस पर गंभीर चिंतन जरूरी है। हम केवल जिम्मेदारी टाल देने की प्रवृत्ति में नहीं जी सकते। हर हादसा हमें यही याद दिलाता है कि सुरक्षा संस्कृति, जिम्मेदार शासन और नैतिक व्यवसायिक आचरण के बिना कोई भी समाज सुरक्षित नहीं हो सकता। यह घटना केवल 25 लोगों की मौत नहीं, बल्कि चेतावनी है कि यदि हमने नहीं सीखा, तो अगली त्रासदी निकट ही खड़ी है। हमारे नीति-नियंताओं को यह समझना होगा कि इस तरह की घटनाएं केवल जान-माल को ही क्षति नहीं पहुंचातीं, बल्कि देश की बदनामी भी कराती हैं। इस तरह की घटनाएं यही रेखांकित करती हैं कि नया और विकसित बनने के आकांक्षी भारत में नियम-कानूनों की हर स्तर पर उपेक्षा होती है और इस देश में जिम्मेदारी के साथ कोई काम मुश्किल से ही किया जाता है। मानकों और सुरक्षा उपायों की रेगुलर चेकिंग अथॉरिटीज की जिम्मेदारी है। बिना लाइसेंस चल रहे क्लब, होटल या रेस्तरां को बंद कराने के साथ यह जानना भी जरूरी है कि आखिर ये खुल कैसे जाते हैं और फिर कैसे धड़ल्ले से चलते रहते हैं। हमें यह मानना होगा कि जीवन की कीमत केवल शब्दों में नहीं, व्यवस्था में भी झलकनी चाहिए। जब तक हमारी नीतियों में कठोरता नहीं आएगी, जब तक भ्रष्टाचार की जड़ें नहीं काटी जाएंगी और जब तक नागरिक-केंद्रित शासन स्थापित नहीं होगा, तब तक मनोरंजन के नाम पर मौतें होती रहेंगी। गोवा का नाइट क्लब हादसा केवल आग नहीं-हमारे विवेक, शासन और मानवता की विफलता है। अब यह हमारे हाथ में है कि हम इसे भूलें या इसे परिवर्तन की शुरूआत बनाएं।

पुतिन की यात्रा से भारत रूस सम्बंधों में नया अध्याय शुरू

हम 10 दिसंबर को मानवाधिकारों का उत्सव मनाते है। उस दिन की स्मृति में जब संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 1948 में मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा को अपनाया था। यह घोषणा हमारे समाजों के मानवाधिकार ढांचे की रीढ़ है, जहां हममें से प्रत्येक को बिना किसी भेदभाव के शांति और सुरक्षा के साथ रहने और फलने-फूलने का अधिकार है। 1950 में संयुक्त राष्ट्र ने हर वर्ष की 10 दिसम्बर को विश्व मानवाधिकार दिवस मनाना तय किया था। 75 वर्ष पहले पारित हुआ विश्व मानवाधिकार घोषणा पत्र एक मील का पत्थर हैं। जिसने समृद्धि, प्रतिष्ठा व शांतिपूर्ण सह अस्तित्व के प्रति मानव की आकांक्षा प्रतिबिंबित की है। आज यही घोषणा पत्र संयुक्त राष्ट्र संघ का एक बुनियादी भाग है। 10 दिसंबर 2025 को दुनिया की सबसे महत्वपूर्ण वैश्विक प्रतिज्ञाओं में से एक मानव अधिकारों की सार्वभौम घोषणा की 77वीं वर्षगांठ है । 2025 में मानवाधिकार दिवस की थीम हमारी रोजमर्रा की अनिवार्यताएं, तीन सरल सत्यों पर जोर देती हैं। मानवाधिकार सकारात्मक हैं, मानवाधिकार आवश्यक हैं, और मानवाधिकार प्राप्य हैं।

मानव अधिकार वे मूल अधिकार हैं जो इस धरती पर प्रत्येक व्यक्ति के पास हैं। मानवाधिकार मौलिक अधिकार और स्वतंत्रता हैं। मानवाधिकारों में जीवन और स्वतंत्रता का अधिकार, गुलामी और यातना से मुक्ति, राय और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, काम और शिक्षा का अधिकार और बहुत कुछ शामिल हैं। बिना किसी भेदभाव के हर कोई इन अधिकारों का हकदार है। भारत का स्वतंत्रता आंदोलन मानवाधिकारों के लिए प्रेरणा का एक बड़ा स्रोत रहा है। कुछ अधिकार ऐसे होते है जो व्यक्ति को जन्मजात मिलते है। उन अधिकारों का व्यक्ति के आयु, प्रजातीय मूल, निवास-स्थान, भाषा, धर्म पर कोई असर नहीं पड़ता।

देश के विशाल आकार व विविधता तथा सम्प्रभुता सम्पन्न धर्म-निरपेक्ष, लोकतांत्रिक गणतंत्र के रूप में इसकी प्रतिष्ठा तथा एक भूतपूर्व औपनिवेशिक राष्ट्र के रूप में इसके इतिहास के परिणामस्वरूप भारत में मानवाधिकारों की परिस्थिति एक प्रकार से जटिल हो गई है। भारत का संविधान मौलिक अधिकार प्रदान करता है जिसमें धर्म की स्वतंत्रता भी अंतर्भूक्त है। संविधान की धाराओं में बोलने की आजादी के साथ-साथ कार्यपालिका और न्यायपालिका का विभाजन तथा देश के अन्दर एवं बाहर आने-जाने की भी आजादी दी गई है। भारतीय परिदृश्य में यह समझ पाना थोड़ा मुश्किल हैकि क्या वाकई में मनुष्य के लिए चिन्हित किये गए मानवाधिकारों की सार्थकता है।

भारत में 28 सितम्बर 1993 से मानव अधिकार कानून अमल में आया। 12 अक्टूबर 1993 में सरकार ने राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग का गठन किया। आयोग के कार्यक्षेत्र में नागरिक और राजनीतिक के साथ आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक अधिकार भी आते हैं। जैसे बाल मजदूरी, स्वास्थ्य, भोजन, बाल विवाह, महिला अधिकार, हिरासत और मुठभेड़ में होने वाली मौत, अल्पसंख्यकों और अनुसूचित जाति और जनजाति के अधिकार। पूरे विश्व में इस बात को अनुभव किया गया है और इसीलिए मानवीय मूल्यों की अवहेलना होने पर वे सक्रिय हो जाते हैं। इसके लिए हमारे संविधान में भी उल्लेख किया गया है। संविधान के अनुच्छेद 14,15,16,17,19,20,21,23,24,39,43,45 देश में मानवाधिकारों की रक्षा करने के सुनिश्चित हैं।

कहने में मानवाधिकार शब्द बहुत बड़ा है। क्योंकि मानवाधिकारो से हर व्यक्ति का हित जुड़ा होता है। आज के दौर में कोई भी मानव को उनके वास्तविक अधिकार नहीं देना चाहता है। राजनेता मानव अधिकार की बात तो जोरशोर से करते हैं। मगर जब अधिकार देने की बारी आती है तो पीछे खिसकने लगते हैं। राज नेताओं को पता है कि यदि लोगों को उनके अधिकार मिल गये तो तो उनकी नेतागिरी बन्द हो जायेगी। हमारे देश के संविधान में मानव को बहुत सारे अधिकार दिये गये हैं। मगर उन पर अमल नहीं हो पाता है। मानव अधिकारों की रक्षा के लिये बनाये गये कानून महज कागजो में सिमट कर रह जाते हैं।

इतिहास गवाह है की भारत ने कभी भी संस्कृति, धर्म या अन्य कारकों के आधार पर दूसरों को अपने अधीन करने की कोशिश नहीं की है। भारत एक ऐसा देश है जिसके मूल में मानवाधिकार की अवधारणा है। भारत के लोग मानवाधिकारों का सम्मान करते हैं और उनकी रक्षा करने का संकल्प भी लेते हैं। भारत विश्व स्तर पर आज भी मानवाधिकार का समर्थन करता रहा है। मानवाधिकार दिवस की नींव विश्व युद्ध की विभीषिका से झुलस रहे लोगों के दर्द को समझ कर और उसको महसूस कर रखी गई थी। किसी भी इंसान की जिन्दगी, आजादी, बराबरी और सम्मान के अधिकार का नाम ही मानवाधिकार है। भारतीय संविधान इन अधिकारों की न सिर्फ गारंटी देता है, बल्कि इसे तोडने वाले को अदालत सजा भी देती है।

पूरी दुनिया में मानवता के खिलाफ हो रहे जुल्मों-सितम को रोकने, उसके खिलाफ संघर्ष को नई परवाज देने में इस दिवस की महत्वपूर्ण भूमिका है। हर शख्स को बराबरी का अधिकार देना लोकतंत्र का अहम घटक है। यही वजह है कि आज ज्यादातर सरकार इस अधिकार को कायम करने की कोशिश कर रही है। इंसानी अधिकार हमारे अस्तित्व और दुनिया में आत्मसम्मान से रहने की गारंटी होते हैं। हमारी भौतिक और आत्मिक सुरक्षा बरकरार रखते हुए लगातार तरक्की में अहम होते हैं। इसके अंतर्गत भोजन का अधिकार, शिक्षा का अधिकार, शोषण से रक्षा का अधिकार, प्रवास का अधिकार, बाल शोषण, उत्पीडन पर रोक, महिला हिंसा, असमानता, धार्मिक हिंसा पर रोक जैसे कई मजबूत कानून बनाए गए हैं। यही वजह है कि हर लोकतांत्रिक देश मानवाधिकार अधिकारों की सशक्त पैरवी करते नजर आते हैं।

इस दुनिया में जो भी मानव जन्म लेता है उसके साथ उसके कुछ अधिकार भी वजूद में आते हैं। कुछ अधिकार हमें परिवार देता है तो कुछ समाज, कुछ अधिकार हमारा मुल्क देता है, तो कुछ दुनिया। लेकिन आज भी दुनिया में बहुत से लोग ऐसे हैं जो या तो अपने अधिकारों से अंजान है या उनके अधिकारों का हनन किया जा रहा है। कभी जात के नाम पर तो कभी धर्म के नाम पर, कभी लिंग भेदभाव के जरिए तो कभी रंग भेद नीति को अपनाकर लोगों के इन अधिकारों को कुचला जा रहा है। हर तबके, हर शहर और दुनिया के कोने-कोने में किसी न किसी वजह से लोगों को बराबरी के हक से महरूम रखने का सिलसिला बदस्तूर जारी है। इतिहास गवाह है कि दुनिया में हुई बड़ी से बड़ी क्रांति के पीछे अधिकारों का हनन ही अहम वजह रही है। हमेशा ही अपने अधिकारों के लिए इंसान को लंबी जंग लडनी पड़ी है। दुनिया में तमाम जगह लोगों ने अपन हक की लड़ाई में लाखों कुर्बानियां दी हैं और आज भी बहुत से लोग अपने अधिकारों की जंग लड़ रहे हैं।

मानवाधिकारों की रक्षा के लिए कानून बनाये गए और उनको लागू करने या करवाने के लिए प्रयास भी हो रहे हैं। लेकिन वह सिर्फ कागजी दस्तावेज बन कर रह गए हैं। समाज में मानवाधिकारों के होने वाले उल्लंघन के प्रति अगर मानव ही जागरूक नहीं है तो फिर इनका औचित्य क्या है? देखे तो पता चलेगा की कितने मानवाधिकारों का हनन मानव के द्वारा ही किया जा रहा है। मानव के द्वारा मानव के दर्द को पहचानने और महसूस करने के लिए किसी खास दिन की जरूरत नहीं होती है। अगर हमारे मन में मानवता है ही नहीं तो फिर हम साल में पचासों दिन ये मानवाधिकार का झंडा उठा कर घूमते रहें कुछ भी नहीं किया जा सकता है।

सरकार भी मानवाधिकारो का हनन रोक पाने में पूर्णतया सफल नहीं हो पा रही है। देश में आये दिन मानवाधिकार हनन की घटनायें घटित होती रहती है। मगर सरकारी स्तर पर शख्त कार्यवाही अमल में नहीं लायी जाती है। जिससे भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृति पर रोक लग सके। यह कितना दुर्भाग्यपूर्ण है कि तमाम प्रादेशिक, राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर सक्रिय सरकारी और गैर सरकारी मानवाधिकार संगठनों के बावजूद मानवाधिकारों का लगातार हनन होता रहता है।

"नवजात शिशुओं की सुरक्षा हेतु सतर्कता बरतें माता-पिता"

माता-पिता के बीच सो रहे 26 दिन के नवजात शिशु की दबने से मौत

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- नगर कोतवाली क्षेत्र के एक गांव का बेहद चौकाने वाला मामला सामने आया है ऐसा शायद ही कभी किसी के साथ हुआ हो। यह घटना उन माता-पिताओं को सतर्कता बरतने के लिए है जो अपने बच्चों खासकर के नवजात शिशुओं के प्रति लापरवाही बरतते हैं।

बता दें कि गजरौला नगर कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में माता-पिता के बीच सो रहे एक नवजात बच्चे की उनके नीचे दबने के कारण मौत हो गई। नवजात शिशु की उम्र 26 दिन बताई जा रही है। जिसको गजरौला सीएचसी अधिकारी ने भी मृत घोषित कर दिया। बच्चे की मौत से माता-पिता और परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है। प्राप्त जानकारी के बीते 10 नवंबर 2025 को नवजात शिशु का जन्म हुआ। जन्म के तुरंत बाद नवजात शिशु को सांस लेने में दिक्कत हुई थी, इस पर डॉक्टरों ने उसे मशीन में रखा था, दो दिन बाद माता पिता नवजात शिशु को गांव ले आए लेकिन बाद में शिशु को पीलीया हो गया था। पति-पत्नी ने बेड पर पहले 26 दिन के शिशु को लिटाया फिर उसके अगल-बगल खुद भी लेट गए। रात में सोते समय दोनों ने करवट बदली, जिससे बच्चा उनके नीचे दब गया थोड़ी देर बाद शिशु की मां बच्चे को दूध पिलाने के लिए उठी तो उसने देखा कि शिशु में कोई हरकत नहीं है, उसने शिशु को काफी हिलाया डुलाया लेकिन शिशु में किसी तरह की कोई हलचल नहीं हुई, इसके बाद उसने पति को जगाया,आनन फानन में दोनों पति पत्नी शिशु को गजरौला सीएचसी लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। इकलौते बेटे (शिशु) की मौत की खबर सुनते ही पति-पत्नी फूट-फूट कर रोने लगे, बाद में दोनों एक दूसरे पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए झगड़ा भी करने लगे। किसी तरह परिजनों ने दोनों को समझा बुझाकर शांत कराया ।पुलिस का कहना है कि माता-पिता कोई कानूनी कार्यवाही नहीं चाहते। इस मामले में गजरौला सीएचसी प्रभारी डॉक्टर योगेंद्र सिंह ने बताया कि शिशु की मौत दम घुटने से हुई है।

"माता-पिता नवजात बच्चे की सुरक्षा के लिए विशेष तौर पर सतर्कता बरतें"।

बच्चों को सुलाते समय इन बातों का रखें खास ध्यान

लखनऊ के चाइल्ड हेल्थ एक्सपर्ट डॉक्टर अमित वर्मा के मुताबिक नवजात और शिशु बहुत नाजुक होते हैं सोते समय भारी व्यक्ति का शारीरिक संपर्क उनके लिए जोखिम भरा हो सकता है

छोटे बच्चों के लिए माता-पिता को हमेशा अलग बिस्तर का इस्तेमाल करना चाहिए ,बेड पर सोते समय ताकिए और भारी कंबल से बच्चे को ढकना भी खतरा बढ़ा सकता है ऐसे हादसे रोकने के लिए माता-पिता को सतर्क रहने की जरूरत होती है।

तय समय के अंदर मतदाता पुनरीक्षण अभियान में करे अपना विवरण प्रस्तुतः- कृष्ण कुमार शर्मा

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- राष्ट्र सेवी संगठन एवं विधान सभा संयोजक कृष्ण कुमार शर्मा ने चुनाव आयोग द्वारा चलाए जा रहे गहन मतदाता पुनरीक्षण अभियान में मतदाताओं से निर्धारित समय के अंदर अपना सही विवरण प्रस्तुत कर अभियान के उद्देश्य को सफल बनाने में सहयोग की अपील की साथ ही बूथों पर पहुंचकर बी एल ओ एवं उनका सहयोग कर रही टीम का उत्साह वर्धन किया। उन्होंने बताया कि जनपद में अभियान की शुरूआत 4 नवंबर को हो गई थी लेकिन इस ओर कोई ध्यान न दिए जाने के चलते पहले 20 दिन में मात्र 20 प्रतिशत कार्य ही हो पाया ।तत्पश्चात कम समय में शेष कार्य सम्पन्न करने के लिए बी एल ओ पर दबाव बना दिया गया। जिसके चलते अधिकांश

बूथों पर बड़ी संख्या में मतदाताओं को अनमेपिंग दर्शाकर कार्य की इतिश्री कर दी गई। लेकिन एक ओर बड़ी संख्या में मतदाता अनमेपिंग के चलते अधर में लटक गए वहीं कई स्थानों से शिकायत मिली है कि कुछ महिलाओं की मायके की दी गई जानकारी में भी कुछ जालसाज लोगों द्वारा खेल कर पिता का नाम आदि गलत जानकारी दे दी गई। जिसके चलते अभियान के उद्देश्य को धक्का लगा है इस अवसर पर सतवीर सिंह, खिलेंद्र सिंह, जयवीर सिंह आदि मौजूद रहे।

जिला उद्यान अधिकारी ने किसानों को बताया सरकारी योजनाओं का लाभ

अमरोहा (सब का सपना):- जिले के किसानों को बागवानी क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए उद्यान विभाग लगातार प्रयासरत है। इसी कड़ी में जिला उद्यान अधिकारी अवनीश कुमार श्रीवास्तव ने भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी देते हुए किसानों को इनका अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की। श्रीवास्तव ने बताया कि एकीकृत बागवानी विकास मिशन के अंतर्गत किसानों को कई महत्वपूर्ण सब्सिडी वाली योजनाएं उपलब्ध हैं। इनमें शंकर संकर बीज वाली सब्जियों की

खेती, स्ट्रॉबेरी की खेती, ड्रैगन फ्रूट का उत्पादन, ग्लेडियोलस एवं अन्य फूल फूलों की खेती, मधुमक्खी पालन, सब्जियों के लिए मचान निर्माण, खेत की घेराबंदी, हल्दी-धनिया जैसी मसाला फसलों की खेती, फलों को सुरक्षा देने हेतु फ्रूट कवर की खेती शामिल हैं। सिंचाई के क्षेत्र में टपक सिंचाई एवं फव्वारा विधि पर विशेष रूप से प्रोत्साहित की जा रही है। जिससे पानी की भारी बचत के साथ उत्पादन भी बढ़ रहा है। इन योजनाओं से किसानों को जागरूक करने के लिए उद्यान विभाग द्वारा दो दिवसीय जनपद स्तरीय बागवानी गोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। गोष्ठी में विशेषज्ञों द्वारा तकनीकी जानकारी के साथ-साथ मौके पर ही आवेदन भी स्वीकार किए जाएंगे। जिला उद्यान अधिकारी ने सभी प्रगतिशील किसानों से आग्रह किया कि वे इस गोष्ठी में जरूर भाग लें और सरकारी योजनाओं का लाभ उठाकर अपनी आय को कई गुना बढ़ाएं।

एसआईआर फॉर्म भरवाने, जमा करने के लिए पहुंचे इक्का दुक्का लोग

अमरोहा: गजरौला के शिव इंटर कॉलेज में एसआईआर फॉर्म भरने के लिए सात बूथ बनाए गए हैं, जबकि रमाबाई आंबेडकर राजकीय महाविद्यालय में दो बूथ पर बीएलओ काम कर रहे हैं। एक बूथ नगर पालिका के सामने बनाया गया है। पालिका के सामने संविलियन विद्यालय गजरौला में दो बूथ पर एसआईआर फॉर्म भरने का काम किया जा रहा है। मंगलवार को सुबह करीब 11 बजे शिव इंटर कॉलेज में सातों बूथ बीएलओ बैठे थे, लेकिन फॉर्म जमा करने एक ही शख्स

आया। इसी तरह करीब 11.30 बजे रमाबाई आंबेडकर राजकीय महाविद्यालय में दोनों बूथों पर बीएलओ काफी देर खाली बैठे रहे। कुछ देर बाद एक शिक्षक अपना फॉर्म जमा करने आए। यहां बीएलओ राकेश कुमार ने बताया कि एसआईआर फॉर्म भरने का अधिकांश काम हो गया है।

अब इक्का दुक्का ही लोग आ रहे हैं। उधर संविलियन विद्यालय गजरौला के बीएलओ ने बताया कि मतदाता अपनी वर्ष-2003 की डिटेल नहीं दे रहे हैं। इस कारण परेशानी आ रही है। पालिका के सामने बैठे बीएलओ अजय गोस्वामी दोपहर 12 बजे खाली बैठे थे। मतदाताओं से 2003 की डिटेल जानने के लिए कई बार फोन करना पड़ रहा है।

मंडी धनौरा में बूथ-डे का आयोजन

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- मंगलवार को मंडी धनौरा में विधानसभा मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत 'बूथ डे' आयोजन कराया गया।कार्यक्रम के दौरान सभी बीएलओ(बूथ लेवल अधिकारी) दिन भर अपने-अपने बूथों पर मौजूद रहेंगे, उन्हें भरे हुए मतगणना प्रपत्र प्राप्त करने और मतदाताओं की शंकाओं का समाधान करने का आदेश दिया गया है। उपजिला अधिकारी विभा श्रीवास्तव ने मतदाताओं से अपील की है कि यदि किसी को गणना प्रपत्र नहीं मिला है तो वह तत्काल अपने बीएलओ से प्राप्त कर उसे भरकर वापस जमा कर दें। नए वोट बनवाने के इच्छुक

मतदाता फॉर्म 6 भरकर अपने बीएलओ के पास जमा कर सकते हैं साथ ही उपजिला अधिकारी ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि किसी मतदाता का नाम दो स्थानों पर सूची में दर्ज है तो वह केवल एक ही स्थान से गणना प्रपत्र भरकर जमा करें। दो स्थानों से गणना प्रपत्र भरने पर एक वर्ष की सजा का प्रावधान है, उन्होंने मतदाताओं को आश्वस्त किया कि घबराने की कोई आवश्यकता नहीं है और किसी भी पात्र मतदाता का नाम नहीं काटा जाएगा। चुनाव आयोग के निर्देश अनुसार केवल स्थानांतरित हुए दो बार नाम वाले मृतक तथा अनुपस्थित पाए गए मतदाताओं के नाम की सूची तैयार कर सार्वजनिक रूप से प्रकाशित की जाएगी। ऐसे व्यक्तियों को भी अपनी स्थिति स्पष्ट करने का एक अवसर प्रदान किया जाएगा, उपजिला अधिकारी ने बताया कि यदि किसी मतदाता का नाम दो अलग-अलग विधानसभाओं या बूथों पर है तो उसे सभी स्थानों से गणना प्रपत्र प्राप्त होंगे, नए वोट बनवाने के लिए फॉर्म 6 और संशोधन करने के लिए संबंधित फार्म भरकर बीएलओ को जमा किया जा सकता है बीएलओ सुबह 9:00 बजे से शाम 4:00 बजे तक बूथों पर अपनी ड्यूटी पर रहेंगे।

कंसंट्रेटर का घुट रहा दम, वेंटिलेटर भी तालों में बंद

अमरोहा। कोरोना काल में करोड़ों रुपये की लागत से खरीदे गए वेंटीलेटर और कंसंट्रेटर अस्पतालों में धूल फांक रहे हैं। जिला अस्पताल की इमरजेंसी से रोजाना पांच से सात मरीज रेफर किए जा रहे हैं। ऐसे में जान बचाने की खातिर लोग निजी अस्पतालों में लाखों रुपये खर्च करने को मजबूर हैं। बावजूद इसके जिम्मेदार बेपरवाह बने हुए हैं। कोरोना काल का वह दौर जब लोग ऑक्सीजन के लिए तरस गए थे। ऐसे में सरकार की ओर से करोड़ों रुपये खर्च करते हुए जिला अस्पतालों में वेंटिलेटर के साथ ऑक्सीजन कंसंट्रेटर मुहैया कराए गए लेकिन समय बीतने के साथ धीरे-धीरे इन्हें बंद कर दिया गया। उस दौरान विभाग को 14 वेंटिलेटर और पांच एलपीएम वाले 164 व 10 एलपीएम वाले 159 कंसंट्रेटर उपलब्ध कराए गए

थे। तब इमरजेंसी में स्टाफ द्वारा ही इन्हें संचालित करा दिया गया था लेकिन इसके बाद से इनका उपयोग ही होना बंद हो गया है। अब हालत यह है कि वेंटिलेटर व ऑक्सीजन कंसंट्रेटरों को पीआईसीयू वार्ड में कैद कर दिया गया है। जिला अस्पताल के अधिकारियों के मुताबिक सभी वेंटिलेटर चालू अवस्था में हैं मगर स्टाफ की कमी होने के कारण इन्हें संचालित नहीं करा पा रहे हैं। वेंटिलेटर चलाने के लिए छह बेड के वार्ड में दो स्टाफ नर्स होनी चाहिए लेकिन स्टाफ नर्स की कमी है। ऐसे में उन्हें सुरक्षित वार्ड में रखा गया है। वेंटिलेटर का संचालन नहीं होने से मरीज दिल्ली और मेरठ के लिए रेफर कर दिया जाता है। जिला अस्पताल से मेरठ के लिए रोजाना करीब पांच से सात गंभीर मरीज रेफर हो रहे हैं जिन्हें वेंटिलेटर की जरूरत पड़ती है। जिले के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर एक भी वेंटिलेटर नहीं हैं जबकि ऑक्सीजन कंसंट्रेटर धूल फांक रहे हैं। दूसरे अस्पतालों में हुआ वेंटिलेटर व ऑक्सीजन कंसंट्रेटरों का उपयोग कोरोना काल में जिला अस्पताल के लिए आए वेंटिलेटर का प्रयोग स्थानीय स्तर पर हुआ ही नहीं। जिला अस्पताल को एल वन श्रेणी में रखा गया था। कोरोना काल में सभी वेंटिलेटर मुरादाबाद व वेंकटेश्वर यूनिवर्सिटी में भेज दिए गए थे। कोरोना बीतने के बाद अस्पताल को मिल गए। ऑक्सीजन प्लांट चालू हालत में जनपद में दस ऑक्सीजन प्लांट हैं जो सभी चालू हालत में हैं। स्वास्थ्य विभाग का दावा है कि इन प्लांटों से हर मिनट 4,696.7 लीटर ऑक्सीजन का उत्पादन होगा।

ब्लॉक प्रमुख ने किया मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना का लाभ उठाने का आह्वान

अमरोहा: उत्तर प्रदेश खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड की तरफ से आयोजित कार्यक्रम में ब्लॉक प्रमुख मीनाक्षी चौधरी ने स्वयं सहायता समूह से जुड़ी महिलाओं, युवतियों और गांवों के बेरोजगार युवकों से मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना का लाभ उठाने व रोजगार स्थापित करने का आह्वान किया। कहा कि इससे खुद भी रोजगार कर सकते हैं और अन्य को भी जोड़ सकते हैं। मंगलवार दोपहर 12 बजे ब्लॉक सभागार में विभागीय योजनाओं की जानकारी देने के लिए ग्रामोद्योग बोर्ड की तरफ से आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि

ब्लॉक प्रमुख मीनाक्षी चौधरी ने उपस्थित बेरोजगार युवक, युवतियों व समूह की महिलाओं से आह्वान किया कि मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना का लाभ उठाएं। उन्होंने अन्य को भी अपने साथ जोड़ने का आह्वान किया। जिला ग्रामोद्योग अधिकारी गजेंद्र सिंह ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र के जो बेरोजगार युवक, युवतियां व महिला हैं, उनके लिए मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना वरदान सिद्ध हो सकती है। वह अपना उद्योग स्थापित कर खुद भी रोजगार करें और अन्य लोगों को भी रोजगार मुहैया कराएं। एलडीएम उमेश कुमार प्रजापति ने बताया कि स्वरोजगार के लिए बैंकों द्वारा उनको छूट पर ऋण मुहैया कराया जाता है। एसडीओ आईएसबी संजीव कुमार ने भी कार्यक्रम में मौजूद लोगों को जानकारी दी कि स्वरोजगार बेहद जरूरी हो गए हैं। समूह से जुड़कर महिलाएं अच्छी कमाई कर रही हैं।

पालिका का मैरिज हॉल तैयार, शादी के लिए 15 हजार में बुकिंग

अमरोहा। नगर पालिका का कल्याण मंडप बनकर तैयार हो गया है। मैरिज हॉल को हैंडओवर मिलने के बाद पालिका ने इसमें बुकिंग शुरू कर दी है। आम लोग महज 15 हजार रुपये में इसे शादी के लिए बुक कर सकते हैं। अन्य आयोजनों पर दस हजार व बर्थडे, सगाई आदि की बुकिंग के लिए सिर्फ पांच हजार रुपये देने होंगे। कार्यदायी संस्था सीएंडडीएस ने बीते दिनों मैरिज हॉल नगर पालिका को हैंडओवर कर दिया था। अमरोहा के मोहल्ला पंजू सराय में दाउद सराय रोड पर मुख्यमंत्री नगर सृजन योजना के तहत आम लोगों की सहूलियत के लिए कल्याण मंडप का निर्माण कराया गया है। कार्यदायी संस्था सीएंडडीएस ने बीते दिनों मैरिज हॉल नगर पालिका को हैंडओवर कर दिया था। पालिका ने अब इसमें शादी-विवाह, पार्टी, समेत अन्य आयोजनों की बुकिंग शुरू कर दी है। बड़े शहरों की तर्ज पर बनाए सरकारी मैरिज हॉल में शहरवासियों को नगर के दूसरे बड़े मैरिज हॉल जैसी सुविधाएं मामूली खर्चे में मिलेंगी। शहरवासी शादी के लिए महज 15 हजार रुपये में कल्याण मंडप को बुक कर सकेंगे। इसके अलावा मीटिंग, बड़े आयोजन आदि के लिए पालिका को दस हजार रुपये का भुगतान करना होगा। जन्मदिन, सगाई समेत छोटे आयोजनों पर मैरिज हॉल में पांच हजार रुपये की बुकिंग होगी। मैरिज हॉल में बेहद कम खर्च पर बेहतर सुविधाएं मिलने से शहरवासियों को शहर के अन्य मैरिज हॉल में बेटा-बेटी की शादी पर मोटी रकम खर्च नहीं करनी पड़ेगी। इसके लिए पालिका ने तैयारी शुरू कर दी है। मंगलवार को मैरिज हॉल में बुकिंग शुरू होने के साथ ही आम लोगों को कम खर्च में बेहतर सुविधाएं मिलने की उम्मीद जगी है। ईओ डॉ. बृजेश कुमार ने बताया कि मैरिज हॉल से शहर के आम लोगों को सहूलियत मिलेगी।

यह सुविधाएं मिलेंगी पार्किंग की सुविधा से लैस पालिका के मैरिज होम में बड़े हाल, गैलरी, पोटिंकों व किचन की सुविधा उपलब्ध है। इसकी ऊपरी मंजिल में मेहमानों के ठहरने के लिए बेहतर सुविधाओं से युक्त कमरे बने हैं। मैरिज होम में मिलने वाली आधुनिक सुविधाएं इसे खास बनाती हैं।

ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा तहसील स्तरीय जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के विकास खण्ड गजरौला के सभागार में उत्तर प्रदेश खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा तहसील स्तरीय जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख मीनाक्षी चौधरी द्वारा किया गया। जागरूकता कार्यक्रम में जिला ग्रामोद्योग अधिकारी गजेन्द्र सिंह ने विभाग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम योजना, प्रशिक्षण संबंधी योजनाएं एवं उत्तर प्रदेश माटी कला बोर्ड द्वारा संचालित योजनाओं की

विस्तृत जानकारी प्रदान की गयी साथ ही साथ आवेदन करने की प्रक्रिया से भी प्रतिभागियों को अवगत कराया गया। कार्यक्रम में ब्लॉक प्रमुख द्वारा विभाग की योजनाओं के महत्व को बताते हुए समस्त उपस्थित प्रतिभागियों से योजनाओं का लाभ लेने का आह्वान किया गया। भारतीय जनता पार्टी के जिला उपाध्यक्ष वीरेंद्र सिंह द्वारा स्वरोजगार एवं प्रदेश सरकार की रोजगार सृजन प्रयासों पर प्रकाश डालते हुए सभी से योजनाओं का लाभ लेने का आग्रह किया गया। केनरा बैंक के अग्रणी जिला प्रबंधक उमेश प्रजापति द्वारा बैंक द्वारा ऋण प्रदान करने की प्रक्रिया से अवगत कराते हुए बैंकों के सहयोग का आह्वान किया गया। एफ.एल.सी. सी. के जिला संयोजक योगेश कुमार द्वारा विभिन्न योजनाओं की जानकारी प्रदान कराते हुए सचेत किया गया कि सभी आवेदक विभाग व बैंक में सीधे सम्पर्क कर आवेदन करें तथा औपचारिकताएँ पूर्ण करें किसी भी दशा में बाहरी व्यक्ति के झांसे में ना आएं। इसके अतिरिक्त खण्ड विकास अधिकारी प्रतिभा अग्रवाल एवं सहायक विकास अधिकारी संजीव कुमार द्वारा अपने अपने विचार रखे गये। कार्यक्रम में लगभग 90 प्रतिभागियों द्वारा भाग लिया। जागरूकता कार्यक्रम में जिला ग्रामोद्योग कार्यालय के विकास निरीक्षक आशीष कुमार व वरिष्ठ सहायक स्वाधीन कुमार भी उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने 'एक जनपद, एक खेल' योजना के अंतर्गत खिलाड़ियों को एथलेटिक्स किट का किया वितरण

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स द्वारा भारत सरकार की 'एक जनपद, एक खेल ' योजना के अंतर्गत जनपद अमरोहा में संचालित एथलेटिक्स खेल में रजिस्टर्ड सभी खिलाड़ियों (बालक/बालिका) को एथलेटिक्स किट का वितरण किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन मालीखेड़ा स्टेडियम में संपन्न हुआ। जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद के युवा खिलाड़ी न केवल स्टेडियम में नियमित अभ्यास कर अपनी खेल-कौशल को निखार रहे हैं,

बल्कि स्टेडियम में प्रैक्टिस प्राप्त कर रोजगार के अवसर प्रदान हो रहे हैं, जिससे जनपद अमरोहा का नाम रोशन हो रहा है। उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा,

मेहनत और समर्पण से खेलें, अनुशासन बनाए रखें तथा प्रदेश और देश का नाम ऊँचा करें। प्रशासन आपके साथ है और हर संभव सहयोग प्रदान करेगा। इस अवसर पर जिला क्रीड़ा अधिकारी देशकांत त्यागी सहित संबंधित स्टाफ उपस्थित रहा।

सर्पदंश से मौतों को रोकने के लिए संभल के ठाठी गांव में चलाया गया जागरूकता अभियान

सर्पदंश होने पर झाड़-फूंक या देसी नुस्खों पर भरोसा न करे सीधे सरकारी अस्पताल:-जाबुल

संभल(सब का सपना):- जनपद के गांव ठाठी स्थित एनपीएस इंटर कॉलेज में सोमवार को सर्प दंश मृत्यु मुक्त भारत अभियान के तहत एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का संचालन ऑल इंडिया वाइल्डलाइफ रेस्क्यू ग्रुप के सदस्य जिया उल हक और उनकी टीम ने किया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं को भारत में पाई जाने वाली सांपों की विभिन्न प्रजातियों, जहरीले-गैर जहरीले सांपों की पहचान, सर्पदंश से बचाव के उपाय तथा सांप काटने पर तुरंत क्या करना चाहिए, इसकी विस्तृत जानकारी दी गई। टीम ने बताया कि भारत में हर साल सर्पदंश से 50,000 से अधिक लोग अपनी जान गंवाते हैं, जिनमें से अधिकांश मौतें समय पर सही उपचार न मिल पाने के कारण होती हैं। जिया उल हक ने बच्चों को समझाया कि सांप से डरने की बजाय उससे सुरक्षित दूरी बनाकर रखनी चाहिए और किसी भी सर्पदंश की स्थिति में झाड़-फूंक या देसी नुस्खों पर भरोसा करने की बजाय तुरंत नजदीकी अस्पताल पहुंचना चाहिए। यह अभियान जिला प्रशासन के निर्देश पर जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक महोदय की अनुमति से तथा वन विभाग के सहयोग से निशुल्क चलाया जा रहा है। कार्यक्रम में एनपीएस इंटर कॉलेज के मैनेजर नेक पाल सिंह, प्रधानाचार्य, समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं सैकड़ों छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। बच्चों ने इस उपयोगी जानकारी के लिए रेस्क्यू टीम को धन्यवाद दिया और ऐसे आयोजनों की निरंतरता की मांग की। ग्रामीण क्षेत्रों में सर्पदंश की घटनाएं आम होने के कारण इस तरह के जागरूकता कार्यक्रम जीवन रक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित हो रहे हैं।

सिल्वर स्टोन पब्लिक स्कूल के छात्रों ने कलेक्ट्रेट में लिया शैक्षिक भ्रमण कार्यक्रम में भाग

बहजोई /संभल (सब का सपना):- सिल्वर स्टोन पब्लिक स्कूल के कक्षा 6 से 9 तक के लगभग 200 छात्रों ने कलेक्ट्रेट संभल में आयोजित विशेष शैक्षिक भ्रमण कार्यक्रम में भाग लिया। इस दौरान छात्रों ने जिला प्रशासन के विभिन्न कार्यालयों का भ्रमण कर शासन-प्रशासन की कार्यप्रणाली को नजदीक से समझने का अवसर प्राप्त किया।भ्रमण के अंतर्गत छात्रों ने जिलाधिकारी कार्यालय, पुलिस अधीक्षक कार्यालय, एनआईसी, डीपीएमयू, डीपीओ, सीडीओ कार्यालय सहित कई महत्वपूर्ण विभागों का दौरा किया। अधिकारियों ने बच्चों को फाइल प्रबंधन, डिजिटल सेवाओं तथा जनकल्याण योजनाओं के संचालन के बारे में विस्तार से जानकारी दी।भ्रमण का मुख्य आकर्षण कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी डॉ. राजेन्द्र पैंसिया से हुई विशेष मुलाकात रही। जिलाधिकारी ने छात्रों को कर्मयोगी बनने के अनुशासन और ईमानदारी अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि फास्ट फूड से बचकर घर का भोजन करना चाहिए और मन की विजय से सफलता हासिल की जा सकती है। इसके साथ ही जिलाधिकारी ने प्लास्टिक डिस्पोजल के उपयोग को बंद करने और इसके प्रति जागरूकता फैलाने की अपील भी की। छात्रों ने अधिकारियों से प्रशासनिक व्यवस्था, कानून-व्यवस्था तथा डिजिटल परियोजनाओं के संबंध में कई प्रश्न पूछे और महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्राप्त कीं। विद्यालय प्रबंधन ने इस शैक्षिक भ्रमण को छात्रों के समग्र विकास के लिए अतिआवश्यक बताया। प्रधानाचार्य ने कहा कि इससे छात्रों में नेतृत्व क्षमता, प्रशासनिक समझ और सामाजिक जागरूकता बढ़ती है।

मिशन शक्ति के तहत चलाया गया थाना स्तर पर चौपाल व जागरूकता अभियान

संभल (सब का सपना):- महिला सुरक्षा एवं सशक्तिकरण अभियान मिशन शक्ति के पांचवें चरण के तहत जनपद सम्भल में बड़े पैमाने पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार एवं अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) अनुकृति शर्मा के निर्देशन में सभी थानों की एंटी रोमियो स्क्वॉड एवं महिला पुलिसकर्मियों ने अपने-अपने क्षेत्रों में चौपाल लगाकर महिलाओं व बालिकाओं को सुरक्षा, स्वावलंबन और सरकारी योजनाओं की जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान बाजारों, चौराहों, स्कूल-कॉलेजों, धार्मिक स्थलों एवं अन्य सार्वजनिक जगहों पर महिला पुलिसकर्मियों ने पम्पलेट वितरित करते हुए विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों से अवगत कराया। महिलाओं व बालिकाओं को आपात स्थिति में तुरंत मदद के लिए पुलिस इमरजेंसी 112, वीमेन पावर लाइन 1090, महिला हेल्पलाइन 181, साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930, सीएम हेल्पलाइन 1076 आदि नंबरों की जानकारी दी गई तथा मोबाइल पर पैनिक बटन का डेमो भी दिखाया गया। साथ ही शासन की प्रमुख योजनाओं जैसे मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत, वन स्टॉप सेंटर, सुरक्षित मातृत्व आश्वासन (सुमन) योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना आदि के बारे में विस्तार से बताया गया। थाना स्तर पर आयोजित चौपालों में महिलाओं की समस्याओं को सुना गया तथा त्वरित निस्तारण का आश्वासन दिया गया।

पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार ने बताया कि मिशन शक्ति का मुख्य उद्देश्य महिलाओं व बालिकाओं को सुरक्षित, सशक्त और आत्मनिर्भर बनाना है। इस अभियान के जरिए समाज के हर वर्ग तक सुरक्षा और कल्याणकारी योजनाओं की पहुंच सुनिश्चित की जा रही है।

कोहरे में सड़क हादसों को ध्यान में रखते हुए पुलिस ने लगाए रिफ्लेक्टर टेप, जनता को किया जागरूक

बबराला/संभल(सब का सपना):- सर्दियों में कोहरे और धुंध के कारण होने वाली सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए जनपद सम्भल की यातायात पुलिस ने सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए साइकिल, ट्रैक्टर ट्राली, गाड़ी आदि वाहनों पर रिफ्लेक्टर टेप लगाया है। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार विश्नोई के निर्देशन में कस्बा बबराला क्षेत्र में बड़े पैमाने पर रोड सेफ्टी अभियान चलाया गया। इस दौरान ट्रैक्टर-ट्रॉलियों, अन्य वाहनों और स्कूली बच्चों की साइकिलों पर चमकदार रिफ्लेक्टर लगाए गए ताकि घने कोहरे या अंधेरे में भी वाहन दूर से दिखाई दें और हादसे की नौबत न आए। यातायात प्रभारी ने बताया कि बबराला क्षेत्र में कोहरे के दिनों में अक्सर ट्रैक्टर-ट्रॉली और साइकिल चालकों की टक्कर में लोग घायल होते हैं क्योंकि ये वाहन पीछे से आ रहे तेज रफ्तार वाहनों को दिखाई नहीं देते। इसे देखते हुए पुलिस ने सैकड़ों वाहनों और साइकिलों पर पीले व लाल रंग के रिफ्लेक्टर टेप चस्पा किए। पुलिस ने जनता से अपील की है कोहरे में वाहन हमेशा धीमी गति से चलाएं फॉग लाइट का सही उपयोग करें हैडलाइट को लो-बीम पर रखें नशे की हालत में बिल्कुल वाहन न चलाएं। ओवरस्पीडिंग से बचें और गलत दिशा (रॉंग साइड) में वाहन न चलाएं। सीट बेल्ट और हेलमेट का उपयोग अनिवार्य रूप से करें।

कोहरे में सड़क हादसों को ध्यान में रखते हुए पुलिस ने लगाए रिफ्लेक्टर टेप, जनता को किया जागरूक

बहजोई/संभल(सब का सपना):- राजकीय इंटर कॉलेज लहरावन में राष्ट्रीय सेवा योजना (एन एस एस) इकाई ने नशे के खिलाफ जोरदार मुहिम चलाई। एन एस एस प्रभारी राकेश कुमार के नेतृत्व में कॉलेज के स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाओं ने ग्राम लहरावन में एक युद्ध नशा के विरुद्ध थीम पर एक प्रभावशाली जागरूकता रैली निकाली। रैली के दौरान छात्र-छात्राओं ने जोर-शोर से नारे लगाए नशा छोड़ो, परिवार बचाओ, नशा नहीं, उम्मीद चाहिए और युवा जागो, नशा भगाओ। स्वयंसेवकों ने ग्रामीणों से घर-घर जाकर अपील की कि नशा केवल व्यक्ति को नहीं, पूरे परिवार और समाज को बर्बाद कर देता है। बच्चों ने हाथों में तख्तियां और बैनर लिए हुए थे, जिन पर नशे के दुष्परिणामों को दर्शाते चित्र व संदेश लिखे थे। रैली को सफल बनाने में प्रधानाचार्य सी.पी. सिंह का विशेष सहयोग रहा। शिक्षक राजीव सिंह राणा, कनका कौर, रितिका, कल्पना, ग्रुप किशोर, श्रीकांत, सद्दाम हुसैन, राजेंद्र सिंह, राजकुमार सहित अन्य स्टाफ सदस्यों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और छात्रों का उत्साहवर्धन किया। प्रधानाचार्य सी.पी. सिंह ने कहा, आज का युवा ही कल का भविष्य है। यदि आज हम नशे के खिलाफ एकजुट होकर आवाज उठाएंगे, तभी हम अपने गांव और समाज को नशामुक्त बना पाएंगे। एन एस एस प्रभारी राकेश कुमार ने ग्रामीणों से अपील की कि वे अपने बच्चों पर नजर रखें और नशे की लत से दूर रहने के लिए प्रेरित करें।

ग्रामीणों ने भी इस पहल की भूरि-भूरि प्रशंसा की और रैली में शामिल होकर अपना समर्थन दिया। यह रैली ग्राम लहरावन सहित आसपास के क्षेत्रों में नशे के खिलाफ जागरूकता फैलाने में महत्वपूर्ण साबित होगी।

सेना कपः कानपुर और प्रयागराज की टीमों ने जीता मैच

संवाददाता
कसया, कुशीनगर। उत्तर प्रदेश क्रिकेट संघ द्वारा मान्यता प्राप्त कुशीनगर क्रिकेट अकादमी द्वारा बुद्ध इंटरमीडिएट कालेज कुशीनगर के क्रीड़ांगन में आयोजित सेना कप - 2025 स्व. सूबेदार मुसाफिर अली राज्य स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता का तीसरा मैच कानपुर और चौथे मैच में प्रयागराज की टीमों ने जीत दर्ज किया। मंलगवार को कानपुर की टीम ने टास जीता और क्षेत्र रक्षण का फैसला किया। गोरखपुर की टीम 17 ओवर एक गेंद पर 136 रन बनाकर आल आउट हो गई। जबाव में उतरी कानपुर की टीम ने लक्ष्य का पीछा करते हुए 13 ओवर पांच गेंद पर 137 रन बनाकर जीत दर्ज की। 34 बाल में 79 रन की शानदार पारी खेलने वाले कानपुर टीम के अमन चौहान को मैन ऑफ द मैच और इसी टीम के आदित्य दीक्षित को 3 ओवर एक बाल में 34 रन देकर तीन विकेट लिए जिन्हें बेस्ट बालर के लिए पुरस्कृत किया गया। गोरखपुर के रजत श्रीवास्तव ने 34 बाल में 40 रन बनाए। मैच का शुभारंभ कांग्रेस नेता अंशु मणि त्रिपाठी और सभासद प्रतिनिधि अजेंद्र कुमार सिंह ने खिलाड़ियों से हाथ मिला और परिचय पत्र प्राप्त कर किया। सभासद अजेंद्र सिंह ने कहा कि आयोजक अजहर ने सेना कप के माध्यम से अपने पिता स्व. सूबेदार के सपनों को साकार किया है। केसीए के संचालक और आयोजक अजहर ने आए हुए सभी अतिथियों का माल्यार्पण कर और बुके देकर स्वागत किया। अंपायरिंग की भूमिका में अमजद अली, फिरोज अली रहे। फोटो ग्राफर नीरज, स्कोरर विकास सिंह जबकि कमेंट्री बॉक्स में दिनेश कुमार सिंह चौधरी ने हिंदी और अंग्रेजी में शानदार कमेंट्री प्रस्तुत की। दूसरा मैच फतेहपुर और प्रयागराज के बीच खेला गया। जिसका शुभारंभ पूर्व ब्लाक प्रमुख डॉ प्रियेश मणि त्रिपाठी ने खिलाड़ियों से हाथ मिलाकर किया और कहा कि खेल से आपसी सौहार्द और भाईचारा बढ़ती है। इस मैच में प्रयागराज ने जीत दर्ज किया। रण जी खिलाड़ी सहिम हसन ने बताया कि बुद्धवार को सेमीफाइनल मैच होगा। इस दौरान सचिन पाठक, अशोक सिंह, सुनील यादव समिति के रवि शंकर, अतहर, प्रिंस पांडेय, नीरज शर्मा, उज्ज्वल, समीर, शुभम सहित खेल प्रेमी मौजूद रहे।

भुगतान नहीं मिलने पर किन्नरों ने कोतवाली के गेट पर किया हंगामा, लगाया जाम

चंदौसी(संभल)। कार्यक्रम में प्रदर्शन के बाद ठेकेदार से कार्यक्रम का भुगतान नहीं मिलने पर किन्नरों ने पुलिस से शिकायत की। कार्रवाई न होने पर किन्नरों ने कोतवाली गेट पर जमकर हंगामा काटा और जाम लगा दिया। हरकत में आई पुलिस ने समझा बुझाकर जाम खुलवाया और दूसरे पक्ष को बुला कर समझौता करा दिया। रकम वापस मिलने पर किन्नर वापस लौट गए। सोमवार की शाम चार बजे करीब चार-पांच किन्नर कोतवाली पहुंचे और कोतवाली गेट पर पुलिस के खिलाफ नारेबाजी करते हुए हंगामा किया। इससे दोनों ओर का यातायात ठप हो गया। किसी भी वाहन को नहीं निकलने दिया। शोर शराबा होने पर पुलिस मौके पर पहुंची और किन्नरों को समझा बुझाकर शांत कराया। किन्नर गुंजन ने बताया कि पिछले दिनों नगर के पथरा मोड़ के रहने वाली ठेकेदार के माध्यम से रामलीला में काम किया था। ठेकेदार से उसके 90 हजार रुपये और साथी किन्नर विनीता से एक लाख रुपये तय हुए थे। आरोप है कि ठेकेदार ने गुंजन के 20 हजार रुपये और किन्नर विनीता के 17 हजार रुपये रोक लिए। बार-बार तकाजा करने पर भी भुगतान नहीं किया। पीड़ित किन्नरों का कहना है उन्होंने बीस दिन पहले पुलिस को तहरीर दी थी लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की।

इससे गुस्साए दोनों पीड़ित किन्नर अपनी साथी किन्नरों के साथ शाम चार बजे करीब कोतवाली पहुंचे। कोतवाली गेट पर हंगामा करते हुए जाम लगा दिया। पंद्रह मिनट ही जाम लग सका।

गन्ने की अधिक उपज लेने के किसान प्रजातियो की जानकारी अवश्य रखे: एस. पी. सिंह ढाढ़ा

संवाददाता
कुशीनगर। अवध सुगर मिल ढाढा - परिक्षेत्र में शरद कालीन गन्ना बुवाई का संचालित बढाने तथा चीनी मिल द्वारा गन्ना विकास के लिए संचालित योजनाओ की जानकारी देने के लिए अधिशाषी अध्यक्ष आरके गुप्ता के मार्ग दर्शन में विशेष प्रशिक्षण अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में ग्राम सकरौली डुमरी एखलास में शरद कालीन गन्ना गोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि एस पी सिंह ने बताया कि गन्ने की औसत उपज बढाने में सबसे महत्वपूर्ण योगदान गन्ने की उन्नत प्रजातियों व समय से बुवाई का है। गन्ने की अधिक उपज देने वाली प्रमुख प्रजातियॉ को 0118, को0 लख0 14201, को0शा0 13235 व जलभराव वाले खेतो मे को0पी0 9301 की बुवाई भुमि व बीज गन्ना उपचार करके ट्रेन्च विधि से बुबाई करें। अनुरोध किया किसान के खेत पर जाकर को0शा0 13235 प्रजाति को देखा। अधिशाषी अध्यक्ष आर.के. गुप्ता के अनुसार 28 नवम्बर तक कुल 10202 कृषकों का भुगतान उनके बैंक खातों में भेज दिया गया है। समय से गन्ना मूल्य भुगतान करना गेट क्षेत्र में गन्ना क्षेत्रफल बढाना हमारी पहली प्राथमिकता है। गन्ना प्रशिक्षण संस्थान पिपराईच गोरखपुर के पूर्व सहायक निदेशक गन्ना विशेषज्ञ श्री ओम प्रकाश गुप्ता ने बताया कि बीज गन्ना का दो आंख की गेड़ी काटें, उसको हेक्जास्टाप से उपचारित करें, भुमि उपचार के लिए 5 किग्रा ट्राईकोडर्मा को 50 कि0ग्रा0 गोबर की सड़ी खाद में मिलाकर पांच दिन छाया में नमी बनाकर रखे एवं अंतिम जुताई के समय प्रयोग करें। कृषकों को सहफसली खेती के सम्बंध में विस्तार से बताया गया। संचालन करते हुए गन्ना प्रबंधक संजय सिंह ने बताया कि इस गांव में 40 एकड गन्ने की बुवाई हो गयी है। किसान बृजनारायन का गन्ना को.शा.13235 को देखा गया प्रमुख किसान गन्ना पर्यवेक्षक शिवसागर सिंह ने मिल की योजना के बारे में बताया। इस अवसर पर प्रदीप मल्ल, अम्बिका प्रकाश चन्द, रामआश्रय निषाद आदि कृषक उपस्थित थे।

जिलाधिकारी ने कि बेसिक शिक्षा योजनाओं की समीक्षा

हाई टेंशन लाइन हटाने व स्मार्ट क्लास में इन्वर्टर लगाने के दिए निर्देश

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- कलक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी डॉ. राजेन्द्र पेंसिया की अध्यक्षता में जिला टास्क फोर्स बेसिक शिक्षा की विभिन्न योजनाओं, केजीबीवी, शिक्षा विमर्श, निपुण शिक्षा तथा पीएम-श्री विद्यालयों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में सबसे प्रमुख मुद्दा परिषदीय विद्यालयों के ऊपर से गुजर रही हाई टेंशन बिजली लाइनों का रहा। जिलाधिकारी ने कड़ा संज्ञान लेते हुए विद्युत विभाग के सम्भल एवं बबराला डिवीजन के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे संबंधित ठेकेदारों के साथ मिलकर शीघ्र इन लाइनों को हटाने की कार्यवाही करें। ऑपरेशन कायाकल्प के तहत 19 बुनियादी अवस्थापना सुविधाओं के संतृप्तिकरण की प्रगति की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने असंतोष जताया और समयबद्ध पूरा करने के निर्देश दिए। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अलका शर्मा को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि शिक्षा विभाग से संबंधित सभी शासनादेशों को हर बैठक में प्रस्तुत किया जाए। निपुण परीक्षा, मिड-डे मील और बच्चों की उपस्थिति पर विस्तार से चर्चा हुई। अधिकारियों के विद्यालय निरीक्षण को अनिवार्य करते हुए ।जिलाधिकारी ने कहा कि सभी अधिकारी प्रत्येक सोमवार व गुरुवार को अनिवार्य रूप से विद्यालयों का निरीक्षण करेंगे। स्मार्ट क्लास की समीक्षा में जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि जहां-जहां स्मार्ट क्लास स्थापित की गई हैं, वहां इन्वर्टर अनिवार्य रूप से लगाया जाए ताकि बिजली कटौती से पढ़ाई प्रभावित न हो।

अपार आईडी के निर्माण को मिशन मोड पर पूरा करने, एआरपी को सक्रिय रहने तथा समेकित शिक्षा, एसएमसी, पीटीएम, डीबीटी, मिशन प्रेरणा, स्कूल रेडीनेस आदि योजनाओं में तेजी लाने के भी निर्देश दिए गए।

बैठक में जिला विद्यालय निरीक्षक सर्वेश कुमार, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अलका शर्मा, सभी खण्ड शिक्षा अधिकारी, एआरपी तथा संबंधित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

आम आदमी पार्टी की वोट बचाओ संविधान बचाओ पदयात्रा 21 दिसंबर से

संभल (सब का सपना):- आम आदमी पार्टी (आप) उत्तर प्रदेश ने 21 से 26 दिसंबर तक वोट बचाओ संविधान बचाओ थीम पर बड़ी पदयात्रा आयोजित करने की घोषणा की है। यह पदयात्रा रामपुर से शुरू होकर मुरादाबाद और अमरोहा जिले में संपन्न होगी। पार्टी के उत्तर प्रदेश प्रभारी एवं राज्यसभा सांसद संजय सिंह स्वयं इस पदयात्रा का मार्गदर्शन करेंगे। पदयात्रा के दौरान रामपुर, मुरादाबाद, पाकबाड़ा क्षेत्र और अमरोहा में विशाल जनसभाओं का आयोजन किया जाएगा। पार्टी ने रामपुर को यात्रा का प्रारंभिक केंद्र इसलिए चुना है ताकि पश्चिमी उत्तर प्रदेश में संविधान बचाओ का संदेश जन-जन तक पहुंचाया जा सके। इसी क्रम में बरेली में आयोजित तैयारी बैठक में प्रदेश प्रभारी संजय सिंह की मौजूदगी में प्रदेश अध्यक्ष ने आतिर हुसैन को पदयात्रा का मीडिया प्रभारी नियुक्त किया। आतिर हुसैन इससे पूर्व प्रदेश मीडिया कोऑर्डिनेटर (उर्दू), राज्य-स्तरीय मीडिया प्रबंधन समिति के सदस्य और पार्टी के प्रवक्ता के रूप में सक्रिय रहे हैं। आतिर हुसैन ने बताया कि निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष के निर्देश पर सभी संबंधित जिलों के मीडिया कर्मियों से संपर्क कर एक मजबूत मीडिया कोऑर्डिनेशन ग्रुप तैयार किया जा रहा है। इसका उद्देश्य पदयात्रा की कवरेज को अधिक प्रभावी, सुव्यवस्थित और व्यापक बनाना है ताकि संविधान बचाने का संदेश हर घर तक पहुंचे। आम आदमी पार्टी ने इस पदयात्रा को 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले संविधान और लोकतंत्र की रक्षा का बिगुल बताया है। पार्टी नेताओं का दावा है कि इस यात्रा से पश्चिमी उत्तर प्रदेश में आप को जबरदस्त जनसमर्थन मिलेगा।

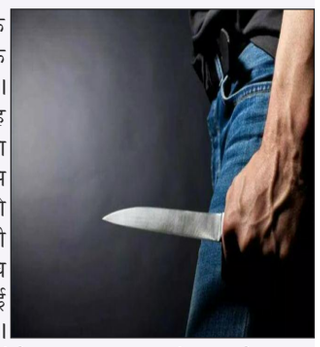

दिल्ली में 20 वर्षीय युवक की चाकू से गोदकर हत्या, दोस्तों के लिए घर से खाना लेकर निकला था सुमित

बाहरी दिल्ली। दिल्ली के सुल्तानपुरी थाना क्षेत्र में एक युवक की चाकू गोदकर हत्या कर दी गई। मृतक के परिवार के अनुसार, वह दोस्तों के लिए खाना लेकर निकला था और वापस नहीं लौटा। पुलिस ने दो नाबालिग आरोपितों को हिरासत में लिया है और मामले की जांच कर रही है। शुरूआती जांच में आपसी रंजिश की आशंका जताई जा रही है। बाहरी दिल्ली। सुल्तानपुरी थाना क्षेत्र में सोमवार की देर रात एक युवक की ताबड़तोड़ चाकू गोदकर हत्या कर दी गई। पीड़ित परिवार के बयान के आधार पर पुलिस दो नाबालिग आरोपितों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। शुरूआती जांच में पता चला कि मृतक के घर पर एक कार्यक्रम था, जिसमें अपने दोस्तों के लिए भी उसने खाना बनवाया था। देर रात दोस्तों के लिए घर से खाना लेकर वह निकला था, लेकिन वापिस नहीं लौटा। पुलिस इस मामले में कई अन्य पहलुओं से की जांच कर रही है। 10वीं पास था सुमित जानकारी के मुताबिक 20 वर्षीय सुमित अपने माता-पिता के साथ सुल्तानपुरी के एबी ब्लाक में रहता था। पिता ने पुलिस को बताया कि घर पर ही उन्होंने एक छोटा कार्यक्रम रखा था, जिसमें सुमित ने कुछ दोस्तों के लिए खाना बनवाया था। जो दोस्त इस कार्यक्रम में नहीं पहुंचे, उनके लिए वह खाना लेकर बाहर गया था। देर रात तक घर नहीं लौटने पर उसकी तलाश शुरू की गई। इस दौरान पता चला कि एबी ब्लाक स्थित नमोकार अस्पताल के पास उनके बेटे का शव खून से लथपथ पड़ा है। उनका बेटा 10वीं पास था और नौकरी की तलाश कर रहा था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर अस्पताल के शवगृह में पोस्टमार्टम के लिए सुरक्षित रखवा दिया है। सूचना पर पहुंची फोरेंसिक व क्राइम टीम ने घटनास्थल से कई साक्ष्य जुटाए हैं। पुलिस अधिकारी ने बताया कि आरोपितों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। शुरूआती जांच में पता चला है कि आपसी रंजिश की वजह से यह हत्या की गई है। पकड़े गए दोनों नाबालिगों से पूछताछ जारी है।

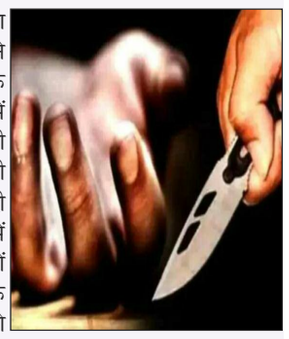

दिल्ली के कालिंदी कुंज में पुरानी रंजिश बनी जानलेवा, बदमाशों ने तीन युवकों पर किया चाकू से वार; एक की मौत

दिल्ली के कालिंदी कुंज में पुरानी रंजिश के चलते तीन युवकों पर बदमाशों ने चाकू से हमला कर दिया, जिसमें एक की मौत हो गई। यह घटना इलाके में सनसनी फैला गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और आरोपियों की तलाश जारी है। दक्षिणी दिल्ली। कालिंदी कुंज थाना क्षेत्र स्थित मदनपुर खादर में बदमाशों ने पुरानी रंजिश में तीन युवकों पर चाकू से हमला कर दिया। इसमें एक युवक की मौत हो गई, जबकि दो घायलों का उपचार चल रहा है। मृतक की पहचान मदनपुर खादर झुग्गी निवासी 19 वर्षीय विकास के रूप में हुई है। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस इलाके के बदमाश रवि उर्फ पव्वा को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। वहीं, एक अन्य घटना में तुगलकाबाद में एक वैवाहिक कार्यक्रम में गए युवक की बदमाशों ने हत्या कर दी। मामले में पुलिस ने चार संदिग्धों को हिरासत में लिया है। सात दिसंबर को आई थी ढउफ कॉल पुलिस के मुताबिक सात दिसंबर की शाम को पीसीआर काल आयी। फोन करने वाले ने मदनपुर खादर के झुग्गी में चाकू मारने की सूचना दी। टीम मौके पर पहुंची तो तीन युवक घायल हालत में मिले। मौके पर फारेंसिक टीम को बुलाते हुए घायलों को अपोलो हास्पिटल में भर्ती कराया गया। इलाज के दौरान चिकित्सकों ने 19 वर्षीय विकास को मृत घोषित कर दिया। वहीं अन्य दो घायल अरुण व विकास का उपचाराधीन हैं। सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की जांच करने व आसपास के लोगों से पूछताछ में इलाके के घोषित अपराधी रवि उर्फ पव्वा और उसके साथियों की संलिप्तता का पता चला। प्राथमिक जांच में पुरानी रंजिश और वर्चस्व के लिए वारदात को अंजाम देने की बात सामने आ रही है। पुलिस ने उसे हिरासत में लिया है। घायलों के बयान लेते हुए जानलेवा हमले के वास्तविक कारणों का पता लगाने के प्रयास किया जा रहा है। आरोपित रवि की निशानदेही पर बाकी आरोपितों को पकड़ने के लिए संभावित ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है। दो दिन से लापता था विक्की, मोबाइल भी बंद तेखंड के मावी मोहल्ला निवासी 44 वर्षीय विक्की मावी की हत्या मामले में क्राइम ब्रांच ने चार संदिग्धों को हिरासत में लिया है। विक्की के बड़े भाई लाला मावी ने बताया कि शनिवार की रात पूरा परिवार और मोहल्ले के कुछ लड़के तुगलकाबाद में एक वैवाहिक कार्यक्रम में गए थे। रात एक बजे तक सभी लौट आए, जबकि विक्की वहीं था। रात 1.10 बजे जब उसका मोबाइल स्विच आफ आने लगा। रविवार की सुबह गोविंदपुरी थाने में शिकायत देकर अनहोनी की आशंका जताई। पर कोई उचित कार्रवाई नहीं हो रही था

निवेश के नाम पर 50 लाख की ठगी, 165 साइबर केसों से जुड़ा ओडिशा का गैंग दिल्ली क्राइम ब्रांच के हत्थे चढ़ा

दिल्ली क्राइम ब्रांच ने निवेश योजनाओं में मोटा मुनाफा का लालच देकर 50 लाख की ठगी करने वाले गिरोह का पदार्फाश किया है। पुलिस ने तीन जालसाजों को गिरफ्तार किया है, जिनकी पहचान ओडिशा के प्रवाश चंद्र पांडा, प्रीतम रोशन पांडा और श्रीतम रोशन पांडा के रूप में हुई है। आरोपितों के पास से 17 मोबाइल फोन, 21 सिम कार्ड, 124 एटीएम कार्ड सहित कई चीजें बरामद की गई हैं। नई दिल्ली। निवेश योजनाओं में मोटा मुनाफा कमाने का लालच देकर व्यक्ति से 50 लाख ठगने वाले गिरोह का भंडाफोड़ कर क्राइम ब्रांच की टीम ने तीन जालसाजों को दबोचा है। जांच में आरोपी देशभर में 165 साइबर क्राइम शिकायतों से जुड़े पाए गए, जिनकी एनसीआरपी से जुड़ी शिकायतों में 6.33 करोड़ की ठगी का पता चला है। आरोपी बड़े साइबर सिंडिकेट के लिए बड़े पैमाने पर म्यूल अकाउंट चलाते थे। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान ओडिशा के प्रवाश चंद्र पांडा, प्रीतम रोशन पांडा और श्रीतम रोशन पांडा के रूप में हुई है। इनके कब्जे से 17 मोबाइल फोन, 21 सिम कार्ड, 124 एटीएम, डेबिट व क्रेडिट कार्ड, 56 बैंक पासबुक, 25 चेक बुक, सात क्यूआर कोड लेबल, दो पासपोर्ट और एक कैश काउंटिंग मशीन बरामद हुई है। पुलिस इनसे पूछताछ कर गिरोह में जुड़े अन्य आरोपियों के बारे में पूछताछ कर रही है। उपायुक्त आदित्य गौतम के मुताबिक, शिकायतकर्ता को सेबी-रजिस्टर्ड स्टाकब्रोकर के रिप्रेजेंटेटिव बनकर जालसाजों ने धोखा दिया, जिन्होंने उसे सेकेंडरी स्टाक्स, प्री-आईपीओ शेयर्स और ऑफ-मार्केट ट्रेड्स में इन्वेस्ट करने के लिए उकसाया। धोखेबाजों ने उसका भरोसा जीतने के लिए मैनिपुलेटेड वेब एप्लीकेशन और जाली सेबी सर्टिफिकेट्स का इस्तेमाल किया। झांसे में आकर शिकायतकर्ता ने धोखेबाजों के दिए गए कई बेनिफिशियरी अकाउंट्स में कुल 49.73 लाख ट्रांसफर कर दिए। बाद में वेरिफिकेशन से पता चला कि ये अकाउंट्स ओडिशा में मौजूद एक कोआर्डिनेटेड ग्रुप द्वारा आपरेट किए जा रहे म्यूल अकाउंट्स थे। जांच करने पर, मेसर्स श्रीजी अपैरल्स के म्यूल अकाउंट की पहचान ठगी के पैसे लेने के लिए किया गया।

कौन हैं लूथरा ब्रदर्स? क्लब के बिजनेस से दुनिया में कमाया नाम, गोवा अग्निकांड के बाद थाईलैंड भागे

नई दिल्ली। नई दिल्ली। GOA fightclub fire News गोवा के अरपोरा स्थित 'बर्च बाय रोमियो लेन' नाइटक्लब में शनिवार रात को हुए अग्निकांड में 25 लोगों की जान जा चुकी है, जबकि कई लोग जख्मी भी हुए हैं। वहीं, गोवा पुलिस इस मामले में अभी मैनेजर समेत चार लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है। लेकिन क्लब के मालिक लूथरा ब्रदर्स देश छोड़कर थाईलैंड भाग गए हैं। आइए आपको बताते हैं कि ये दोनों भाई कौन हैं और इन्होंने अपने बिजनेस की शुरूआत कब की? गोवा पुलिस ने सोमवार को दिल्ली पुलिस के साथ मिलकर हडसन लेन स्थित लूथरा ब्रदर्स के घर पर छापामारी की। हालांकि, दोनों भाई घर पर नहीं मिले, इस दौरान पुलिस टीम ने लूथरा बंधुओं के परिवार के सभी सदस्यों से लंबी पूछताछ की। इसके अलावा पुलिस ने उनके घर के बाहर नोटिस चिपका दिया गया। सात दिसंबर की शाम गोवा पुलिस के अनुरोध पर दिल्ली पुलिस ने लूथरा बंधुओं के

खिलाफ एलओसी जारी कर दी। उधर, मुंबई में ब्यूरो ऑफ इमिग्रेशन से संपर्क करने पर पता चला कि दोनों भाई सात दिसंबर की सुबह 5.30 बजे यानी घटना के तुरंत बाद 6ई 1073 फ्लाइट से फुकेत, थाईलैंड भाग गए। इससे पता चलता है कि वे जांच से बचने के इरादे से भागे हैं। गोवा पुलिस दोनों को जल्द से जल्द पकड़ने के लिए सीबीआई के इंटरपोल से मदद ले रही है। लूथरा ब्रदर्स के बारे में दिल्ली निवासी गौरव लूथरा और सौरभ लूथरा दोनों भाई हैं। दोनों की उम्र में करीब चाल साल का अंतर है। सौरभ की उम्र 40 साल तो गौरव 44 साल का है। दोनों भाई मिलकर ही पूरे देश में अपने बिजनेस को बढ़ा रहे थे। गोवा में जिस नाइटक्लब में हादसा हुआ, वह भी इन दोनों भाइयों का ही है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, सौरभ लूथरा की लिंक्डइनप्रोफाइल से जानकारी सामने आई है। इस प्रोफाइल के अनुसार, सौरभ लूथराफ्क्ङ्घीङ्ग छंल्ली, चेयरमैन है। गोल्डमेडलिस्टसौरभ लूथरा ने इंजीनियरिंग छोड़ हॉस्पिटैलिटीबिजनेस में अपना हाथ आजमाया था। इसी के चलते उसने 2016 में रोमियो लेन नाइटक्लब की शुरूआत की थी। इसके बाद उसका कारोबार बढ़ता गया। रिपोर्ट के अनुसार, लूथराब्रदर्स के वर्तमान में देशभर के 22 बड़े शहरों और चार अन्य देशों में भी रेस्टोरेंट और बार हैं। जिन्हें दोनों भाई भी चलाते हैं। एक अहम जानकारी यह भी सामने आई है कि गौरव और सौरव के अलावा इस बिजनेस में एक और पार्टनर भी है, जिसकी तलाश में पुलिस जुटी है। अभी तक कौन-कौन हुआ गिरफ्तार आगजनी मामले में गोवा पुलिस पहले चार आरोपी क्लब के चीफ जनरल मैनेजर राजीव मोदक, जनरल मैनेजर विवेक सिंह, बार मैनेजर राजीव सिंघानिया और गेट मैनेजर रियांशु ठाकुर को गिरफ्तार कर चुकी है। लूथरा बंधुओं का पहले डिफेंसकॉलोनी में भी एक बार था जो छह माह पहले बंद हो गया। गोवा में हादसे के बाद रोमियो लेन की देशभर में चल रही होटल व बार रेस्तरां की चैन की पुलिस जांच पड़ताल में जुट गई है। दिल्ली में रोमियो लेन का सिविल लाइंस के शामनाथ मार्ग में बार व रेस्तरां संचालित होता है। इस रेस्तरां में तय क्षमता से अधिक ग्राहकों को बैठाने के लिए स्वच्छता को लेकर एमसीडी ने नोटिस जारी किया था। दिसंबर 2024 में दिए गए नोटिस पर क्या कार्रवाई हुई? निगम इस पर चुप हैं। इस रेस्तरां में अब भी बार चल रहा है। दिल्ली से भरत हुआ गिरफ्तारइस मामले में गोवा पुलिस ने रविवार रात दिल्ली पुलिस की क्राइमब्रांच के सहयोग से मैनेजर भरत कोहली को गिरफ्तार कर लिया है। उसे पंजाबी बस्ती, सब्जी मंडी स्थित उसके घर से गिरफ्तार किया गया।वह नाइटक्लब में दैनिक कामकाज की देखरेख के लिए जिम्मेदार था। उसका नाम एक क्लब मैनेजर से पूछताछ के दौरान सामने आया।

दिल्ली के मरघट वाले हनुमान मंदिर के पास नहीं लगेगा जाम, PWD के नए प्लान से हजारों लोगों को मिलेगी राहत

नई दिल्ली : दिल्ली के मरघट वाले हनुमान मंदिर के पास अब जाम नहीं लगेगा। पीडब्ल्यूडी (PWD) ने इसके लिए एक योजना बनाई है, जिससे हजारों लोगों को राहत मिलेगी। इस योजना के तहत मंदिर के आसपास के क्षेत्र में यातायात को सुगम बनाने के लिए नए रास्ते और पार्किंग स्थल बनाए जाएंगे। इससे मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं और स्थानीय निवासियों को काफी सुविधा होगी। रिंग रोड पर मरघट वाले हनुमान बाबा मंदिर के आसपास लगने वाले जाम को दूर करने के लिए लोक निर्माण विभाग योजना बना रहा है। हनुमान मंदिर के आसपास पैदल यात्रियों की संख्या बहुत अधिक है। मंगलवार, शनिवार को यहां रिंग रोड पर और हनुमान मंदिर फ्लाईओवर के नीचे पैदल यात्रियों के कारण जाम लगता है। ऐसे में मंदिर के पास रिंग रोड पर

स्काईवॉक बनेगा। अगर कोई तकनीकी अड़चन नहीं आई तो मंदिर के पास जमुना बाजार रोड पर भी फुटओवर ब्रिज बन सकेगा। वहीं छत्ता रेल लाल बत्ती को बैक टू बैक यूटर्न से सिग्नल फ्री किया जाएगा। क्योंकि लालकिला कश्मीरी गेट के बीच छत्ता रेल लाल बत्ती पर लगने वाले जाम से यमुना बाजार रोड पर हनुमान मंदिर तक यातायात प्रभावित होता है। हनुमान मंदिर के पास क्यों लगता है जाम? हनुमान मंदिर के आसपास पैदल यात्रियों के कारण लगता है जाम मरघट वाले वाले हनुमान बाबा मंदिर के आसपास पैदल यात्रियों के कारण यातायात संचालन में समस्या अधिक बढ़ गई है, खासकर मंगलवार को यहां दो लाख से अधिक श्रद्धालु मंदिर में पहुंचते हैं। शनिवार को भी काफी भीड़ रहती है। ऐसे में मंदिर के आसपास पूरे इलाके का यातायात प्रभावित होता है। खासकर शाम के समय रिंग रोड पर भी इसके कारण जाम लगता है। यमुनापार से आकर पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन जाने वाला जमुना बाजार रोड भी जाम हो जाता है। कई बार यहां पर आधे घंटे तक लोग जाम में फंसे रहते हैं। यातायात पुलिस को भी यातायात संचालन में पसीने छूट जाते हैं। स्काईवॉक रिंग रोड और फुटओवर ब्रिज जमुना बाजार रोड का जाम करेगा कम लोक निर्माण विभाग पिछले कई सालों से इस समस्या का समाधान निकालने के लिए रणनीति बना रहा है, मगर किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंच सका था।

नई सरकार ने इस प्वाइंट पर फोकस किया है। लोक निर्माण मंत्री प्रवेश वर्मा ने विभाग ने हाल फिलाहाल यहां के जाम की समस्या का समाधान निकालने के लिए कहा है। जिसके बाद यहां पर रिंग रोड पर हनुमान मंदिर फ्लाईओवर से उतरते ही स्काईवॉक बनाने की बात सामने आई है।

दिल्ली में चाकू से गादकर एक युवक की हत्या, वारदात से इलाके में दहशत

पूर्वी दिल्ली के शकरपुर इलाके में एक नाबालिग बदमाश ने चाकू से गोदकर एक युवक की हत्या कर दी। मृतक की पहचान देव के रूप में हुई है। आरोपी कुछ महीने पहले ही बाल सुधार गृह से बाहर आया था। परिजनों और स्थानीय लोगों ने विकास मार्ग पर प्रदर्शन किया जिसके बाद आरोपी ने कोर्ट में आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस किशोर न्याय बोर्ड में बालिग की तरह केस चलाने की अनुमति देने का आवेदन करेगी। पूर्वी दिल्ली। राजधानी दिल्ली में नाबालिग बदमाशों का आतंक खत्म नहीं हो रहा है। शकरपुर इलाके में एक शातिर नाबालिग बदमाश ने चाकू से गोदकर एक युवक की हत्या कर दी। कुछ माह पहले ही नाबालिग हत्या के केस में बाल सुधार गृह से बाहर आया था। मृतक की पहचान देव के रूप में की है। ठीक इसी तरह का मामला सितंबर को सीलमपुर में आया था। बाल सुधार गृह से बाहर आए बदमाश ने चाकू से गोदकर एक किशोर की हत्या की थी। वारदात थमने का नाम नहीं ले रही है। नाबालिग बदमाश अपने दुस्साहस से पुलिस को चुनौती दे रहे हैं। वहीं, देव की हत्या से गुस्साए परिजनों व स्थानीय लोगों ने सोमवार दोपहर विकास मार्ग रोड पर करीब 10 मिनट प्रदर्शन किया। नाबालिग को पकड़ने की मांग की। पुलिस ने उन्हें समझा बुझाकर वहां से हटा दिया। इस बीच नाबालिग आरोपी ने कोर्ट में आत्मसमर्पण कर दिया। उसकी उम्र 18 वर्ष के करीब है। पूर्वी जिला पुलिस का कहना है किशोर न्याय बोर्ड में आवेदन दाखिल करके कहा जाएगा कि आरोपी पर बालिग की तरह केस चलाने की अनुमति दी जाए। देव अपने परिवार के साथ शकरपुर गांव में रहते थे। परिवार में मां, एक भाई और बहन हैं। इनके पिता अमरपाल की दो माह पहले ही मौत हुई थी। देव एसी रिपेयरिंग का काम करते थे। अभी घर के पास किराने की दुकान खोली हुई थी। इनके चाचा के बेटे सुनील ने बताया कि रविवार शाम को 5:18 बजे उनके दोस्त का फोन आया कि देव पर एक नाबालिग ने चाकू से कई वार किए हैं।

लंबित मांगों के समाधान को लेकर डूटा का जंतर-मंतर पर दो दिवसीय धरना प्रदर्शन, UGC पर दबाव बढ़ाने की तैयारी

नई दिल्ली : दिल्ली विश्वविद्यालय शिक्षक संघ (डूटा) ने अपनी लंबित मांगों के समाधान के लिए जंतर-मंतर पर दो दिवसीय धरना प्रदर्शन किया। डूटा, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) पर अपनी मांगों को लेकर दबाव बनाने की तैयारी में है। यह प्रदर्शन शिक्षकों की मांगों और शिक्षा नीति से जुड़े मुद्दों पर केंद्रित है। नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय शिक्षक संघ (डूटा) ने अपनी कई वर्षों से लंबित मांगों के समाधान की दिशा में दबाव बनाने के लिए सोमवार से जंतर-मंतर पर दो दिवसीय धरने की शुरूआत की। बड़ी संख्या में शिक्षकों की भागीदारी के साथ यह आंदोलन पहले ही दिन जोर पकड़ता दिखा। मंगलवार को डूटा प्रतिनिधि मंडल यूजूसी कार्यालय पर भी धरना देकर अपनी मांगों को सीधे आयोग के सामने रखने की योजना बना रहा है। डूटा की प्रमुख मांगों में एमफिल-पीएचडी इंक्रेमेंट को फिर से लागू करना, ईडब्ल्यूएस विस्तार के अनुरूप अतिरिक्त फैकल्टी भर्तियां, यूजीएसएफ के चौथे वर्ष के लिए आवश्यक ढांचे का विस्तार तथा ओल्ड पेंशन स्कीम की वापसी शामिल हैं। इसके साथ ही शिक्षकों ने भारतीय उच्च शिक्षा आयोग बिल को सार्वजनिक कर व्यापक चर्चा कराने की जोरदार मांग रखी है। फैकल्टी की नियुक्तियां लंबित डूटा अध्यक्ष प्रो. वीएस. नेगी ने बताया कि एनईपी लागू होने के दौरान विश्वविद्यालय में 25 प्रतिशत ईडब्ल्यूएस सीटों का विस्तार तो किया गया, लेकिन बढ़ी सीटों के अनुपात में फैकल्टी की नियुक्तियां आज तक लंबित हैं। उन्होंने कहा कि स्थायी हुए शिक्षकों की फुल पास्ट सर्विस काउंट की मांग वर्षों से अटकी है, जिसे तुरंत लागू किया जाना चाहिए।

तीन साल में दिल्ली नगर निगम का विकास रुका, फंड और राजनीतिक अड़चनें बनी बड़ी चुनौती

नई दिल्ली : पिछले तीन वर्षों में दिल्ली नगर निगम का विकास रुका हुआ है। इसका मुख्य कारण फंड की कमी और राजनीतिक अड़चनें हैं, जो विकास कार्यों में बाधा डाल रही हैं। इन चुनौतियों के कारण कई परियोजनाएं अधूरी हैं और नागरिकों को आवश्यक सुविधाएं मिलने में देरी हो रही है। नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में निगम पार्षदों को चुने हुए सात दिसंबर को तीन साल पूरे हो गए हैं। ऐसे में केंद्रीय स्तर पर नीतियों में सुधार तो दिखाई दे रहा है लेकिन जमीनी स्तर पर विकास पिछड़ रहा है। न तो नए स्कूल फंड की कमी से बन पा रहे हैं न ही शौचालयों और पार्कों का सुधार हो पा रहा है। आलम यह है कि पूर्व में पार्षदों को एक से दो करोड़ रुपए का विकास फंड देने की बात हुई लेकिन मिला है मात्रा 70 लाख रुपए का ही फंड मिला है। इससे न तो पार्षद नालियां बना पा रहे हैं न ही पार्कों का सुधार

कर पा रहे हैं इतना ही नहीं गलियां भी टूटी पड़ी हैं। जिसकी वजह से लोग परेशान हैं। पार्षदों के पास वह जाते हैं तो पार्षद भी फंड की कमी का बहाना कर अपना पीछा छुटा लेते हैं। दरअसल, मई 2022 में दिल्ली नगर निगम को एकीकृत किया गया था। इसके बाद वार्डों के परिसीमन और आरक्षण को तय करने में चार से पांच माह का समय लगा था जिसके बाद नवंबर में चुनाव की घोषणा हुई और चार दिसंबर 2022 को चुनाव हुए और सात दिसंबर को नतीजे आए। दो साल तक कोर्ट बाजी में बीता समय दिल्ली नगर निगम के तीन में से करीब दो साल आप और भाजपा में हुए झगड़े में बीत गए। इतना ही नहीं महापौर से लेकर स्थायी समिति और वार्ड समितियों के चुनाव तक को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई। इसकी वजह से निगम का समय कोर्टबाजी में ज्यादा बीता और पार्षद विकास कार्यों पर ध्यान नहीं दे पाए। महापौर चुनाव को लेकर निगम सदन में जनवरी और फरवरी 2023 में हुई बैठकों में लाल घुसे तक पक्ष विपक्ष में चले। इसके बाद पिछले 2024 में निगम सदन की बैठकें हंगामे की भेंट चढ़ गई और कोई विकास की परियोजना शुरू नहीं हो सकी। देशभर में विकास गति को देने के लिए तीन स्तर पर प्रणाली बनाई गई है। इसमें केंद्र, राज्य व स्थानीय निकाय है। स्थानीय निकाय जब तक स्थानीय स्तर पर काम नहीं करेंगे तो कैसे चलेगा। पार्कों और गलियों की स्थिति खराब है। जब निगम से बात करों तो कहा जाता है फंड नहीं है। ऐसे में कैसे दिल्ली का विकास होगा।- अतुल गोयल, अध्यक्ष, यूनाइटेड रेजिडेंट ज्वाइंट एक्शन स्थायी समिति के सदस्य के चुनाव से लेकर चेयरमैन के चुनाव के लिए आप और भाजपा का राजनिवास के मामले सुप्रीम कोर्ट में चलते रहे। स्थायी समिति का गठन 2022 से लेकर 2025 के जून तक नहीं हो सका था जिससे बड़ी परियोजनाएं लंबित पड़ी रही थी। तीन साल में बदल गया निगम का राजनीतिक समीकरण दिल्ली नगर निगम का तीन साल में सत्ता का समीकरण बदल गया है।

कंपनी के कैशियर को चाकू मारकर 36 लाख की डकैती मामले में 6 आरोपी गिरफ्तार, स्विफ्ट डिजायर और 2 आईफोन बरामद

दिल्ली के जहांगीरपुरी इलाके में कपड़ा कंपनी के कैशियर से 36 लाख रुपये की लूट के मामले में पुलिस ने छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उत्तरी-पश्चिमी जिले की पुलिस टीम ने सीसीटीवी फुटेज और बाइक नंबर के जरिए इनकी पहचान की। पुलिस ने लूटी गई स्कूटी, दो बाइक, 10.40 लाख रुपये, एक स्विफ्ट डिजायर कार और दो आईफोन बरामद किए हैं। पुलिस बाकी रकम का पता लगा रही है। बाहरी दिल्ली। बाहरी दिल्ली में जहांगीरपुरी थाना क्षेत्र में कपड़ा कंपनी के कैशियर को चाकू मारकर 36 लाख रुपये की डकैती मामले में पुलिस ने छह आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। उत्तरी-पश्चिमी जिले की एएटीएस, स्पेशल स्टाफ और स्थानीय थाने की संयुक्त टीम ने सीसीटीवी फुटेज और बाइक नंबर के जरिए पहचान कर इन्हें पकड़ा है। इनके कब्जे से पुलिस ने लूटी गई स्कूटी, वारदात में इस्तेमाल दो बाइक, लूट की रकम में से करीब 10.40 लाख रुपये, एक स्विफ्ट डिजायर कार, अपराध की राशि से खरीदे गए दो आईफोन बरामद किए हैं। लूट की शेष रकम का भी पुलिस पता लगा रही है। जिला पुलिस उपायुक्त भीष्म सिंह ने बताया कि 28 नवंबर की शाम 7:45 बजे जहांगीरपुरी थाना पुलिस को लूटपाट की सूचना मिली। सूचना पर पहुंची पुलिस को पीड़ित शकूरपुर

स्थित जेजे कालोनी निवासी रोशनलाल मिले। उन्होंने पुलिस बताया कि वह पूठखुर्द स्थित एक कपड़े की कंपनी में कैशियर के पद पर कार्यरत थे। वह गांधीनगर से 36 लाख रुपये का पेमेंट लेकर मालिक लक्ष्य लांबा के पास जा रहे थे। जैसे वह मुकुंदपुर फ्लाईओवर के पास पहुंचे, तभी दो बाइक सवार चार से पांच बदमाशों ने उन्हें रोक लिया। एक बाइक पर बैठे बदमाशों ने स्कूटी को धक्का देकर गिरा दिया। वहीं, एक अन्य आरोपी ने चाकू से उस पर तीन चार वार किए, जिससे उसके बाएं हाथ में चोट आई। वह जान बचाने के लिए वहां से भाग गए। तभी बदमाश उनकी स्कूटी और पैसे का बैग लेकर फरार हो गए। आरोपियों को पकड़ने के लिए एएटीएस निरीक्षक जितेंद्र तिवारी, सब-इंस्पेक्टर रवि सैनी, स्पेशल स्टाफ निरीक्षक सोमवीर सिंह, जहांगीरपुरी थाना प्रभारी सतविंदर सिंह सहित कई टीमें गठित की गईं। टीम ने घटनास्थल के आस पास के सीसीटीवी कैमरे की फुटेज को खंगाला, कोई सुराग नहीं मिला। बाद में टीम गांधी नगर पहुंची, जहां से पीड़ित ने रुपये इकट्ठे किए थे। गांधी नगर के उन जगहों के सीसीटीवी कैमरे की जांच की। जिसमें पुलिस ने दो बदमाशों को पीड़ित का पीछा करते हुए देखा। उन बदमाशों की बाइक का नंबर से बदमाशों की पहचान करने के बाद पुलिस ने चार आरोपियों को नोएडा फेज-1 से अमन, मनीष उर्फ डान, प्रिंस उर्फ आवारा और अरशद को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उनके पास से लूटी गई रकम से खरीदे गए दो आईफोन बरामद कर लिए। इनके निशानदेही पर पुलिस ने दो अन्य बदमाश मोहम्मद इरफान और नितेश को भी गिरफ्तार कर लिया। पुलिस जांच में पता चला कि इरफान और अरशद सगा भाई है। नितेश पर चोरी का एक, अरशद पर आर्म्स एक्ट और वाहन चोरी के मामले, अमन पर झपटमारी के एक मामले, वहीं प्रिंस पर गाजीपुर और कल्याणपुरी में हत्या के दो मामले दर्ज हैं।

हरियाणा सरकार ने पुलिस भर्ती नियमों में किया बदलाव, NCC प्रमाणपत्र धारकों को लेकर भी बड़ा फैसला

हरियाणाः हरियाणा में पुलिस के करीब छह हजार पदों पर जल्द शुरू होने वाली भर्ती प्रक्रिया से पहले राज्य सरकार ने भर्ती नियमों में महत्वपूर्ण बदलाव किए हैं। कॉन्स्टेबल और सब-इंस्पेक्टर दोनों पदों पर अब NCC प्रमाणपत्र धारकों को अतिरिक्त अंक दिए जाएंगे। सरकार के अनुसार, एनसीसी 'A' सर्टिफिकेट वालों को 1 अंक, 'B' सर्टिफिकेट पर 2 अंक और 'C' सर्टिफिकेट रखने वालों को 3 अंकों का वेटेज दिया जाएगा। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने हाल ही में संकेत दिए थे कि पुलिस भर्ती जल्द शुरू होगी। इसी क्रम में उनकी अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में पंजाब पुलिस नियम 1934 में संशोधन को मंजूरी दी गई। ये बदलाव पंजाब पुलिस (हरियाणा संशोधन) नियम 2025 के रूप में अधिसूचित किए जाएंगे। संशोधन के तहत नियम 12.16 में बदलाव करके यह तय किया गया है कि PMT और PST पास करने वाले उम्मीदवारों में से विज्ञापित पदों की संख्या के 10 गुना उम्मीदवारों को नॉलेज टेस्ट के लिए बुलाया जाएगा। नॉलेज टेस्ट पूरी तरह वस्तुनिष्ठ व बहुविकल्पीय प्रश्नों पर आधारित होगा, जिसमें उम्मीदवारों को 97% वेटेज दिया जाएगा। यह

परीक्षा हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में होगी। प्रश्न पत्र में सामान्य अध्ययन, विज्ञान, करंट अफेयर्स, तर्कशक्ति, गणित, कृषि, पशुपालन और संबंधित ट्रेड्स से जुड़े प्रश्न शामिल होंगे। प्रश्नों में कम से कम 10% हिस्सा बेसिक कंप्यूटर ज्ञान और कम से कम 20% हिस्सा हरियाणा से जुड़े विषयों पर आधारित होगा। कॉन्स्टेबल के लिए परीक्षा का स्तर 10+2 और सब-इंस्पेक्टर के लिए स्नातक स्तर का रहेगा। सामान्य श्रेणी के उम्मीदवारों के लिए नॉलेज टेस्ट में 50% अंक अनिवार्य होंगे, जबकि आरक्षित श्रेणी वाले उम्मीदवारों को 10% की छूट दी जाएगी, जिसके तहत उन्हें कम से कम 40% अंक लाने होंगे। कैबिनेट बैठक में हरियाणा राज्य अभियोजन विभाग की विधिक सेवा (समूह क) नियम 2013 में संशोधन को भी मंजूरी दी गई। यह बदलाव नए आपराधिक कानून भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (BNSS) 2023 के अनुरूप अभियोजन ढांचे को मजबूत करेगा। इटरर के अनुसार राज्य और जिला स्तर पर लोक अभियोजकों और अभियोजन निदेशालय में कई नई जिम्मेदारियां जोड़ी गई हैं। इन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए राज्य सरकार पहले ही 48 नए पदों को मंजूरी दे चुकी है, जिनमें 24 उप निदेशक और 24 सहायक निदेशक के पद शामिल हैं।

बास्केटबॉल खिलाड़ी हार्दिक राठी की मौत के मामले में एफआईआर दर्ज होते ही हरकत में आया प्रशासन, उठाया ये कदम

रोहतकः राष्ट्रीय बास्केटबॉल खिलाड़ी हार्दिक राठी की मौत के मामले में एफआईआर दर्ज होने के तीसरे दिन प्रशासन हरकत में आया। घटना के 13 दिन एडीसी नरेंद्र कुमार के नेतृत्व में जांच कमेटी हार्दिक के घर पहुंची। पिता संदीप राठी को गांव में इंडोर स्टेडियम बनवाने का भरोसा दिया। दोपहर बाद पूर्व जिला खेल अधिकारी अनूप सिंह भी हार्दिक के घर पहुंचे और अपना पक्ष रखा। कमेटी सदस्यों ने कहा कि सांसद कोटे से मिले 18.50 लाख रुपये का बजट कम रहेगा। ऐसे में डी प्लान के तहत मिलने वाले बजट से भी काम कराया जाएगा। हार्दिक के परिजनों से 25 मिनट तक बातचीत की। 25 नवंबर को बास्केटबॉल खिलाड़ी हार्दिक राठी गांव के स्टेडियम में

अभ्यास कर रहा था।

सीने पर पोल गिरने से उसकी मौत हो गई थी। परिजनों ने खेल मंत्री से मांग की थी कि गांव में हार्दिक राठी के नाम से इंडोर स्टेडियम बनाया जाए।

मंत्री ने मांग पूरी करने का भरोसा दिया था। डीसी ने 26 नवंबर को पत्र जारी कर जांच के लिए तीन सदस्यीय कमेटी गठित की थी। सोमवार दोपहर से पहले एडीसी नरेंद्र कुमार, खेल विभाग व पंचायती राज हार्दिक के घर पर पहुंचे।

लाखनमाजरा थाना प्रभारी इंस्पेक्टर समरजीत सिंह विभाग के अधिकारी सबसे पहले भी साथ रहे। कमेटी ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। एडीसी ने कहा, जल्द जांच रिपोर्ट तैयार करके डीसी को सौंप दी जाएगी। खेल स्टेडियम में मौजूद सभी पोल उखाड़ने के निर्देश दिए हैं।

हरियाणा के नाइट क्लबों को लेकर सरकार हुई सख्त, गोवा के क्लब हादसे के बाद लिया गया बड़ा फैसला

चंडीगढ़ः हरियाणा में चल रहे नाइट क्लबों को फायर सेफ्टी ऑडिट कराने के निर्देश दिए गए है। हरियाणा के डीजीपी ओपी सिंह ने सभी जिला और जोन पुलिस को कहा पत्र लिखा है। उन्होंने निर्देश दिए कि जहां कहीं भी नाइट क्लब हैं, उनको कहें कि अपनी फायर सेफ्टी ऑडिट कराएं। उन्हें ये गारंटी देने के लिए कहें कि उनकी जगह पूरी तरह से फायर-प्रूफ है। उन्हें मैंने ये भी कहा है कि इस तरह की घटना से निपटने के लिए अपने एसओपी को अपडेट करें, तैयारियों की समीक्षा करें। सिविल प्रशासन से ताल-मेल कर ये देखें कि दमकल गाड़ियां एवं अस्पताल ऐसी चुनौतियों के लिए पूरी तरह से तैयार है। गौरतलब है कि गोवा के अरपोरा इलाके में शनिवार देर रात एक नाइट क्लब में आग लगने से 25 लोगों की मौत हो गई, मरने वाले में 20 क्लब के ही कर्मचारी हैं। इस पूरे मामले में बड़ी लापरवाही सामने आई। इसलिए हरियाणा पुलिस भी अलर्ट हो गई है। राज्य के सभी क्लबों का सेफ्टी ऑडिट करवाने के निर्देश दिए गए है। हरियाणा के गुरुग्राम जिले सहित कई जिले जहां नाइट क्लब कल्चर है। गुरुग्राम के अलावा फरीदाबाद, बहादुरगढ़, पंचकूला, करनाल, पानीपत जिलों में भी नाइट क्लबों की संख्या ज्यादा है। इन जिलों की पुलिस को डीजीपी ने अलर्ट मोड पर किया है। निर्देश दिए हैं कि वह लगातार इनकी मॉनिटरिंग करें और फायर सेफ्टी एसओपी का सख्ती से पालन कराएं।

पलवल-नूंह मार्ग फिर बना मौत का कारण, सड़क की बदहाली ने ली 22 वर्षीय युवक की जान

पलवल : पलवल-नूंह सड़क मार्ग की खराब स्थिति एक बार फिर हादसे की वजह बन गई। सड़के हादसे में एक युवक की दर्दनाक मौत हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए सामान्य अस्पताल भिजवाया। पुलिस ने परिजनों के बयान के आधार पर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार सोमवार शाम रजोलका निवासी 22 वर्षीय युवक ललित अपनी ड्यूटी समाप्त कर घर लौट रहा था। जैसे ही वह लालवा गांव के पास पहुंचा, तभी उसकी बाइक सामने से आ रही दूसरी बाइक से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि ललित ने

मौके पर ही दम तोड़ दिया।मृतक के परिवार ने सड़क की दुर्दशा को इस दुर्घटना का मुख्य कारण बताया। परिजनों का कहना है कि इस मार्ग पर गहरे गड्ढे और टूटी सड़क पिछले लंबे समय से दुर्घटनाओं को न्योता दे रही है।

स्थानीय लोगों के अनुसार इसी खराब सड़क के चलते अब तक कई लोग जान गंवा चुके हैं। कुछ दिन पहले हुए हादसे के बाद सड़क जाम कर प्रशासन को मरम्मत का आश्वासन भी दिया गया था, लेकिन स्थिति अब भी जस की तस है।परिजनों और ग्रामीणों ने सरकार व प्रशासन से मांग की है कि इस सड़क की तुरंत मरम्मत कराई जाए, वरना विरोध को मजबूर होना पड़ेगा।

उन्होंने कहा यह मार्ग अब मौत का रास्ता बन चुका है।

हिसार हवाई अड्डे में नया विंटर शेड्यूल जारी, बढ़ी फ्लाइट संख्या...यात्रियों को होगा फायदा

हिसारः हरियाणा के हिसार हवाई अड्डे को देश के हवाई नेटवर्क में और मजबूत बनाने की तैयारी चल रही है। इस साल 26 अक्टूबर 2025 से 28 मार्च 2026 तक चलने वाले विंटर सीजन में हिसार में उड़ानों की संख्या पिछले साल की तुलना में लगभग 6% बढ़ाई जाएगी। हालांकि नया फ्लाइट शेड्यूल 26 नवंबर से लागू हुआ है।

नए शेड्यूल के लागू होने से हिसार हवाई अड्डे की कनेक्टिविटी बढ़ेगी। इससे यात्रियों को अन्य शहरों के लिए सीधी उड़ानें मिलेंगी और एयरलाइंस को नए रूट पर ऑपरेशन करने का अवसर मिलेगा। इससे दिल्ली-एनसीआर और मुंबई जैसे शहरों को ग्लोबल एविएशन हब बनने में मदद मिलेगी। महाराजा अग्रसेन एयरपोर्ट में नया विंटर शेड्यूल 26 नवंबर से लागू हुआ है। इसके तहत हिसार-जयपुर, हिसार-अयोध्या और हिसार-दिल्ली फ्लाइट अब सप्ताह में दो बार संचालित होंगी। वहीं हिसार-चंडीगढ़ फ्लाइट सप्ताह में तीन दिन उड़ान भरेगी। पहले हिसार-अयोध्या, हिसार-दिल्ली और हिसार-जयपुर फ्लाइट केवल सप्ताह में एक दिन ही उड़ान भरती थीं। चंडीगढ़ फ्लाइट सप्ताह में दो दिन यानी बुधवार और शनिवार उड़ान भरती थी। फिलहाल हिसार से जम्मू और अहमदाबाद के लिए नई फ्लाइट शुरू करने की योजना नहीं बनाई गई है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय के अनुसार, नया शेड्यूल एयरलाइंस के रीजनल कनेक्टिविटी विस्तार और टियर-2 व टियर-3 शहरों में बेहतर कनेक्टिविटी पर केंद्रित है। हिसार, अमरावती, पूर्णिया और रूपसी के जुड़ने से स्थानीय और क्षेत्रीय आर्थिक गतिविधियों में बढ़ोतरी होने की उम्मीद है। देशभर के 126 हवाई अड्डों से कुल 26,495 साप्ताहिक उड़ानों को मंजूरी दी गई है। ग्रीष्मकालीन अनुसूची 2025 में 129 हवाई अड्डों से 25,610 उड़ानों का संचालन हुआ था। हिसार और अमरावती जैसे नए हवाई अड्डे रीजनल कनेक्टिविटी के विस्तार को दशार्ते हैं। वहीं सर्दियों के मौसम में अलीगढ़, मुरादाबाद, चित्रकूट, भावनगर, लुधियाना, पाकयोंग और श्रावस्ती हवाई अड्डों पर फ्लाइट संचालन स्थगित कर दिया गया है।

हरियाणा में पुलिस टीम पर जानलेवा हमला, भागकर बचाई जान

नूंह : हरियाणा के नूंह जिले के अमीनाबाद गांव में पुलिस टीम पर हमला हुआ। यह गांव राजस्थान सीमा के पास पुन्हाना खंड में स्थित है। पुलिस साइबर ठगी के आरोपी को पकड़ने गई थी, लेकिन जैसे ही आरोपी को पकड़ लिया गया, ग्रामीणों ने अचानक पथराव शुरू कर दिया। पुलिसकर्मी किसी तरह वहां से बच निकलें, लेकिन ग्रामीणों ने पीछा करते हुए आरोपी को पुलिस से छुड़ा लिया। इस घटना में चार पुलिसकर्मी घायल हुए हैं, जिन्हें सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पथराव के दौरान कुछ ग्रामीण भी चोटिल हुए। घटना का वीडियो भी सामने आया है। ठगी के आरोपी को पकड़ने गई पुलिस जानकारी के अनुसार, सीआईए टीम लोकेशन के आधार पर साइबर ठगी के मामले में आरोपी रियाज पुत्र रफीक को ढूंढ रही थी। सोमवार देर शाम उसकी लोकेशन अमीनाबाद में ट्रेस हुई और पुलिस टीम वहां पहुंची। टीम ने रियाज को पकड़ लिया, लेकिन उसने शोर मचाना शुरू कर दिया। रियाज के शोर मचाने पर उसके परिवार और अन्य ग्रामीण मौके पर इकट्ठा हो गए। उन्होंने पुलिस से आरोपी को छुड़ाने की कोशिश की। पुलिस उसे लेकर जाने लगी, लेकिन ग्रामीणों ने पथराव शुरू कर दिया। हालात बेकाबू होने पर पुलिस कर्मियों को अपनी जान बचाने के लिए भागना पड़ा। घटना में चार पुलिसकर्मी घायल हुए और पुलिस टीम ने लोकल थाने को सूचना दी। हालांकि, टीम के आने से पहले ही ग्रामीणों ने आरोपी रियाज को छुड़ा लिया।घटना के बाद पुलिस विभाग की ओर से आधिकारिक टिप्पणी नहीं की गई है। बिछोर थाना इस मामले की जांच कर रहा है। थाना प्रभारी ने कहा कि हमले के दौरान क्या स्थिति बनी, यह जांच के बाद ही स्पष्ट होगा। अमीनाबाद में यह घटना पिछले एक महीने में दूसरी बार हुई है। इससे पहले भी पुलिस टीम पर हमला हुआ था, जिसे स्थानीय नेता के हस्तक्षेप से समझौते के जरिए निपटाया गया था।

यूपी-हरियाणा के बीच बढ़ेगी औद्योगिक कनेक्टिविटी, यहां बनेगा 700 किमी लंबा एक्सप्रेसवे

डेस्कः योगी सरकार उत्तर प्रदेश में सड़क और एक्सप्रेसवे नेटवर्क को तेजी से विस्तार दे रही है। इसी दिशा में अब गोरखपुर से शामली होते हुए हरियाणा के पानीपत तक नया एक्सप्रेसवे बनने जा रहा है। यह एक्सेस कंट्रोल्ड एक्सप्रेसवे लगभग 700 किलोमीटर लंबा होगा और इसके लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (DPR) पर काम शुरू कर दिया गया है। इस एक्सप्रेसवे का मकसद पूर्वी उत्तर प्रदेश को हरियाणा जैसे औद्योगिक रूप से समृद्ध राज्य से सीधे जोड़ना है। अधिकारियों के मुताबिक, पानीपत में कपड़ा, लकड़ी-फर्नीचर, कृषि और कागज उद्योगों की 4000 से अधिक इकाइयां हैं, जिनमें बड़ी संख्या में यूपी के मजदूर काम करते हैं। नए एक्सप्रेसवे के जरिए दोनों राज्यों के बीच व्यापार, परिवहन और रोजगार के अवसरों में बढ़ोतरी होगी। एनएचएआई अधिकारियों के अनुसार, एक्सप्रेसवे का काम 2026 में शुरू होने की

संभावना है। परियोजना में चार से छह लेन की सड़क बनाई जाएगी, जिसे आगे चलकर आठ लेन तक विस्तारित किया जा सकेगा। यह एक्सप्रेसवे राज्य के कई प्रमुख जिलों सिद्धार्थनगर, बलरामपुर, श्रावस्ती, लखनऊ, सीतापुर, मेरठ, अमरोहा, बरेली और मुरादाबाद से होकर गुजरेगा। इसका अधिकांश हिस्सा ग्रीनफील्ड कॉरिडोर के रूप में तैयार किया जाएगा। एनएचएआई के उप महाप्रबंधक अंकित वर्मा ने बताया कि नियंत्रित प्रवेश वाले एक्सप्रेसवे पर दुर्घटनाओं की संभावना काफी कम होती है। वाहनों का अनधिकृत प्रवेश रोके जाने से सड़क सुरक्षा में बड़ा सुधार होगा। यह एक्सप्रेसवे उत्तर प्रदेश के पूर्वी और पश्चिमी हिस्सों के बीच औद्योगिक और व्यापारिक संतुलन लाने में मदद करेगा। सिद्धार्थनगर के प्रसिद्ध काला नमक चावल, लखनऊ के चिकनकारी उत्पाद, और बरेली के बांस-लकड़ी उद्योग जैसे ODOP (वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट) क्षेत्रों को नए बाजारों तक पहुंचने में आसानी होगी।डीपीआर में सड़क का संरेखण, भूमि अधिग्रहण और पर्यावरण संरक्षण से जुड़ी शर्तें शामिल होंगी। अधिकारियों के अनुसार, पेड़ों की न्यूनतम कटाई, यात्रियों की संख्या, और प्रमुख सड़कों के जुड़ाव जैसे पहलुओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। राज्य सरकार भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया में एनएचएआई की मदद करेगी।

खबर एक्सप्रेस

डीएसपी के रीडर ने किया सुसाइड, पुलिस के आईडी कार्ड ने हुई पहचान, मौके पर मिला ये सामान

पलवल : मेवात के झिरका फि रोजपुर डीएसपी के रीडर रहे पलवल ज़िले के अतवा बिलोचपुर निवासी राजकुमार पुत्र श्रीचंद का शव सोमवार सुबह भुलवाना में चमेली वन जाने वाले रास्ते पर एक नीम के पेड़ से संदिग्ध परिस्थितियों में लटका मिला। वहां से गुजर रहे राहगीरों ने देखा तो, इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना पर पुलिस घटनास्थल पहुँची और सीन ऑफ क्राइम तथा फोरेंसिक टीम ने स्थल का सर्वे किया। प्राथमिक तालाश में मृतक के जेब से पुलिस विभाग का पहचान पत्र मिला, जिससे पहचान हुई। शव को पोस्टमार्टम के लिए पलवल जिला नागरिक अस्पताल भेज दिया गया है। परिजनों ने बताया कि राजकुमार पिछले कुछ वर्षों से DSP अजायब सिंह के साथ रीडर के रूप में तैनात थे और वे पिछले गुरुवार से ड्यूटी पर अनुपस्थित थे। परिजनों ने कहा कि वे मिलनसार स्वभाव के थे और किसी से कोई विवाद नहीं था। हालाँकि उनका मोबाइल गायब पाया गया और पर्स में रुपए न होना सवाल पैदा कर रहा है। भुलवाना रेलवे स्टेशन की पार्किंग में उनकी मोटरसाइकिल मिली और पार्किंग पर्ची भी बरामद हुई है, जो पुलिस जांच का हिस्सा है होटल थाना के एसएचओ सब-इंस्पेक्टर राजेश कुमार ने बताया कि मोबाइल कॉल डिटेल, परिवारिक बातचीत और पत्नी के बयान दर्ज होने के बाद ही घटनाक्रम की गहराई से पड़ताल की जाएगी। फिलहाल पोस्टमार्टम प्रक्रिया चल रही है। नूंह पुलिस की टीमें मृतक के गांव भेजी जा रही हैं ताकि अंतिम संस्कार की व्यवस्था और आगे की कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

तेज रफ्तार कैंटर की टक्कर से बच्ची की मौत, आरोपी चालक शव लेकर भागा

महेंद्रगढ़ : महेंद्रगढ़ जिले के बचीनी गांव में एक दर्दनाक घटना में सामने आई है। दरअसल 5 वर्षीय बच्ची को एक तेज रफ्तार कैंटर ने टक्कर मार दी। इस हादसे में बच्ची की मौत हो गई। वहीं आरोपी चालक बच्ची को साथ में लेकर भाग गया। जानकारी के अनुसार यूपी का एक परिवार बचीनी गांव के ईंट भट्टे पर काम करता है। बच्ची के पिता राजेंद्र ने बताया कि उनकी 5 वर्षीय बेटी चांदनी सोमवार शाम को घर से लस्सी लेने निकली थी, तभी तेज रफ्तार कैंटर ने उसे टक्कर मार दी। घटना के बाद आरोपी चालक बच्ची को वहीं छोड़कर भागने के बजाय अपने वाहन में लेकर फरार हो गया। साथ में खेल रहे बच्चों ने इसकी सूचना दी। सूचना मिलने पर परिवार घंटों तक महेंद्रगढ़ के नागरिक और निजी अस्पतालों में बच्ची की तलाश करता रहा। बच्ची जब नहीं मिली तो इसकी सूचना पुलिस को दी। परिवार की शिकायत पर पुलिस सक्रिय हुई और स्थानीय सीसीटीवी फुटेज तथा पड़ोसी इलाकों से पूछताछ कर मामला गंभीरता से जांच में लिया। कई टीम गठित कर जांच शुरू की। जांच करते हुए पुलिस आरोपी ड्राइवर तक पहुँची। चालक की निशानदेही पर कार की ओर इशारा करते हुए पुलिस ने शव घटनास्थल से करीब 25 किलोमीटर दूर, माधोगढ़ घाटी के पास सड़क किनारे बरामद किया। बच्ची के पिता राजेंद्र ने बताया कि वे मजदूरी करते हैं और चांदनी उनकी इकलौती बेटी थी। परिवार पहले ही एक निजी क्षति झेल चुका है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए नारनौल नागरिक अस्पताल भेज दिया है। महेंद्रगढ़ सदर थाना मामला दर्ज कर चालक की गिरफ्तारी तथा घटना के हर पहलू की पड़ताल कर रहा है।

इंसानियत शर्मसार! खाली प्लॉट में नवजात बच्ची के शव का कुत्ते ने किया बुरा हाल...लोगों के उड़े होश

पानीपत : पानीपत के कुटानी रोड स्थित जगदीश नगर में उस समय सनसनी फैल गई जब लोगों ने एक खाली पड़े प्लाट में नवजात बच्ची का शव पड़ा देखा। बच्ची के शव को कुत्ते नोच रहे थे। इसके बाद उन्होंने कुत्तों को भगाया और शव पर कपड़ा डाला। तुरंत पुलिस को सूचना दी गई जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और कार्रवाई शुरू की। प्रत्यक्षदर्शी महिला ने बताया कि बच्चों ने उन्हें नवजात का शव पड़े होने की सूचना दी जिसके बाद वह मौके पर पहुंची तो देखा शव को कुत्ते नोच रहे थे। महिला ने शव पर कपड़ा ढंका और पुलिस को सूचना दी। वहीं किला थाना प्रभारी नीरज ने बताया कि कंट्रोल रूम के माध्यम से उन्हें नवजात बच्ची के शव पड़े होने की सूचना मिली थी। इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची। बच्ची का पोस्टमार्टम करवा कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

उजड़ गया परिवारः ओटी टेक्नीशियन ने पत्नी-बेटी संग खाया जहर, दंपती ने अस्पताल में तोड़ा दम

कुरुक्षेत्र : कुरुक्षेत्र के एक प्राइवेट अस्पताल के ऑप्रेशन थिएटर टैक्नीशियन ने अपनी पत्नी और 2 साल की बेटी के साथ जहरीला पदार्थ निगल लिया। इलाज दौरान दम्पति की मौत हो गई जबकि बच्ची का प्राइवेट अस्पताल में इलाज चल रहा है। घटना के पीछे की वजह साफ नहीं हो पाई। मृतक दम्पति की पहचान संजय कुमार (29) और ममता (22) निवासी हिसार हुई है। संजय अपनी पत्नी ममता व बेटी सारा के साथ करीब 2 साल से ज्योति नगर में रह रहा था। परिवार ने किसी पर भी कोई शक नहीं जताया। नरेश कुमार निवासी हिसार ने पुलिस में बयान दिए कि उसके छोटे भाई संजय की करीब 3 साल पहले राजस्थान के सुरतपुरा गांव की ममता के साथ शादी हुई थी। वह कल सुबह करीब 10:45 बजे अपनी दुकान पर थे तभी उनके साले पंकज का फोन आया जिसने बताया कि संजय, ममता और सारा ने सल्फॉस खा ली है। उसने तुरंत संजय को कॉल की और उसकी लोकेशन मांगी लेकिन उसने शेयर नहीं की। उसने संजय की पत्नी को कॉल की और उससे भी लोकेशन शेयर करने की बात कही, उसने भी नहीं की। ममता ने उनको बताया कि उन्होंने गोली खाई है। ममता ने उनको अस्पताल लेकर जाने की बात भी कही। तब उसने संजय के दोस्त शुभम को फोन कर घटना की जानकारी दी। संजय के दोस्त ने उन तीनों को प्राइवेट अस्पताल पहुंचाया। यहां इलाज के दौरान दोपहर करीब 3 बजे ममता की मौत हो गई। वहीं शाम करीब 6 बजे संजय ने भी दम तोड़ दिया। सारा का अस्पताल में इलाज चल रहा है। थाना कृष्णा गेट के थाना प्रभारी बलजीत सिंह ने बताया कि पुलिस ने संजय के बड़े भाई नरेश कुमार के बयान पर इत्तेफाकिया रिपोर्ट दर्ज की है

आईपीएल 2026 की नीलामी सूची घोषित; 350 खिलाड़ियों पर बोली लगेगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) ने 2026 सीज़न के लिए खिलाड़ियों की नीलामी सूची को अंतिम रूप दे दिया है। आईपीएल द्वारा जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार, इस सूची में 350 खिलाड़ी शामिल हैं, जिन पर 16 दिसंबर को अबू धाबी में होने वाली आगामी नीलामी में बोली लगाई जाएगी। नीलामी के लिए पंजीकृत 1,390 खिलाड़ियों में से 350 को शॉर्टलिस्ट किया गया, जिनमें 240 भारतीय और 110 विदेशी खिलाड़ी शामिल हैं। इस सूची में 224 अनकैप्ड भारतीय खिलाड़ी और 14 अनकैप्ड विदेशी खिलाड़ी भी शामिल हैं, जो इस साल की नीलामी में नई प्रतिभा और गहराई ला रहे हैं।

फ्रैंचाइज़ी कुल 77 उपलब्ध स्लॉट के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी, जिनमें से 31 विशेष रूप से विदेशी खिलाड़ियों के लिए आरक्षित हैं। 350 खिलाड़ियों में से 40 खिलाड़ियों ने खुद को अधिकतम आधार मूल्य 2 करोड़ रुपये में सूचीबद्ध किया है, जिनमें वेंकटेश अय्यर और रवि बिश्नोई केवल दो भारतीय हैं। नीलामी मंगलवार को दोपहर 2:30 बजे (यूएई समयानुसार दोपहर 1:00 बजे) शुरू होगी। 40 खिलाड़ियों ने अपनी आरक्षित कीमत 2 करोड़ रुपये रखी है, जबकि 9 खिलाड़ी 1.5 करोड़ रुपये की श्रेणी में हैं। चार खिलाड़ियों ने 1.25 करोड़ रुपये और 17 खिलाड़ियों ने 1 करोड़ रुपये की आरक्षित कीमत चुनी है। 75 लाख रुपये की श्रेणी में 42 खिलाड़ी हैं और चार खिलाड़ियों ने 50 लाख रुपये की श्रेणी चुनी है।

इसके अलावा, सात खिलाड़ियों का आरक्षित मूल्य 40 लाख रुपये है, और 227 खिलाड़ियों का सबसे बड़ा समूह 30 लाख रुपये के वर्ग में है। ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन, जिनके सबसे महंगे खिलाड़ियों में से एक होने की उम्मीद है, क्योंकि कई टीमें एक आक्रामक ऑलराउंडर की तलाश में होंगी, ने बल्लेबाज के रूप में पंजीकरण कराया है और पहले सेट में शामिल होंगे। दक्षिण अफ्रीका के क्विंटन डी कॉक, जॉर्ज लिंडे और श्रीलंका के डुनिथ वेल्लालेज, जो पहले सूची में नहीं थे, को अंतिम रोस्टर में शामिल किया गया है।

दुर्गेश्वरी राठौर का अन्त विश्वविघालयीन हॉकी प्रतियोगिता के लिए चयन

धार (एजेंसी)। खेल और युवा कल्याण विभाग धार द्वारा संचालित हॉकी फीडर सेंटर धार की प्रशिक्षणार्थी दुर्गेश्वरी राठौर का चयन देवी अहिल्या विश्वविघालय इन्दौर के अन्र्त विश्वविघालय हॉकी दल में चयन हुआ है। दुर्गेवश्वरी राठौर ने होल्कर विज्ञान महाविघालय इन्दौर में आयोजित संभाग स्तरीय हॉकी प्रतियोगिता में भाग लेकर श्रेष्ठ खेल का प्रदर्शन कर इस उपलब्धि को प्राप्त किया।

उक्त प्रतियोगिता का आयोजन राज्य स्तरीय अन्र्त विश्वविघालयीन प्रतियोगिता दिनांक 09 दिसम्बर 2025 से 12 दिसम्बर 2025 तक बालाघाट में सम्पन्न होगी। इसके पश्चात् यह दल पूणे (महाराष्ट्र) में आयोजित जोनल स्तरीय अन्र्त विश्वविघालयीन में भाग लेगी।

दुर्गेवश्वरी राठौर की इस उपलब्धि पर जिला खेल अधिकारी, राजेश शाक्य, जिला हॉकी संघ अध्यक्ष, छोटु शास्त्री, रक्षित निरीक्षक, पुरूषोत्तम बिश्नोई, खेल अधिकारी उमंग अग्रवाल ने बधाई दी।

दुर्गेवश्वरी राठौर हॉकी फीडर सेंटर धार के प्रशिक्षक मनीष सोलंकी से नियमित रूप से प्रशिक्षण प्राप्त कर रही है। उक्त जानकारी हॉकी प्रशिक्षक मनीष सोलंकी ने दी।

विराट स्पोट्र्सवियर ब्रांड वन8 बेचकर एजिलिटास में हिस्सेदारी खरीदेंगे

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली ने कहा है कि वह अपना स्पोर्ट्सवियर ब्रांड वन8 एजिलिटास स्पोर्ट्स बेच रहे हैं। विराट इससे मिलने वाली 40 करोड़ रुपये की रकम जिलिटास स्पोर्ट्स में ही निवेश करेंगे। अभिषेक गांगुली की एजिलिटास स्पोर्ट्स एक वर्टिकली इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग-टू-रिटेल स्पोर्ट्स प्लेटफॉर्म है। विराट इसमें एक निवेशक के तौर पर शामिल हो रहे हैं। एजिलिटास उत्पादन, आर एंड डी, ब्रांड-निर्माण और खुदरा वितरण के क्षेत्र में काम करती है। 2023 में इस कंपनी ने स्पोर्ट्स फुटवियर बनाने वाली कंपनी मोचिको शूज को खरीदा था। इससे कंपनी की घरेलू और निर्यात क्षमता बढ़ी थी।

वहीं वन8 एक स्पोर्ट्सवियर ब्रांड है। विराट इसके सह-संस्थापक रहे हैं। यह ब्रांड स्पोर्ट्सवियर, कपड़े, फुटवियर और एक्सेसरीज से जुड़ा हुआ है। एजिलिटास की ओर से कहा गया है कि कोहली और गांगुली के बीच पिछली कुछ समय में साझेदारी बढ़ी है। इसी के तहत ही वन8 को लेकर करार हुआ है। कंपनी ने आगे कहा कि कोहली के पास अब तक केवल वन8 में निवेश करने का विकल्प था पर एजिलिटास की उत्पादन, डिजाइन, आर एंड डी, और वितरण क्षमता को देखते हुए उन्होंने इसका शेयरधारक बनना तय किया है।

विराट का वन8 को एजिलिटास को बेचने का फैसला भविष्य की योजनाओं के तहत ही है। वहीं विराट ने कहा, अभिषेक के साथ मेरा रिश्ता बहुत वास्तविक है। एक दिन, जब मैं यूं ही अपनी कुछ बनाने की इच्छा के बारे में बात कर रहा था, तो उसने कहा, चलो करते हैं और इस तरह वन8 शुरू हुआ। खेल ने मेरी जिंदगी बनाई है। मूवमेंट, कम्फर्ट और परफॉर्मेंस ही मेरे लिए सब कुछ हैं। यही सोच ब्रांड में बदल गयी। मैं हमेशा स्टाइल के लिए स्पोर्ट्स-फर्स्ट के क्षेत्र में जाना चाहता था।वहीं अभिषेक गांगुली ने कहा कि हमारा लक्ष्य भारत से स्पोर्ट्स में एक हाई-परफॉर्मेंस ब्रांड बनाना है।

श्रेयस की वापसी का फैसला इसी माह जांच रिपोर्ट के बाद होगा

मुम्बई (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया दौरे में पसलियों में चोट लगने के बाद से ही भारतीय टीम से बाहर चल रहे भारतीय टीम के मध्यक्रम के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर की वापसी का फैसला इसी माह आने वाली उनकी अल्ट्रासाउंड स्कैन रिपोर्ट के आधार पर होगा। उनकी वापसी अब अगले साल ही होगी। जांच रिपोर्ट के बाद पता चलेगा कि वे कब से आधिकारिक पुनर्वास प्रक्रिया शुरू कर सकेंगे। इसी स्कैन के आधार पर उनकी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी तय हो सकती है। गौरतलब है कि सिडनी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय के दौरान अय्यर की बाईं पसली पर चोट लगी थी, जिसके कारण वह आईसीयू में भी भर्ती थे। इसके बाद से ही उन्हें तुरंत चिकित्सा निगरानी में रखा गया है। अल्ट्रासाउंड स्कैन से पता चलेगा कि उनकी चोट कितनी ठीक हुई है। इसके बाद विशेषज्ञों की टीम उनका पूरा रिहैब प्लान तैयार करेगी। हल्के कंडीशनिंग से लेकर क्रिकेट-विशेष ट्रेनिंग तक का फैसला होगा। अभी भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) उनकी वापसी में किसी भी तरह की जल्दबाज़ी से बचना चाहती है औरा 100 फीसदी फिट होने पर ही उन्हें खेलने दिया जाएगा। अय्यर पिछले कुछ वर्षों से एकदिवसीय टीम के मध्यक्रम के सबसे भरोसेमंद खिलाड़ियों में से एक रहे हैं। चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 और एकदिवसीय विश्वकप में उनकी अहम भूमिका रही है। उनकी गैरमौजूदगी के कारण अब भारतीय टीम को नए विकल्पों को आजमाना पड़ा है पर कोई भी सफल नहीं रहा है। वहीं गेंदबाजी कोच मॉर्ने मोर्केल ने बताया कि अय्यर ने शुरुआती रिहैब शुरू कर दिया है और वे लगातार प्रगति कर रहे हैं। हालांकि, न्यूज़ीलैंड के खिलाफ आगामी वनडे सीरीज में उनका खेलना लगभग संभव नहीं है।

हेजलवुड एशेज क्रिकेट सीरीज से बाहर हुए, अब अगले साल वापसी करेंगे : मैकडोनाल्ड

ब्रिसबेन (ईएमएस)। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण एशेज क्रिकेट सीरीज से बाहर हो गए हैं। हेजलवुड जैसे शीर्ष स्तर के गेंदबाज का टीम से बाहर होना मेलबान टीम के लिए करारा झटका कहै। अब हेजलवुड नये साल में ही खेल में वापसी करेंगे। ऑस्ट्रेलियाई टीम के कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने कहा है कि हेजलवुड अब अगले साल की शुरुआत में होने वाले टी20 विश्व कप से वापसी करेंगे। मैकडोनाल्ड ने कहा, 'वह सीरीज से बाहर रहेंगे और अब उनका लक्ष्य विश्वकप में खेलना होगा। एशेज से उनका बाहर होना काफी निराशाजनक है। हमें उम्मीद थी कि वह सीरीज में अहम भूमिका निभाएंगे पर बदकिस्मती से वह चोटिल हो गये।' गौरतलब है कि हेजलवुड पिछले एक दशक से ऑस्ट्रेलिया के गेंदबाजी आक्रमण की कमान संभालते रहे हैं। वहीं राहत की बात ये है कि कप्तान और तेज गेंदबाज पैट कमिंस फिट हो गये हैं और वह 17 दिसंबर से एडिलेड में शुरू होने वाले तीसरे टेस्ट में वापसी करेंगे। कमिंस ने अभ्यास भी किया है और इस दौरान उन्हें कोई परेशानी नहीं आई। अब तीसरे टेस्ट में कमिंस एक बार फिर कप्तानी संभालेंगे। कमिंस के नहीं रहने पर पहले दोनो ही मैचों में स्टीव स्मिथ ने ऑस्ट्रेलियाई एकादश की कप्तानी संभाली थी।

वेंकटेश अय्यर को लेकर ये क्या बोल गए केकेआर के मुख्य कोच अभिषेक नायर?

मुम्बई (एजेंसी)। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) द्वारा रिलीज़ किए जाने के बाद, वेंकटेश अय्यर 2 करोड़ रुपये के बेस प्राइस के साथ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 की मिनी-नीलामी में वापस आ गए हैं। डीडी स्पोर्ट्स पर द ग्रेट इंडियन क्रिकेट शो में बोलते हुए, केकेआर के मुख्य कोच अभिषेक नायर ने बताया कि कैसे ट्रायल के दौरान वेंकटेश अय्यर के आँकड़ों की बजाय उनके रवैये ने उनका ध्यान खींचा।

द ग्रेट इंडियन क्रिकेट शो की एक विज्ञप्ति के अनुसार, नायर ने कहा कि मैंने उन्हें उनके रवैये के कारण चुना था।

पहले दिन, वेंकटेश अय्यर ने शानदार प्रदर्शन किया, लेकिन उन्होंने कभी हमारी तरफ देखा या किसी को खुश करने की कोशिश नहीं की। मुझे लगा कि उनमें बहुत ज़्यादा रवैया है। उन्होंने आगे कहा कि दूसरे दिन, हमने उसे खेलने का मौका दिया। आखिरी ओवर में, जब हमारे गेंदबाज़ को ऐंठन हुई, तो वेंकी बाउंड्री से चिल्लाया, %मैं आखिरी ओवर डालूँगा। उसने गेंदबाजी की और 18 रन दिए, लेकिन मुझे उसकी विपरीत परिस्थितियों का सामना करने की तत्परता बहुत पसंद आई। उन्होंने कहा कि उसके लिए यह परीक्षा कम मायने रखती थी, खुद को यह साबित करने से ज़्यादा कि वह सही काम कर रहा है। यह विश्वास मेरे साथ रहा।

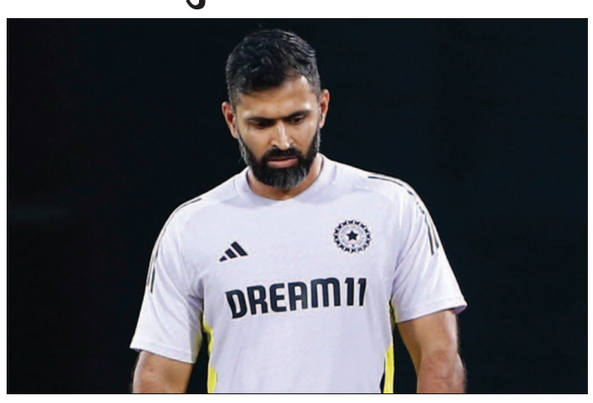

2021 में, वेंकटेश ने तूफानी शुरुआत की और अपने पहले सीज़न में दस मैचों में 370 रन बनाए, जिससे केकेआर फाइनल में पहुँच गया, लेकिन वे चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) से हार गए। 2024 में अपने खिताब जीतने वाले वर्ष में, इस बाएं हाथ के बल्लेबाज़ ने फिर से 370 रन बनाए। 2025 में हालात मुश्किल लग रहे थे, क्योंकि उन्होंने 11 मैचों में एक अर्धशतक के साथ 20.28 की औसत से 142 रन बनाए।

पांड्या जैसे ऑलराउंडर का टीम में होना जरुरी : संजय बांगड़

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व बल्लेबाजी कोच संजय बांगड़ ने कहा है भारतीय टीम के पास अभी हार्दिक पांड्या से बेहतर ऑलराउडर कोई नहीं है। पांड्या की हालांकि फिटनेस एक समस्या है और इसी कारण वह कई अवसरों पर टीम से बाहर रहे हैं। बांगड़ ने कहा, 'उस तरह का ऑलराउंडर बनने के लिए आपको अपनी बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में से किसी भी एक के बल पर टीम में जगह बनाने में सक्षम होना चाहिए।' बांगड़ ने कहा, 'टीम प्रबंधन को उनके जैसे महत्वपूर्ण खिलाड़ियों के कार्यभार का प्रबंधन करना चाहिए। हार्दिक जैसा खिलाड़ी अगर पूरी तरह से फिट हो तो वह संतुलन पैदा करता है और उसकी मौजूदगी से टीम मनचाहा संयोजन तैयार कर सकती है। इसलिए उनका टीम में होना बेहद जरुरी है।' बांगड़ ने कहा, 'विश्व क्रिकेट के सभी ऑलराउंडरों को देखें तो अभी इंग्लैंड के पास बेन स्टोक्स जैसा कोई अन्य खिलाड़ी तैयार है। वहीं हार्दिक पांड्या के साथ भी यही स्थिति है।' पांड्या अकेले अपनी बल्लेबाजी के बल पर शीर्ष पांच में जगह बना सकते हैं। वहीं गेंदबाजी में भी वह किसी भी टीम के शीर्ष तीन तेज गेंदबाजों में से एक हो सकते हैं।'वहीं हार्दिक के कार्यभार प्रबंधन पर बात करते हुए बांगड़ ने कहा कि उन्हें तीन मैच ही खेलने चाहिए। उन्होंने कहा, 'हमें देखना होगा कि वह हालातों से कैसे तालमेल बिठाते हैं। विश्व कप से पहले उन्हें कितने मैच खेलने चाहिये। ये अभी तय नहीं किया जा सकता है।' वहीं शुभमन गिल को लेकर बांगड़ ने कहा कि टेस्ट कप्तान के रूप में गिल की प्रगति से उन्हें अन्य प्रारूपों में भी फायदा होगा। उन्होंने कहा, 'पिछले एक साल में टेस्ट क्रिकेट में इतना अच्छा प्रदर्शन करने के बाद शुभमन का आत्मविश्वास बढ़ा है, उससे भी उन्हें लाभ हुआ है। वह मानसिक रूप से अधिक मजबूत खिलाड़ी बन गए हैं। टेस्ट कप्तान के रूप में अतिरिक्त ज़िम्मेदारी लेने से वह एक बेहतर खिलाड़ी बन गए हैं।'

तीसरे टेस्ट में जीत के साथ सीरीज में अजेय बढ़त हासिल करने उतरेगी ऑस्ट्रेलिया

-कमिंस की वापसी से गेंदबाजी मजबूत होगी : मैकडोनाल्ड

एडिलेड (एजेंसी)। एशेज में पहले दो टेस्ट मैचों में जीत से उत्साहित ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम अब 17 दिसंबर से शुरु होने वाले तीसरे टेस्ट में इंग्लैंड को हराकर सीरीज में अजेय बढ़त हासिल करने के इरादे से उतरेगी। पहले दोनो ही मैच में इंग्लैंड टीम किसी भी क्षेत्र में उसके सामने टिक नहीं पायी। ऐसे सें तीसरे टेस्ट में भी ऑस्ट्रेलियाई टीम जीत की प्रबल दावेदार है। इस मैच में नियमित कप्तान पैट कमिंस की वापसी से भी टीम को लाभ होगा। कमिंस एक बेहतरीन तेज गेंदबाज और उनके आने से इंग्लैंड की मुश्किलें और बढ़ जाएंगी। कमिंट फिट नहीं होने के कारण पहले दोनो ही मैचों से बाहर थे। ऑस्ट्रेलिया के मुख्य कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने कहा, कप्तान कमिंस वापसी के लिए तैयार हैं पर एक अन्य तेज गेंदबाज जोस हेजलवुड फिट नहीं होने से सीरीज से बाहर हो गये हैं।

मैकडोनाल्ड ने कहा, कमिंस की एडिलेड में तैयारी को लेकर कोई चिंता नहीं है। उन्होंने पिछले चार माह से क्रिकेट नहीं खेली है पर इसके बाद भी वह लय में हैं। उन्होंने फिट होने के लिए कड़ी मेहनत की है। उन्होंने अभ्यास सत्र में अपनी फॉर्म और फिटनेस दिखाई है। इसलिए हमें लगता है कि वह तैयार हैं।वहीं उन्होंने कहा कि पिछले टेस्ट से बाहर उस्मान ख्वाजा को एडिलेड टेस्ट में जगह मिल सकती है पर वह सलामी नहीं मध्यक्रम के बल्लेबाजी के तौर पर उतरेंगे। साथ ही कहा कि पिछले मैचों में ट्रैविस हेड और जेक वेदराल्ड का प्रदर्शन सलामी बल्लेबाज के तौर पर अच्छा रहा है, इसलिए वे दोनो ही पारी शुरु करेंगे। उन्होंने कहा कि नाथन लियोन को अंतिम ग्यारह में अवसर मिलना तय है। उन्हें दूसरे मैच में शामिल नहीं किया गया था। उन्होंने कहा कि तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क भी अब ठीक है और तीसरे मैच में खेलेंगे।

दूसरे टेस्ट में मैट हैनरी सहित तीन अनुभवी खिलाड़ियों के बिना ही उतरेगी न्यूजीलैंड

क्राइस्टचर्च । न्यूजीलैंड को बुधवार से वेस्टइंडीज के खिलाफ शुरु हो रहे दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच से पहले करारा झटका लगा है। न्यूजीलैंड टीम को इस मैच में मैच तीन अनुभवी खिलाड़ियों मैट हेनरी, नाथन स्मिथ और मिचेल सेंटनर के बिना ही उतरना पड़ेगा। ये तीनों ही पहले टेस्ट में घायल हो गये थे और अभी तक नहीं उबरे हैं। ये तीनो ही स्टार खिलाड़ी तीसरे ओर अंतिम मैच में भी नहीं खेलेंगे। जिसकी वजह से वह कैरेबियन जायंट्स के खिलाफ दूसरे और तीसरे हेनरी और स्मिथ के चोटिल होने के बाद अनकैप्ड तेज गेंदबाज माइकल रे को न्यूजीलैंड ने शामिल किया है। वहीं क्रिस्टियन क्लार्क को अपनी टीम में जगह मिली है। रे ने वारविकशायर के लिए काउंटी क्रिकेट खेला है, जिसमें उन्होंने 30.28 की औसत से 14 विकेट लिए हैं। कुल मिलाकर दाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने 69 फर्स्ट-क्लास मैचों में 205 विकेट लिए हैं। 30 साल के इस खिलाड़ी के नाम फर्स्ट-क्लास क्रिकेट में आठ बार चार विकेट और तीन बार पांच विकेट हॉल हैं। वहीं फर्स्ट-क्लास में 24 साल के क्लार्क ने 27 मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने 33 की औसत से 77 विकेट लिए हैं।

इस सीरीज का पहला मैच ड्रॉ रहा था।

हीरो हॉकी महिला लीग इस माह के अंत में, पुरुष लीग अगले साल की शुरुआत में

रांची। हीरो हॉकी इंडिया के महिला लीग मुकाबले इसी माह 28 दिसंबर से 10 जनवरी तक रांची में खेले जाएंगे जबकि पुरुष लीग 3 से 26 जनवरी तक चेन्नई, रांची और भुवनेश्वर में आयोजित की जाएगी। हीरो हॉकी इंडिया लीग गवर्निंग कमेटी के अध्यक्ष डॉ. दिलीप तिर्की ने कहा, पिछले सत्र की सफलता के बाद हमें इस बार और भी रोमांचक मुकाबले देखने को मिलेंगे। हमने पुरुष लीग को तीन शहरों में रखा है जिससे अधिक से अधिक प्रशंसक इस विश्वस्तरीय हॉकी का आनंद ले पायें।' वहीं हॉकी इंडिया लीग की गवर्निंग कमेटी के सदस्य भोला नाथ सिंह ने कहा, हीरो हॉकी इंडिया लीग में भारतीय और अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को खेलते हुए देखने का अवसर मिलेगा। ऐसे में आगामी सत्र अब तक का सबसे बेहतर सत्र होगा। इस कार्यक्रम के दौरान रांची रॉयल्स का आधिकारिक लोगो भी जारी किया गया। ये लोगो टीम की जीवंत भावना और झारखंड की समृद्ध हॉकी विरासत के साथ मजबूत संबंध को दिखाता है। महिला लीग में कुल 13 मैच खेले जाएंगे। इसमें शामिल चार टीमों रांची रॉयल्स, एसजी पाइपर्स, जेएसडब्ल्यू सूरमा हॉकी क्लब, और श्राची रारह बंगाल टाइगर्स के बीच डबल राउंड-रॉबिन प्रारूप में मुकाबले होंगे। वहीं अंक तालिका की शीर्ष दो टीमों के बीच 10 जनवरी को फाइनल होगा। इस टूर्नामेंट में नीदरलैंड, बेल्जियम, ऑस्ट्रेलिया, अर्जेंटीना और ग्रेट ब्रिटेन जैसे 10 से अधिक देशों की महिला खिलाड़ी भाग लेंगी। वहीं पुरुष लीग 3 जनवरी से 26 जनवरी 2026 तक चलेगी। पहला चरण चेन्नई में, दूसरा रांची में और तीसरा भुवनेश्वर में होगा।पुरुष लीग में आठ टीमें तमिलनाडु ड्रैगन्स, हैदराबाद तूफान, जीएसडब्ल्यू सूरमा हॉकी क्लब, श्राची रारह बंगाल टाइगर्स (वर्तमान चैंपियन), वेदांता कलिंग लांसर्स, रांची रॉयल्स, एसजी पाइपर्स और एचआईएल गवर्निंग काउंसिल हिस्सा लेंगी। पुरुष लीग में 33 मैच खेले जाएंगे, जिनमें अर्जेंटीना, बेल्जियम, जर्मनी, इंग्लैंड, स्पेन और ऑस्ट्रेलिया जैसे शीर्ष हॉकी राष्ट्रों के खिलाड़ी शामिल होंगे। सभी टीमें सिंगल राउंड-रॉबिन प्रारूप में एक-दूसरे से खेलेंगी। शीर्ष चार टीमें प्लेऑफ में पहुंचेंगी। क्वालिफायर 1 और एलिमिनेटर 23 जनवरी (भुवनेश्वर) को खेला जाएगा। वहीं दूसरा क्वालिफायर 25 जनवरी को खेला जाएगा।

श्रीलंका के खिलाफ टी20 के लिए भारतीय महिला टीम का ऐलान, 17 और 19 साल की युवा प्लेयर्स को मौका

नई दिल्ली । गुनालन कमालिनी और वैष्णवी शर्मा को श्रीलंका के खिलाफ घरेलू सरजमीं पर होने वाली पांच मैच की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के लिए मंगलवार को भारतीय महिला टीम में पहली बार शामिल किया गया। यह श्रृंखला 21 से 30 दिसंबर तक खेली जाएगी जिसके शुरुआती दो मैच विशाखापत्तनम में और बाकी तीन मैच तिरुवनंतपुरम में होंगे। 17 साल की विकेटकीपर बल्लेबाज कमालिनी ने महिला प्रीमियर लीग (WPL) में मुंबई इंडियन्स के लिए नौ मैच खेले हैं लेकिन 19 साल की वैष्णवी को WPL नीलामी में शामिल नहीं किया गया था। कमालिनी और वैष्णवी को राधा यादव और उमा छेत्री के स्थान पर टीम में जगह दी गई है जो पिछले महीने एकदिवसीय विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा थीं। कमालिनी और वैष्णवी के अलावा टीम में सभी जाने-पहचाने नाम शामिल हैं। हरमनप्रीत कौर टीम की कप्तानी कर रही हैं जबकि स्मृति मंधाना उप कप्तान हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व कप सेमीफाइनल से पहले चोटिल प्रतिका रावल की जगह टीम में जगह बनाने वाली आक्रामक सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा भी टीम का हिस्सा हैं। भारत और श्रीलंका नौ जनवरी को नवी मुंबई में डब्ल्यूपीएल 2026 शुरू होने से ठीक पहले पांच मैच की श्रृंखला खेलेंगे। इस द्विपक्षीय श्रृंखला का कार्यक्रम भारत और बांग्लादेश के बीच दिसंबर में भारत में होने वाली सीमित ओवरों की श्रृंखला के पिछले महीने स्थगित होने के बाद घोषित किया गया था। भारत और श्रीलंका ने पिछली बार अक्टूबर 2024 में विश्व कप के दौरान टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेला था।

भारतीय टीम - हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, दीप्ति शर्मा, स्नेह राणा, जेमिमा रोड्रिग्स, शेफाली वर्मा, हरलीन देओल, अमनजोत कौर, अरुंधति रेड्डी, क्रांति गौड़, रेणुका सिंह ठाकुर, ऋचा घोष, जी कमालिनी, श्री चरणी और वैष्णवी शर्मा।

पहले दो नाम ये होने चाहिए, भारत की 2027 विश्व कप टीम पर बोले हरभजन सिंह

नई दिल्ली (एजेंसी)। साउथ अफ्रीका के खिलाफ ODI सीरीज में शानदार प्रदर्शन के बाद पूर्व भारतीय स्पिनर हरभजन सिंह ने ICC क्रिकेट वर्ल्ड कप 2027 खेलने वाले सीनियर खिलाड़ियों रोहित शर्मा और विराट कोहली का समर्थन करते हुए कहा कि इन दोनों के लिस्ट में 'पहले दो नाम' होने चाहिए। रोहित और विराट ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ एक ब्लॉकबस्टर ODI सीरीज खेली। रोहित ने पहले और आखिरी ODI में दो शानदार हाफ-सेंचुरी लगाईं जबकि विराट ने रांची और रायपुर में लगातार दो शतक बनाए और इसके बाद विशाखापत्तनम में अर्धशतक लगाया।

अपने यूट्यूब चैनल पर बात करते हुए हरभजन ने कहा कि अगर कोई 'युवाओं के पीछे अनुभव खो देता है', तो यह बड़े मैचों में महंगा पड़ सकता है। उन्होंने कहा, 'क्या रोहित शर्मा और विराट कोहली से बड़े और बेहतर खिलाड़ी हैं? इसलिए आपको उन्हें साइडलाइन नहीं करना चाहिए, बल्कि यह सोचना चाहिए कि उनके आस-पास टीम कैसे बनाई जाए। अगर आप युवाओं को आगे बढ़ाने के चक्कर में अनुभव खो देते हैं, तो बड़े मैचों में समय-समय पर यह एक समस्या हो सकती है। इसलिए उन्हें खेलना चाहिए और यह एक बड़ा वर्ल्ड कप होगा क्योंकि उसके बाद हो सकता है कि वे कभी दूसरा वर्ल्ड कप न खेलें।'

हरभजन ने कहा, 'जिस तरह से रोहित शर्मा और विराट कोहली बैटिंग कर रहे हैं, और उनके साथ बैटिंग ऑर्डर जैसा दिख रहा है, वह इतना सॉलिड लग रहा है कि उन्हें खेलना चाहिए। वे अपनी फिटनेस बनाए रखेंगे। लेकिन यह सवाल कि वे वर्ल्ड कप खेलेंगे या नहीं, युवा खिलाड़ियों की ओर देखना ठीक है, लेकिन उन खिलाड़ियों को नजरअंदाज़ न करें जो पहले से ही बड़े मैचों में अच्छा प्रदर्शन करने की क्षमता रखते हैं।' पूर्व भारतीय स्पिनर ने कहा, 'पिछले वर्ल्ड कप में भी वे फाइनल में चूक गए थे, क्योंकि पिच बहुत धीमी थी। अगर पिच तेज होती, तो इंडिया जीत जाता। बहुत प्रेशर था, इसीलिए ऑस्ट्रेलिया ने भारत से बेहतर खेला और जीता। लेकिन रोहित शर्मा की लीडरशिप में भारत जिस तरह खेला, वह अविश्वसनीय था। इसलिए पहले दो नाम रोहित शर्मा और विराट कोहली होने चाहिए और बाकी टीम उसके बाद बननी चाहिए।'

विराट ने सीरीज में 151.00 के एवरेज और 117 से ज़्यादा के स्ट्राइक रेट से 302 रन बनाकर टॉप रन-गेटर रहे जिसमें दो शतक और एक फिफ्टी शामिल थी। रोहित ने भी तीन इनिंग्स में 48.66 के औसत से 148 रन बनाए, जिसमें 110 से ज़्यादा का स्ट्राइक रेट और दो फिफ्टी शामिल थी। 'रो-को' इस साल ODI में भारत के लिए सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले दो खिलाड़ी रहे। विराट ने 13 मैचों और इनिंग्स में 65.10 के औसत से 651 रन बनाए, जिसमें तीन शतक और चार फिफ्टी शामिल हैं, उनका बेस्ट स्कोर 135 और स्ट्राइक रेट 96 से ज़्यादा रहा। दूसरी ओर रोहित ने 14 इनिंग्स में 50.00 के औसत और 100 से ज़्यादा के स्ट्राइक रेट से 650 रन बनाए, जिसमें दो शतक और चार फिफ्टी तथा 121* का बेस्ट स्कोर रहा।

छोरी 2 के बाद अब छोरी 3 के लिए पूरी तरह तैयार हैं नुसरत भरुचा

हाल ही में अपने एक इंटरव्यू के दौरान नुसरत भरुचा ने छोरी 2 के सफ़र पर की दिल छू लेने वाली बात कहते हुए बताया कि एक लड़की के लिए अपना फ्रेंचाइज़ी बनाना आसान नहीं होता, लेकिन उन्होंने इसे आखिरकार कर ही दिखाया। इसमें दो राय नहीं है कि नुसरत भरुचा ने एक ऐसे दौर में अपनी अलग जगह बनाई है, जहाँ महिला-प्रधान फिल्म फ्रेंचाइज़ी बहुत कम देखने को मिलती हैं। छोरी के बाद छोरी 2 के सफल प्रदर्शन के बाद नुसरत अब हॉरर यूनिवर्स के अगले चरण यानी छोरी 3 के लिए पूरी तरह तैयार हैं। हालांकि वे इसे एक ऐसी उपलब्धि मानती हैं, जो चुनौतीपूर्ण होने के साथ-साथ बेहद संतोषजनक भी है। अपने फ़िल्मी सफ़र पर बात करते हुए नुसरत ने कहा, छोरी 1 और 2 मेरे लिए बहुत मायने रखते हैं। अब हम एक और भाग शुरू कर रहे हैं, और सच कहूँ तो एक लड़की के लिए अपनी खुद की फ्रेंचाइज़ी बनाना वाकई बहुत मुश्किल होता है। हालांकि मैं खुद को बहुत भाग्यशाली मानती हूँ कि इसमें मेरे प्रोड्यूसर, मेरे डायरेक्टर और हर को-एक्टर ने मेरा भरपूर साथ दिया। सच, मैं ये उस लड़की की तरह कह रही हूँ, जिसे लगता था कि वो सिर्फ़ एक रोम-कॉम एक्ट्रेस बनकर ही रह जाएगी। सो छोरी की तरफ़ से ये आप सबके लिए है। नुसरत के लिए छोरी सिर्फ़ एक फिल्म नहीं, बल्कि एक व्यक्तिगत विकास की यात्रा है। हल्की-फुल्की रोमांटिक फिल्मों से पहचान बनाने वाली नुसरत मानती हैं कि वह हमेशा खुद को रोम-कॉम एक्ट्रेस ही समझती थीं, लेकिन छोरी ने उन्हें एक नए क्रिएटिव ज़ोन में पहुँचाया, जहाँ डर, गहराई, संवेदनशीलता और सामाजिक संदेश एक साथ जुड़ते हैं। फिलहाल छोरी 3 के साथ वे इसके अगले अध्याय में कदम रखने जा रही हैं। साथ ही अपनी इस सफलता को वे हर उस लड़की को समर्पित करती हैं जो अपनी राह नए सिरे से तय कर रही है, जो ये साबित करती है कि हिम्मत और विश्वास से कोई कुछ भी हासिल किया जा सकता है, फिर वो चाहे कितना भी असम्भव क्यों न लग रहा हो।

रश्मिका मंदाना से लेकर नयनतारा तक, साउथ की इन अभिनेत्रियों ने जीता बॉलीवुड के दर्शकों का दिल

भारत एक ऐसा देश है जहां पर प्रतिभा की कद्र की जाती है। इसका एक उदाहरण है साउथ अभिनेत्रियों का बॉलीवुड में काम करना। साउथ की कई अभिनेत्रियों ने अपनी अदाकारी से बॉलीवुड के दर्शकों का दिल जीता है। अब वह बॉलीवुड में सबसे ज्यादा मशहूर अभिनेत्रियों में शामिल हैं। इस खबर में हम साउथ की उन अभिनेत्रियों के बारे में जानेंगे जिन्हें हिंदी पट्टी के दर्शक खूब पसंद करते हैं।

रश्मिका मंदाना

साउथ की अभिनेत्री रश्मिका मंदाना ने साल 2023 में फिल्म मिशन मजनू से बॉलीवुड में अपने करियर की शुरुआत की। उन्होंने हिंदी सिनेमा में अपनी अदाकारी से इस तरह पहचान बना ली है, मानो वह शुरू से ही बॉलीवुड में काम करती रही हों। बॉलीवुड में डेब्यू के साथ उन्होंने साबित कर दिया कि भावनाओं को जाहिर करने के लिए भाषा बाधा नहीं बनती है।

तमन्ना भाटिया

तमन्ना भाटिया को हिंदी पट्टी का लगभग हर व्यक्ति जानता है। उन्होंने साल 2005 में फिल्म चांद सा रोशन चेहरा से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। शुरू से ही उन्होंने अपने अभिनय का जलवा दिखाया। अब वह बॉलीवुड का चमकता सितारा हैं। वह रोमांस से लेकर ड्रामा तक, सभी तरह की फिल्मों में अच्छा अभिनय करती हैं।

सामंथा रुथ प्रभु

सामंथा रुथ प्रभु ने साल 2012 में फिल्म एक दीवाना था से बॉलीवुड में कदम रखा। साउथ में अपनी पहचान बनाने के बाद उन्होंने बॉलीवुड में भी पहचान बना ली है। अपने अभिनय की वजह से फिल्हाल वह भारत की सबसे ज्यादा पसंद की जाने वाली अभिनेत्रियों में से एक हैं।

कीर्ति सुरेश

साल 2024 में रिलीज हुई फिल्म बेबी जॉन से कीर्ति सुरेश ने बॉलीवुड में कदम रखा। वह आसानी से अलग-अलग तरह की भूमिकाओं को करती हैं। बॉलीवुड के दर्शक उनकी शालीनता से आकर्षित होते हैं। यही वजह है कि हिंदी पट्टी में उन्हें कम वक्त में काफी शोहरत मिली है।

नयनतारा

नयनतारा साउथ में सबसे ज्यादा फीस लेने वाली अभिनेत्रियों में से एक हैं। साल 2023 में उन्होंने फिल्म जवान से बॉलीवुड में कदम रखा। इस फिल्म में उन्होंने शाहरुख खान के साथ ऐसी अदाकारी कि दर्शक उनके कायल हो गए। उनकी अदाकारी कई दूसरी अभिनेत्रियों के लिए प्रेरणा है।

अपने तेलुगु डेब्यू को तैयार गुलशन देवैया

सामंथा के बैनर तले बन रही फिल्म में आएंगे नजर

हिंदी फिल्मों में अपने अभिनय से प्रभावित करने के बाद अब अभिनेता गुलशन देवैया पैन इंडिया एक्टर बनने की ओर अग्रसर हैं। बीते दिनों वो ब्लॉकबस्टर कन्नड़ फिल्म 'कांतारा चैप्टर 1' में ऋषभ शेट्टी के साथ नजर आए थे। इस फिल्म में गुलशन निगेटिव रोल में दिखे थे। अब गुलशन देवैया अपने तेलुगु डेब्यू के लिए तैयार हैं। तेलुगु में गुलशन अभिनेत्री व प्रोड्यूसर सामंथा रुथ प्रभु के साथ अपनी शुरुआत करने के लिए तैयार हैं। वो सामंथा स्टारर और उनके प्रोडक्शन हाउस त्रालाला मूविंग पिक्चर्स के अंतर्गत बन रही फिल्म 'मां इंति बंगारम' से तेलुगु सिनेमा में अपनी शुरुआत करने जा रहे हैं।

माधवन और सामंथा भी निभाएंगे प्रमुख भूमिकाएं

'मां इंति बंगारम' में गुलशन देवैया के साथ सामंथा रुथ प्रभु और आर माधवन भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। सामंथा रुथ प्रभु की त्रालाला मूविंग पिक्चर्स ही इस फिल्म का निर्माण भी कर रही है। हाल ही में गुलशन देवैया हैदराबाद में हुए फिल्म के आधिकारिक मुहूर्त समारोह में भी शामिल हुए थे।

फिल्म को लेकर उत्साहित हैं गुलशन

गुलशन अपनी इस फिल्म को लेकर काफी उत्साहित हैं। इस दौरान फिल्म को लेकर गुलशन देवैया का कहना है कि मैं सामंथा के साथ कुछ करने के लिए एक अच्छे मौके का इंतजार कर रहा था। अब ऐसा लगता है कि यह फिल्म सही समय पर आई है। हालांकि, गुलशन ने अपने किरदार को लेकर ज्यादा जानकारी नहीं दी। उनका कहना है कि मैं अपने किरदार या फिल्म के बारे में कुछ नहीं कहना चाहता, लेकिन यह किरदार निभाना काफी चुनौतीपूर्ण है। फिलहाल गुलशन अपने किरदार की तैयारियों में जुटे हैं।

'कांतारा चैप्टर 1' में नजर आए थे गुलशन

वर्कफ्रंट की बात करें तो गुलशन देवैया आखिरी बार ऋषभ शेट्टी की फिल्म 'कंतारा चैप्टर 1' में नजर आए थे। इस फिल्म में गुलशन ने निगेटिव किरदार निभाया था। उनके काम को पसंद भी किया गया था। फिल्म में उनके किरदार का नाम कुलशेखर है, जो एक राजा है जो कंतारा के जंगलों को नष्ट करने की योजना बनाता है। इसके अलावा वो हाल ही में रिलीज हुई वेब सीरीज 'परफेक्ट फैमिली' में भी नजर आए हैं।

इक्कीस में अपने किरदार को लेकर अगस्त्य नंदा ने की बात

हाल ही में मुंबई के नेवी नगर में हुए एक कार्यक्रम में अगस्त्य नंदा ने अपनी आगामी बहुप्रतीक्षित फिल्म इक्कीस को लेकर कई बातों का खुलासा किया। इस फिल्म में अगस्त्य ने सबसे कम उम्र के परमवीर चक्र विजेता सेकंड लेफ्टिनेंट अरुण खेत्रपाल का किरदार निभाया है। अपने किरदार को लेकर जानें क्या है अभिनेता की राय।

दुनिया बदलने के लिए उम्र की सीमा नहीं होती

अगस्त्य नंदा ने अपने किरदार को लेकर कहा, हम तीन साल से इस फिल्म के लिए कड़ी ट्रेनिंग कर रहे हैं। अरुण खेत्रपाल सिर्फ 21 साल के थे, फिर भी उन्होंने जो बहादुरी दिखाई, वह आज की युवा पीढ़ी के लिए बहुत बड़ी प्रेरणा है। मुझे उम्मीद है कि युवा इस फिल्म को देखकर समझेंगे कि दुनिया बदलने के लिए कभी भी कम उम्र नहीं देखी जाती।

कब सामने आई थी फिल्म की कहानी

श्रीराम राघवन ने बताया कि यह कहानी उन्हें 7 साल पहले पता चली थी। वे अरुण खेत्रपाल की पुण्यतिथि पर चंडीगढ़ भी गए थे। उन्होंने कहा, यह फिल्म बनाना बहुत मुश्किल था, लेकिन मैंने दिल से कोशिश की है कि उनकी बहादुरी की कहानी सही तरीके से दिखे।

फिल्म को लेकर भावुक हुए दिनेश विजन

इस फिल्म के निर्माता दिनेश विजन ने कहा, हमने बहुत सारी फिल्में बनाई हैं, लेकिन 'इक्कीस' हमारे लिए सिर्फ फिल्म नहीं, एक भावना है। यह हमारी अब तक की सबसे अच्छी फिल्म है। यह फिल्म हमें इंसान बनना सिखाती है। एक 21 साल का जवान जो कर सकता है, वह हम सोच भी नहीं सकते।

इक्कीस के बारे में

अभिनेता अगस्त्य नंदा ने फिल्म इक्कीस में अरुण खेत्रपाल का किरदार निभाया है। यह फिल्म 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध में बसंतर की लड़ाई में 21 साल की उम्र में शहीद हुए अरुण खेत्रपाल की सच्ची कहानी है। फिल्म का निर्देशन मशहूर डायरेक्टर श्रीराम राघवन ने किया है। दिनेश विजन ने फिल्म का निर्माण किया है। इस फिल्म में अगस्त्य नंदा के साथ जयदीप अहलावत, धर्मेंद्र, सिकंदर खेर समेत कई कलाकार हैं। यह धर्मेंद्र की आखिरी फिल्म है।

ट्रोल्स ने मुझे बहुत प्रभावित किया, मगर अब कोई फर्क नहीं पड़ता

एक समय मिस इंडिया रही नेहा धूपिया के करियर में एक ऐसा वक्त भी आया, जब मां बनने के बाद उन्हें सोशल मीडिया पर बॉडी शेमिंग और ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा। इंडस्ट्री में 22 साल बिता चुकी नेहा पिछली बार अ थर्सडे में दिखी थीं। रोडीज और अपने शो नो फिल्टर नेहा से हमेशा चर्चा में रहने वाली यह एक्ट्रेस आज ट्रोल्स को धता बताकर अपने मदरहुड और काम को इंजॉय कर रही हैं। इन दिनों वे अपनी नई सीरीज परफेक्ट फैमिली से खबरों में हैं। उनसे एक बातचीत।

तीन साल बाद आपने अभिनय में वापसी की। किरदारों को लेकर इतनी चूजी क्यों हैं?

मैं इतनी चूज़ी हूं नहीं। मुझे इतने कम ऑफर्स मिलते हैं कि मुझे उन्हीं में से चुनना पड़ता है। मुझे भी लगता है कि मुझे काफी कम किरदारों का प्रस्ताव मिलता है। कई बार जब मैं कोई रोल देखती हूं, तो मुझे लगता है कि मुझे इसमें क्यों नहीं लिया गया? मगर इसके बावजूद मेरे अंदर एक बहुत बड़ी खुशी भी है कि इस इंडस्ट्री में मुझे 22 साल का एक लंबा अरसा हो गया।

अ थर्सडे में मैं 8 महीने की प्रेग्नेंसी में थी

जब मैंने अ थर्सडे साइन की थी, तब मैं गर्भवती नहीं थी। असल में बीच में लॉकडाउन आ गया था, तो जब शूटिंग शुरू हुई तो मैंने उनसे जाकर कहा, सॉरी मैं 6 महीने की गर्भवती हूं, तो उनका जवाब था कि क्या पुलिस अधिकारी प्रेग्नेंट नहीं हो सकती? आप अगर कंफर्टेबल हैं, तो ये रोल कीजिए। कहने का अर्थ ये है कि बेहजाद खंबाटा और रॉनी स्क्रूवाला जैसे फिल्मकारों ने अ थर्सडे जैसी महिला प्रधान फिल्म बनाई और मुझे गर्भवती होने के बावजूद मौका दिया।

क्या आप इस बात को मानती हैं कि एक महिला को हर जगह पर खुद को ज्यादा साबित करना पड़ता है?

जी मैं मानती हूं। हमारे पेशे में तो फिजिकल पहलू भी काफी मायने रखता है। आप एक मां होते है, पत्नी होते हैं, आपकी जिम्मेदारियों में इजाफा होता है। मां बनने के बाद एक महिला को ब्रेक लेना ही पड़ता है। मेल एक्टर्स कितना ब्रेक लेते हैं? एक मां होना सबसे सुखद अनुभूति है, मगर एक औरत के लिए मां बनने के बाद करियर में रुकावट तो आती ही है। पर हां, हमारे मदरहुड के समय मौके बेहतर हो गए थे। मगर हमसे पहले की जनरेशन तो मदरहुड के समय 5-10 साल पीछे चली जाती थीं। उनको फिर नए सिरे से शुरुआत करनी पड़ती थी। मेरे केस में मैं रोडीज़ कर रही थी, अपना शो नो फिल्टर नेहा कर रही थी। इवेंट्स में भाग ले रही थी और इससे ज्यादा मैं मैनेज भी नहीं कर पाती। आज हम महिलाओं के पास सोशल मीडिया है। जैसे मैंने अपने सोशल मीडिया में एक पैरेंटिंग कम्युनिटी बना ली है, जहां हम प्रेग्नेंसी, पोस्टपार्टम, ब्रेस्ट फीडिंग जैसे कई मुद्दों पर बात करते हैं। इस कम्युनिटी से 80 हजार महिलाएं जुड़ी हैं। देखिए, हम औरतों में अपने अंदर भी एक एक्सपेटेंस होनी चाहिए कि हमसे कितना बदलाव आया है। अब मेरे बच्चे स्कूल जा रहे हैं, तो मेरे पास समय है, जिसका मैं फायदा उठा रही हूं। महिलाओं को अपने लिए मौके बनाने पड़ते हैं।

सोशल मीडिया पर बॉडी शेमिंग या ट्रोल्स को कैसे हैंडल करती हैं?

पहले-पहले तो ये सब कुछ बहुत चुभता था। जब मैं पहली बार मां बनी, तब ट्रोल्स ने मुझे बहुत ज्यादा प्रभावित किया। मां बनना दुनिया का सबसे खूबसूरत अहसास है, उसका कोई मोल नहीं, मगर उसके बाद आपकी जिंदगी 360 डिग्री बदल जाती है। आपकी बॉडी और हॉर्मोन्स चेंज होने लगते हैं, आप आईने में खुद को पहचान नहीं पाते। पहली डिलीवरी के बाद मैं बहुत ही सीवियर पोस्टपार्टम से गुजरी। मेरे बारे में जब भद्दे-भद्दे कमेंट्स आते, तो लगता कि लैपटॉप पर बैठ कर इस तरह के ट्रोल्स की ऐसी-तैसी कर दूं। मगर अब मैं मोटी चमड़ी की हो गई हूं। अब तो मैं अब्यूज, सेक्सुअल कोनोटेशन, फैट शेमिंग, गंदे-गंदे कमेंट्स, हर किसी से गुजर चुकी हूं और इससे उबर चुकी हूं। अब कोई फर्क नहीं पड़ता।

परफेक्ट फैमिली जैसी सीरीज का हिस्सा बनने को क्यों प्रेरित हुई?

तीन साल के अंतराल के बाद अगर आप किसी प्रॉजेक्ट में अभिनय करते हैं, तो जरूरी हो जाता है कि आप ऐसे विषय से जुड़ें, जो सामयिक भी मगर मनोरंजन भी दे। यही बात मुझे परफेक्ट फैमिली में दिखी। बाहर से हर फैमिली परफेक्ट लगती है, मगर अंदर से हर परिवार में कलेश होता है। जहां तक थेरेपी लेने की बात है, तो हर परिवार मानता है कि मानसिक रूप से बीमार या पागल होने पर ही थेरेपी ली जा सकती है। इस टैबू को तोड़ती है ये सीरीज। इसीलिए मैं इसका हिस्सा बनी।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।